ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सुहास शेट्टी हत्या मामले को एनआईए को सौंपने की जरूरत नहीं: परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 05 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-123

पहलगाम हमले पर यूरोपीय संघ के बयान से भड़के एस जयशंकर, बोले
'हमें साथ देने वाले चाहिए, ज्ञान देने वाले नहीं'

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।
विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोप पर तंज कसते हुए कहा कि भारत समान साझेदार चाहता है, न कि 'उपदेशक' जो खुद अपने देश में उपदेश का पालन नहीं करते। उन्होंने कहा कि कुछ यूरोपीय देश अभी भी इस मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि यूरोप को भारत के साथ संबंधों में संवेदनशीलता और पारस्परिक हितों को दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूरोप को उपदेश देने के बजाय पारस्परिकता के आधार पर काम करना चाहिए।

विदेश मंत्री ने कहा, 'जब हम दुनिया को देखते हैं, तो हम साझेदारों की तलाश करते हैं; हम उपदेशकों की तलाश नहीं करते, खासकर ऐसे उपदेशकों की जो अपने देश में अभ्यास न करके विदेश में उपदेश देते हैं। मुझे लगता है कि यूरोप का कुछ हिस्सा अभी भी उस समस्या से जूझ रहा है। इसमें कुछ बदलाव आया है।' उन्होंने कहा, 'अब वे इस पर कदम उठा पाते हैं या नहीं, यह हमें

देखना होगा।' जयशंकर ने कहा, 'लेकिन हमारे दृष्टिकोण से, अगर हमें साझेदारी विकसित करनी है, तो कुछ समझ होनी चाहिए, कुछ संवेदनशीलता होनी चाहिए, हितों की पारस्परिकता होनी चाहिए और यह अहसास होना चाहिए कि दुनिया कैसे काम करती है। और मुझे लगता है कि ये सभी कार्य यूरोप के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग डिग्री पर प्रगति पर हैं। इसलिए कुछ आगे बढ़े हैं, कुछ थोड़े कम।' विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत 'रूस यथार्थवाद' की वकालत करता है, क्योंकि भारत और रूस के बीच मजबूत संबंध और पूरकता है। उन्होंने कहा कि एक संसाधन प्रदाता के रूप में रूस और उपभोक्ता के रूप में भारत के बीच अच्छा तालमेल है। जयशंकर ने पश्चिमी देशों की भी आलोचना की, जिन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष को हल करने के लिए रूस की भागीदारी के बिना प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यह यथार्थवाद के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। जयशंकर ने कहा कि वह अमेरिकी यथार्थवाद के भी समर्थक हैं और अमेरिका के साथ जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका हितों की पारस्परिकता खोजना है, न कि वैचारिक मतभेदों को बढ़ावा देना।

भारत पर बुरी नजर रखने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना मेरी जिम्मेदारी है : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पहलगाम हमले को लेकर कहा कि रक्षा मंत्री के तौर पर मेरी जिम्मेदारी सशस्त्र बलों के साथ काम करना और भारत पर बुरी नजर रखने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना है। इसके साथ ही उन्होंने पीएम मोदी तारीफ करते हुए कहा कि सभी पीएम मोदी के जोखिम उठाने वाले भाव से परिचित हैं।

संस्कृति जागरण महोत्सव को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, राजनीति शब्द दो शब्दों राज और नीति से मिलकर बना है... लेकिन विडंबना यह है कि राजनीति शब्द अपना अर्थ खो चुका है। मुझे पूज्य संतों का आशीर्वाद चाहिए... मुझे आपका आशीर्वाद

चाहिए ताकि हम इसे भारत की राजनीति में पुनः स्थापित कर सकें। राजनाथ सिंह ने कहा, एक राष्ट्र के रूप में हमारे वीर सैनिकों ने हमेशा भारत के भौतिक स्वरूप की रक्षा की है, जबकि दूसरी ओर हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भारत के आध्यात्मिक स्वरूप की रक्षा की है। एक ओर जहां हमारे सैनिक रणभूमि पर लड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे संत जीवनभूमि पर लड़ते हैं। एक रक्षा मंत्री के रूप में यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं। हमारे देश पर हमला करने की हिम्मत करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना मेरी जिम्मेदारी है। आप सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और दृढ़ता को जानते हैं।

'कांग्रेस का हिंदू विरोधी चेहरा उजागर'

भगवान राम को 'पौराणिक पात्र' बताने पर राहुल गांधी पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उस बयान को लेकर हमला बोला, जिसमें उन्होंने भगवान राम को 'पौराणिक पात्र'कहा था। भाजपा ने कहा कि इस बयान से कांग्रेस का 'हिंदू विरोधी चेहरा' उजागर हो गया है।

राहुल गांधी ने यह टिप्पणी अमेरिका में एक विश्वविद्यालय में पिछले महीने एक बातचीत सत्र के दौरान की थी। इसमें उन्होंने भाजपा के हिंदुत्ववादी विचार की आलोचना करते हुए कहा था कि ज्योतिराव फुले, बी.आर. अंबेडकर, महात्मा गांधी, गुरु नानक, बसवन्ना और बुद्ध जैसे भारत के सभी महान समाज सुधारकों और राजनीतिक विचारकों ने यही कहा था कि सबको साथ लेकर चलो, सत्य और अहिंसा का पालन करो। कांग्रेस नेता ने कहा था, मेरे लिए यह भारतीय परंपरा और इतिहास का आधार है। मैं भारत में किसी ऐसे किसी नाम को नहीं जानता, जिसे हम महान मानते हों और जो इस प्रकार का हो। मैं एक भी ऐसा नाम नहीं सोच सकता। ये सभी पौराणिक पात्र हैं। भगवान राम भी उसी समय के हैं। वह क्षमावान और दयालु थे। राहुल गांधी से सवाल पूछा गया था कि हिंदू राष्ट्रवाद के दौर में धर्मनिरपेक्ष राजनीति कैसे होनी चाहिए। इस सवाल के जवाब में उन्होंने यह बातें कहीं।

राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर भाजपा ने प्रतिक्रिया दी है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने उन्हें हिंदू विरोधी करार दिया और कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस का नाम बदल हिंदू विरोधी कांग्रेस रख देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने कहा था कि कांग्रेस मुसलमानों की पार्टी है। उन्होंने कहा कि इसी पार्टी ने हिंदू आतंकवाद जैसे शब्दों का उपयोग किया, भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाया और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का हरसंभव विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने आज फिर सौ करोड़ से ज्यादा हिंदुओं के सामने अपने असली चेहरे को दिखा दिया है।

भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा, राहुल गांधी हिंदुओं की भावनाओं को हल्के में लेते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी में कोई व्यक्ति जितना हिंदुओं, सनातन धर्म और भगवान राम को अपशब्द कहता है, उस व्यक्ति को पदोन्नति मिलती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी अपने स्वभाव और सोच से ही ▶10पर

पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच यह मुलाकात हुई। बता दें, इस हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी।

पहलगाम में हुए हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की संभावित सैन्य कार्रवाई का जायजा लेने के लिए पीएम मोदी तीनों सेनाओं के प्रमुखों से मिल रहे हैं। 30 अप्रैल को आर्मी चीफ जनरल द्विवेदी ने पीएम मोदी से उनके आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर ▶10पर

डीआरडीओ का बड़ा कारनामा, स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का सफल परीक्षण, बढ़ेगी भारत की ताकत

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।
रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मध्य प्रदेश के श्योपुर परीक्षण स्थल से अपने स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। परीक्षण करीब 62 मिनट तक चला। इस दौरान इंस्ट्रूमेंटल पेलोड ले जाने वाले एयरशिप ने करीब 17 किलोमीटर की ऊंचाई को छुआ। डीआरडीओ ने एक्स पर लिखा, डीआरडीओ ने इंस्ट्रूमेंटल पेलोड के साथ स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप का पहला उड़ान परीक्षण लगभग 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक किया। हवा से हल्का यह सिस्टम भारत की पृथ्वी अवलोकन और खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को बढ़ाएगा, जिससे देश दुनिया के उन कुछ देशों में से एक बन जाएगा, जिनके पास ऐसी स्वदेशी क्षमताएं हैं। ▶10पर

संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी : अमित शाह

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान के लिए संघ और संस्कृत भारती ने एक मजबूत अभियान शुरू किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी भाषा का विरोध नहीं करती, बल्कि सभी भाषाओं को सशक्त बनाना चाहती है। यह बातें शाह ने संस्कृत भारती द्वारा आयोजित 1008 संभाषण शिविरों के समापन समारोह में कही। शाह ने कहा कि संस्कृत अधिकांश भारतीय भाषाओं की जननी है। यदि संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। नई शिक्षा नीति में भी संस्कृत के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। शाह ने कहा कि संस्कृत के अमृत ज्ञान को सरल भाषा में दुनिया तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने सभी से अपील की कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि सरकार ने पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटाइजेशन के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भी विचार रखे। ▶10पर

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और विदेश मंत्री का 'एक्स' अकाउंट भारत में ब्लॉक

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाती हुई नजर आ रही है। इसके अलावा, सरकार देश के खिलाफ जहर उगलने वाले पाकिस्तानी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स को भारत में बैन कर रही है। इसी कड़ी में रविवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के 'एक्स' अकाउंट को ब्लॉक कर दिया गया है। भारत में इमरान खान और बिलावल भुट्टो के एक्स को सर्च करने पर अकाउंट की प्रोफाइल पिक्चर और कवर इमेज ब्लैंक नजर आ रही है। इसके साथ ही एक संदेश भी लिखा हुआ दिख रहा है, जिसमें कानूनी बाध्यता का जिक्र है।

इससे पहले, पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार के एक्स अकाउंट को भी भारत में बैन कर दिया गया है। तरार ने हाल ही में दावा किया था कि इस्लामाबाद के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है, जिससे पता चलता है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली 24 से 36 घंटे के भीतर पड़ोसी देश पर सैन्य हमला कर सकता है। ▶10पर

आत्मसमर्पण के अलावा, माओवादी संगठन से नहीं होगी कोई बातचीत : बंडी संजय

हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को साफ कहा कि माओवादियों के साथ किसी भी तरह की शांति वार्ता का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि सीपीआई (माओवादी) एक प्रतिबंधित संगठन है और इसके सदस्यों को अगर मुख्यधारा में आना है तो पहले उन्हें हथियार डालकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना होगा। करीमनगर में पत्रकारों से बात करते हुए संजय कुमार ने कहा,यह एक प्रतिबंधित संगठन है, और इससे बातचीत करने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में कहा था कि उनकी सरकार नक्सलवाद को सामाजिक नजरिए से देखती है, न कि सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में। इस पर बी. संजय कुमार ने सवाल उठाया, 'जो लोग बंदूकें लेकर हिंसा कर रहे हैं, उनसे कैसे सामाजिक नजरिए से बात की जा सकती है?' उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार ने ही माओवादियों पर प्रतिबंध लगाया था और पूछा कि क्या रेवंत रेड्डी में अब इतना साहस है कि वह इस बैन को हटाने की हिम्मत दिखाएं? बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने केंद्र से 'ऑपरेशन कागर' रोकने की मांग की थी। उनका आरोप है कि इस अभियान में आदिवासी और युवा मारे जा रहे हैं। ▶10पर

शेयर मार्केट

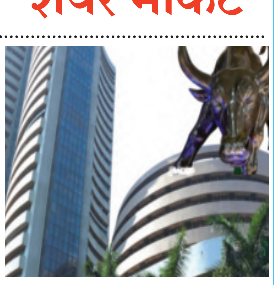

बीएसई : 80,501.99
+259.75 +0.32% ↑
एनएसई :24,346.70
12.50 (0.05%) ↑

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 27°

खुलासा — प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के वक्त हमले का मंसूबा पाले थे आतंकी

वंदे भारत का उद्घाटन टला तो पहलगाम को दहलाया

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।
पहलगाम आतंकी हमले के बाद जांच में परत दर परत नए खुलासे हो रहे हैं। जांच में पता चला है कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर खुफिया एजेंसियों को जो इनपुट मिले थे, उसके अनुसार आतंकियों के निशाने पर वंदे भारत ट्रेन थी। देश की सर्वाधिक गति वाली ट्रेनों में से एक वंदे भारत के कश्मीर तक पहुंचने से वे बौखलाए हुए थे। वे इस ट्रेन के उद्घाटन के अवसर पर ही हमला करना चाहते थे। जब इसके उद्घाटन की तारीख टल गई तो आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों का नरसंहार कर दिया।

सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिले थे कि आतंकवादी कटड़ा से श्रीनगर के लिए पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देना चाहते हैं। हालांकि कटड़ा क्षेत्र में तेज हवा चलने के पूर्वानुमानों के कारण प्रधानमंत्री की 19 अप्रैल को होने वाली यात्रा स्थगित कर दी गई।

जांच कर रहे अफसरों ने कहा कि अब तक जो बात सामने आ रही है, उससे पता चला है कि दो स्थानीय आतंकी पहले से ही

पर्यटकों के साथ मिल गए थे। जैसे ही पहली गोली चली उन्होंने पर्यटकों को एक फूड कोर्ट परिसर में इकट्ठा कर लिया, जहां दो अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी थे। पहलगाम आतंकी हमले की जांच के दौरान अहम खुलासा हुआ है कि हमले के वक्त बायसरन इलाके में प्रतिबंधित चीनी कंपनी हुवावे के सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल हुआ था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आशंका जताई कि फोन पाकिस्तान या किसी अन्य देश से तस्करी कर लाया गया था।

देश में चीनी दूरसंचार कंपनियां हुवावे और झोंगक्सिंग टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट (जेडटीई) को 5जी नेटवर्क के लिए उपकरण बेचने की इजाजत नहीं है। हालांकि इन पर कोई स्पष्ट प्रतिबंध नहीं है, लेकिन भारतीय दूरसंचार कंपनियों ने हुवावे व जेडटीई को 5जी रोल आउट से बाहर कर दिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये कंपनियां केंद्र सरकार की ओर से तय किए गए विश्वसनीय स्रोत की शर्त को पूरा नहीं करती हैं। चीनी उपकरणों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के चलते भारतीय दूरसंचार कंपनियां यूरोपीय उपकरण इस्तेमाल करने के लिए ज्यादा पैसे देने को भी तैयार हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड ने भी हुवावे को अपने 5जी नेटवर्क से प्रतिबंधित कर दिया था। ये चारों देश कनाडा के साथ फाइव आइज इंटेलिजेंस शेयरिंग गठबंधन के सदस्य देश हैं।इससे पहले, एनआईए की जांच में पहलगाम आतंकी हमले में लश्कर-ए-ताइबा के साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और वहां की सेना की मिलीभगत ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मैंने यह नहीं कहा कि सुहान शेट्टी की हत्या में फाजिल के परिवार के सदस्य निर्दोष थे: खादर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा है कि उन्होंने मीडिया चैनलों को यह नहीं बताया कि 30 वर्षीय हत्या के आरोपी और बजरंग दल के पूर्व सदस्य सुहास शेट्टी की हत्या में मोहम्मद फाजिल के परिवार के सदस्य निर्दोष थे। उन्होंने केवल परिवार के सदस्यों से प्राप्त कॉल का हवाला दिया था। खादर मेंगलूरु सिटी नॉर्थ के विधायक वाई. भरत शेट्टी और अन्य भाजपा नेताओं की टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे कि शेट्टी की हत्या के सिलसिले में जुलाई 2022 में हत्या के शिकार मोहम्मद फाजिल

के भाई आदिल मेहरूफ की गिरफ्तारी ने खादर को बेनकाब कर दिया है। शनिवार रात मीडिया को जारी एक बयान में खादर ने कहा कि 1 मई को शेट्टी की हत्या के बाद, खबर फैलाई गई कि यह फाजिल की हत्या का बदला लेने के लिए किया गया था, जिसमें शेट्टी मुख्य आरोपी था। उन्हें फाजिल के पिता और उसके भाइयों से फोन आया, जिन्होंने कहा कि शेट्टी की हत्या में उनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने इसके तुरंत बाद मीडिया चैनलों को फाजिल के परिवार के सदस्यों द्वारा उनके साथ किए गए दावों के बारे में बताया और कहा कि शेट्टी की हत्या गैंगवार से जुड़ी हो सकती है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि शेट्टी की हत्या के बारे में वास्तविक तथ्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद सामने आएंगे, और शेट्टी की हत्या में शामिल सभी लोगों को कड़ी सजा दी जाएगी। खादर ने कहा कि मीडिया चैनलों को दिया गया उनका बयान बढ़ते तनाव के मद्देनजर पागलपन भरा था क्योंकि शेट्टी की हत्या को सांप्रदायिक आधार पर हत्या के रूप में पेश किया जा रहा था, और कुछ स्थानीय नेता स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे थे। खादर ने कहा कि उन्होंने शांति लाने की कोशिश की है। उन्होंने न तो किसी के पक्ष में और न ही किसी के खिलाफ बात की। खादर ने कहा कि जिस तरह से भाजपा नेता उनके बयान की गलत व्याख्या कर रहे हैं, उससे न केवल उनकी अज्ञानता झलकती है, बल्कि यह जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों और संवैधानिक मूल्यों के भी खिलाफ है।

शेट्टी की हत्या के बाद तनावपूर्ण हुआ मेंगलूरु अब सामान्य स्थिति में लौटा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुहास शेट्टी हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मेंगलूरु में स्थिति सामान्य हो गई है और पर्यटन गतिविधियां फिर से शुरू हो गई हैं। 1 मई की रात करीब 8.30 बजे सुहास शेट्टी की हत्या के बाद तनावपूर्ण माहौल पैदा हो गया और निषेधाज्ञा लागू कर दी गई।

पर्यटन भी ठप्प हो गया था। मेंगलूरु में अघोषित बंद का माहौल बना हुआ था। स्थिति, जो राख से ढकी जली हुई लाश जैसी थी, अब स्पष्ट हो गई है।

हत्या के 8 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होने लगा है। 2023 में

हुई सिलसिलेवार हत्याओं के कारण मेंगलूरु के पर्यटन में भारी अंतर आया।

हाल ही में आर्थिक गतिविधि में सुधार हुआ है और वह सामान्य स्थिति में लौटी है। इस बीच, हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या से सांप्रदायिक दंगों की आशंका फिर से पैदा हो गई है। होटल और रेस्तरां सहित सभी गतिविधियाँ बंद कर दी गईं। शनिवार को सप्ताहांत में बड़ी संख्या में पर्यटक मेंगलूरु आए।

रविवार का अवकाश होने के कारण पर्यटकों की संख्या सामान्य रूप से ही रही। पर्यटकों ने समुद्र तटों पर अपनी छुट्टियों का आनंद लिया।

स्वस्थ जीवन के रहस्य पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा स्वस्थ जीवन का रहस्य कार्यशाला का आयोजन युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सोमयशा के सानिध्य में स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी जी द्वारा नमस्कार महामंत्र के मंगल उच्चारण से हुआ, महिला मंडल एवं तेयुप सदस्यों द्वारा गितिका का संघान किया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने डॉ प्रज्ञा दूधेरिया का परिचय दिया और सभी का स्वागत अभिनंदन किया। साध्वी ने हेल्थ के बारे में बताया कि हम हेल्थ के प्रति कितना जागरूक है, जैन दर्शन में तीन बात बताई गई है। जिसमें

वात, पित, और कफ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कैसे वात और पित का संतुलन बनाया जाए, रसनेन्द्रिय को कैसे बस में करें जब खाना खाते हैं तो उल्टा सीधा खाने से हमारा शरीर खराब होता है। अगर हमें स्वस्थ रहना है तो इन तीनों का संतुलन जरूरी है। साध्वी ने फरमाया कि चातुर्मास काल में खाद्य संयम दिवस मनाया जाता है। ये हमें ध्यान रखना चाहिए कि खाना साधना के लिए खाना है और दवाओं से दूर रहना है तो खाने पर संयम रखना एवं निरंतर योग, ध्यान व्यायाम आदि करते रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉ प्रज्ञा दुधेडिया ने बताया कि जैन धर्म में सबका हल है। आचार्य तुलसी ने भी ये बात कही है कि फुल बनकर मुस्कुराओं यहां फुल का मतलब अपने दांत से है। दांत सिर्फ अच्छे दिखने के लिए ही नहीं है। दांतो का काम हमें स्वस्थ रखना है। भोजन करते हैं तो दांतों का काम होता है खाने को चबाना। चबा चबा कर खाएं।

गाय भी अपना खाना चबा चबा कर खाती है। लेकिन हम मनुष्य है जो जल्दबाजी में खाना चबाते नहीं हैं। फिर मनुष्य बीमार पड़ता है। हमें स्वस्थ रहना है तो खाना खाने के तुरन्त बाद कुल्ला जरूर करें। जिससे हम अनेक बीमारियों से बच सकते हैं। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी एवं सभा परिवार, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया तेयुप परिवार, महिला मण्डल अध्यक्षा ऊषा चौधरी एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

मातृछाया जैन महिला संगठन की बैठक में विभिन्न कार्यों का हुआ दायित्व वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मातृछाया जैन महिला संगठन द्वारा त्रिशला कोठारी के निवास पर संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारंभ निर्मला दांतेवाड़िया, कांता समदड़िया, गीता संचेती, वंदना कोचर व सारिका लुंकड़ द्वारा नमस्कार महामंत्र से किया गया। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने आगामी आयोजनों से संबंधित अपने विचार साझा किए तथा बैठक के एजेंडे पर चर्चा की। सचिव रेशमा बड़ोला ने गत कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं आगामी आयोजनों को और

बेहतर बनाने के लिए सुझाव रखे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना एवं विभिन्न विभागों के अंतर्गत सदस्यों का नामांकन कर कार्य विभाजन करना रहा। 'देवद्रव्य' के अंतर्गत संघ यात्रा एवं मानव सेवा का दायित्व मंजू ओस्तवाल एवं रेनू गांधी को सौंपा गया। साधु-साध्वियों की सेवा का दायित्व त्रिशला दांतेवाड़िया एवं मीना सोलंकी को दिया गया। साधर्मिक भक्ति का कार्यभार पुष्पा नागोरी एवं लीला भंसाली को सौंपा गया। परमार्थ सेवा एवं गौशाला की जिम्मेदारी मनीषा सालेचा एवं दीपमाला को दी गई। अन्नदानम प्रसादी के प्रभारी के रूप में पुष्पा बाफना, मोनिका पालरेचा व ईशा वोहरा को चुना गया। दैनिक जीवदया भक्ति की जिम्मेदारी सोनाली लालवानी एवं हेमा बंदामुथा को सौंपी गई। पुण्य भंडार सेवा कार्य का दायित्व पुष्पा सोनिगरा एवं बबिता श्रीश्रीमाल को सौंपा गया। प्रत्येक विभाग द्वारा अपने-अपने व्यय, शुल्क एवं लेखा जानकारी साझा की गई। संपूर्ण कार्य प्रणाली अध्यक्ष ललिता नागोरी, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना एवं सचिव रेशमा बड़ोला के नेतृत्व में सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

डिलीवरी एग्जीक्यूटिव का अपहरण कर हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। देवनहल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा में शुक्रवार को चार से पांच लोगों के एक गिरोह ने 19 वर्षीय डिलीवरी एग्जीक्यूटिव का अपहरण कर हत्या कर दी। मृतक प्रीतम पिछले पांच महीनों से क्विक कॉमर्स कंपनी में कार्यरत था। वह शुक्रवार को काम पर गया और वापस घर नहीं लौटा। हत्या का पता तब चला जब प्रीतम के पिता रामचंद्र एच उसे खोजने उसके कार्यस्थल पर आए। सहकर्मी प्रीतम एस ने उन्हें बताया कि आरोपी श्रीकांत चार अन्य लोगों के साथ आया था और उसे कार में बिठाकर ले गया। उसके दोस्त ने रामचंद्र को बताया कि प्रीतम आरोपी की चचेरी बहन से प्यार करता था जो एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी और उससे दो साल बड़ी थी। श्रीकांत ने इसका विरोध किया और कथित तौर पर कुछ दिन पहले प्रीतम पर हमला किया और उसे दूर रहने की चेतावनी दी। हालांकि, प्रीतम ने उससे बात करना जारी रखा, जिसके कारण अपहरण हो गया। रामचंद्र को बाद में देवनहल्ली पुलिस से शनिवार को एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय के पास एक शव मिलने की सूचना मिली।

रामचंद्र ने जाकर जांच की और पुष्टि की कि यह प्रीतम था। पुलिस ने कहा कि उसके मुंह और नाक से खून बह रहा था और उसके पूरे शरीर पर चोट के निशान थे, जिससे संकेत मिलता है कि उसे प्रताड़ित किया गया और मार दिया गया। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने हत्या और अपहरण का मामला दर्ज किया है और फरार आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

अवैध रूप से ले जाए जा रहे 30 टन राशन चावल जब्त

चामराजपेट/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने पुलिस के सहयोग से 30 टन राशन का चावल जब्त किया है, जिसे अवैध रूप से तमिलनाडु ले जाया जा रहा था।

छापेमारी की यह कार्रवाई खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निरीक्षक एम.एन.प्रसाद के साथ टाउन थाना पुलिस ने की। प्रसाद ने यह कार्रवाई अशोक लीलैंड ट्रक में चावल ले जा रहे कलासांते के बदमाशों द्वारा प्राप्त विशेष सूचना के आधार पर की।

माले महादेश्वरा बेट्टा रोड पर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के सामने जब चावल से भरी एक लॉरी को रोका गया तो चालक ने लॉरी रोक दी और भाग गया।

बाद में जब अधिकारियों ने ट्रक की जांच की तो पता चला कि उसमें अवैध रूप से चावल ले जाया जा रहा था। 550 से अधिक बोरियां 30,250 टन राशन चावल से भरी हुई पाई गईं, जिन पर महादेवा राइस मिल और शिवशंकर राइस मिल के लेबल चिपके हुए थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चावल से भरी लॉरी को शिगगांव से टी नरसीपुरा - कोल्लेगल - रामापुरा होते हुए तमिलनाडु ले जाया जा रहा था।

कालाबाजारी करने वाले लोग ग्रामीण क्षेत्रों में अन्नभाग्य लाभार्थियों से बिचौलियों के माध्यम से कम कीमत पर चावल खरीदते हैं, उसे एक स्थान पर इकट्ठा करते हैं और चावल मिलों तथा अन्य राज्यों में ले जाते हैं।

हमले में टाउन थाने के प्रभारी पुलिस उपनिरीक्षक सुप्रीत, एएसआई मधुकुमार, हेड कांस्टेबल सूर्यप्रकाश, कांस्टेबल सचिन, अनिल और ड्राइवर नंजुंदास्वामी शामिल थे। ट्रक को जब्त करने के बाद खाद्य निरीक्षक प्रसाद ने नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई और मामला दर्ज किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक मक्कल रक्षणा वेदिके द्वारा रविवार को कन्नड़ साहित्य परिषद बेंगलूरु के अक्का महादेवी सभागार में राज्य स्तरीय मक्कल साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। 300 से भी ज्यादा बच्चों ने सम्मेलन में हिस्सा लिया। प्रसिद्ध अभिनेत्री गिरिजा लोकेश, गायक कलाकार शशिधर कोटे, समाजसेवी महेंद्र मुणोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुश्री ने की। वेदिके के पदाधिकारियों ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया एवं अतिथियों को सम्मानित किया।

सांप्रदायिक हिंसा विरोधी बल बनाने की योजना जरूरी: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने तटीय जिलों में सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए एक विशेष सुरक्षा बल स्थापित करने की राज्य सरकार की योजना का बचाव किया है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि हमें असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने के लिए एक विशेष सुरक्षा बल की आवश्यकता है। सांप्रदायिक ताकतों का पता

लगाने और उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए हमें विशेष रूप से प्रशिक्षित अधिकारियों की आवश्यकता है। हम इस बारे में सोच रहे हैं और अभी गृह मंत्री, अन्य वरिष्ठ मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा करनी है। बाद में कोई निर्णय लिया जाएगा। वे रविवार को हावेरी जिले के अक्की अलूर में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने पुलिस के इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की कि सुहास शेट्टी हत्याकांड में फाजिल के परिवार को मिले 25 लाख रुपये के मुआवजे की राशि को कॉन्ट्रैक्ट किलर को दे दिया गया था। इस सवाल पर कि क्या सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया, उन्होंने कहा कि उन्हें मामले की पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा मैं जवाब देने से पहले गृह मंत्री जी. परमेश्वर और जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव से मिलकर पूरी जानकारी लूंगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दो साल की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए विजयनगर में एक विशेष कार्यक्रम की योजना बना रही है।

बन्नंजे राजा को पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मिली आपातकालीन पैरोल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे अंडरवर्ल्ड के कुख्यात बन्नंजे राजा को उनके पिता के निधन के बाद हाईकोर्ट ने आपातकालीन पैरोल दे दी है। वर्तमान में बेलगावी जेल में बंद राजा रविवार को अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उडुपी के मालपे में अपने पारिवारिक निवास पर पहुंचे। हाईकोर्ट ने बन्नंजे राजा को 14 मई तक पैरोल दी है। हालांकि, इस पैरोल अवधि के दौरान कई सख्त शर्तें लगाई गई हैं। उन्हें मोबाइल फोन का उपयोग करने या इंटरनेट एक्सेस करने की अनुमति नहीं है। अंतिम संस्कार की रस्मों में शामिल होने के अलावा, उन्हें अपने घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। बन्नंजे राजा को 14 मई को बेलगावी जेल वापस लौटना होगा। वह आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं और उन पर अभी भी 23 मामले लंबित हैं।

सुहास शेट्टी हत्या मामला : अपराध के लिए 3 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया गया था: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस ने खुलासा किया है कि फाजिल के भाई आदिल मेहरूफ ने सुहास शेट्टी की हत्या करने के लिए कुछ लोगों को 5 लाख रुपये की पेशकश की थी, जिसमें 3 लाख रुपये अग्रिम दिए गए थे। यहां मीडिया को संबोधित करते हुए, मेंगलूरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने दावा किया कि हत्या केवल आंशिक रूप से 'बदला' लेने के लिए प्रेरित थी। पुलिस ने इसमें सांप्रदायिक पहलू से इनकार किया। फाजिल की हत्या जुलाई 2022 में हुई थी, भाजपा युवा मोर्चा के नेता प्रवीण नेट्टारू की हत्या के कुछ ही दिनों बाद - दोनों घटनाओं ने क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) वर्तमान में प्रवीण की हत्या की जांच कर रही है और 25 में से 21 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। तटीय कर्नाटक में हत्याओं के बाद हिंदुओं और मुसलमानों पर जवाबी हमलों का इतिहास रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए हत्या के दो वीडियो के फोरेंसिक विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने हत्या में शामिल लोगों की पहचान की और आठ लोगों

को गिरफ्तार किया। सुहास की गतिविधियों के बारे में जानकारी देने वाले दो और लोगों की पहचान कर ली गई है, लेकिन उन्हें अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपियों ने दो बार सुहास को खत्म करने की कोशिश की थी। कमिश्नर अग्रवाल ने कहा लेकिन तीसरी बार जब उन्हें सुहास की गतिविधियों के बारे में सटीक जानकारी मिली, तो उन्होंने दो वाहन किराए पर लिए और उनका पीछा किया। उन्होंने पहले से ही जगह चुन ली थी। हमलावरों ने एक कार में सुहास का पीछा किया, उसे रोका और चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। उसे एजे शेट्टी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। कमिश्नर ने कहा कि शांतिगुड्डे गांव के अब्दुल सफवान ने डर और बदला लेने के लिए हमले की योजना बनाई थी। सफवान कथित तौर पर 2023 में सुहास और उसके साथियों प्रशांत और धनराज द्वारा की गई हत्या की कोशिश में बच गया था - सूरतकल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। अग्रवाल ने बताया इस वजह से सफवान को डर था कि सुहास उसे मार देगा। उसने अपने दोस्तों मोहम्मद मुजम्मिल और नियाज को इस बारे में बताया। एक कॉमन फ्रेंड के जरिए वे आदिल मेहरूफ के संपर्क में आए और योजना बनाने लगे। रकम 5 लाख रुपये तय हुई और आदिल ने 3 लाख रुपये एडवांस में दिए।

कार-ऑटोरिक्शा की टक्कर में यात्री गंभीर रूप से घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोनाजे के कम्बलापदावु के पास रविवार सुबह एक कार और एक ऑटोरिक्शा में टक्कर हो गई। टक्कर में कार और ऑटोरिक्शा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

ऑटोरिक्शा में सवार यात्रियों को चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

सुहास शेट्टी हत्या मामले को एनआईए को सौंपने की जरूरत नहीं: परमेश्वर

हमारी पुलिस कुशलता से काम कर रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा है कि सुहास शेट्टी हत्या मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हमारी पुलिस कुशलता से काम कर रही है और उसने 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं तो एनआईए जांच की आवश्यकता नहीं है और भाजपा एनआईए जांच की अनावश्यक मांग कर रही है। हमारे अनुसार, यदि जांच जारी रही तो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच सही दिशा में की जाएगी। इस आलोचना का जवाब देते हुए कि सरकारी प्रतिनिधि सुहास शेट्टी के घर नहीं गए, मंत्री ने कहा यह एक हत्या का मामला है। सुहास शेट्टी पर हत्या सहित 5 आपराधिक मामले दर्ज थे। उन्होंने कहा कि इस कारण से उनके सहित किसी भी जिम्मेदार पद पर बैठे प्रतिनिधि ने उनसे मुलाकात नहीं की और कहा कि सरकार सुहास शेट्टी के परिवार को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेगी। हत्या के मामले में किसी को भी आरोपी के रूप में गिरफ्तार करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सुहास शेट्टी हत्याकांड में हिंदू समुदाय के आरोपियों की गिरफ्तारी एक अनावश्यक आरोप है। यह आर-ोप अनावश्यक है कि उन्होंने शनिवार को और केवल मुस्लिम समुदाय के साथ बैठक की। अगर कोई मुझसे मिलने आए तो क्या मैं मना कर सकता हूं? मुस्लिम समुदाय के नेता आये थे। मैंने उनसे बात की है। हिंदू समुदाय के कई नेता, जिनमें रमानाथ राय और मंजूनाथ भंडारी भी शामिल हैं, जो हमारी पार्टी से हैं, आकर मुलाकात कर चुके हैं। यदि अन्य संगठन, पार्टी नेता या समुदाय के सदस्य मुझसे मिलने आते और अनुरोध करते, तो क्या मना कर देते?

यह तथ्य कि यह बैठक हिंदुओं को दूर रखकर आयोजित की गई थी, राजनीति से प्रेरित है। अगर वे स्वयं आएं तो किसी भी समुदाय के किसी भी व्यक्ति को 'नहीं' नहीं कह पाएंगे। क्या सरकारी पर्यटक मंदिर में जाने में किसी को कोई बाधा है? किसी ने यह निर्देश नहीं दिया है कि कोई भी कांग्रेस नेता मारे गए सुहास शेट्टी के घर न जाए। उन्होंने उन पर अनावश्यक रूप से ऐसी झूठी अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया। सुहास शेट्टी की हत्या के लिए 2022 में मारे गए फाजिल के भाई आदिल मेहरान द्वारा 5 लाख की सुपारी देने के मामले की भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हत्या के मूल कारण की जांच की जा रही है। हम कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाएंगे।

सुराग मिलने पर हत्याओं को रोकने के कई प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हत्या के तुरंत बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाया गया। सभी जिला पुलिस प्रमुखों और आयुक्तों को अपराध, विशेषकर सांप्रदायिक रूप से प्रेरित हिंसा को नियंत्रित करने के लिए सख्त कार्रवाई करने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 2 वर्षों में हुई हत्याओं के 99 प्रतिशत आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों को बेंगलूरु में पीजी के बारे में जानकारी एकत्र करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस स्टेशन में आधिकारिक और अनाधिकारिक पीजी के बारे में व्यापक स्पष्टीकरण उपलब्ध होना चाहिए। यह भी सवाल है कि अगर वे अनधिकृत थे तो उन्हें कैसे होने दिया गया। एचएसआर लेआउट पीजी में एक युवती के नग्न अवस्था में दौड़ने की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि पीजी का संचालन बीबीएमपी से स्पष्ट अनुमति प्राप्त करने के बाद ही किया जाना चाहिए। आंतरिक आरक्षण पर सर्वेक्षण सोमवार से शुरू होगा। नागमोहन दास के आयोग ने कुछ प्रश्नावली तैयार की हैं। सभी ने इसे स्वीकार कर लिया है। सर्वेक्षण के बाद सरकार को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। सरकार इसके आधार पर आगे कदम उठाएगी। मूल जाति प्रविष्टि में भ्रम के बारे में हमारे पास व्यापक जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तक मिली जानकारी के अनुसार सब कुछ ठीक है। परमेश्वर ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष पर मंत्री जमीर अहमद खान के बयान का जवाब देने से इनकार कर दिया।

सीएम ने दलितों और पिछड़े मठों के लिए 25 करोड़ रुपये के गुरुकुल और अनुदान का किया वादा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछड़े और दलित समुदायों तक पहुंचने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार शाम को राज्य भर में हाशिए पर पड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले मठों को पर्याप्त वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया। पिछड़े और दलित मठों के महासंघ के संतों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से उनके आधिकारिक आवास 'कावेरी' में मुलाकात की और अपनी लंबित मांगों को रेखांकित करते हुए एक व्यापक ज्ञापन सौंपा। सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए सिद्धरामैया ने उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सभी दलित और पिछड़े मठों को अनुदान देगी, जिससे वे वित्तीय बाधाओं के बिना अपने सामाजिक-शैक्षणिक मिशन को जारी रख सकेंगे। प्रतिनिधिमंडल की मांग के मुख्य आकर्षण में से एक चित्रदुर्ग जिले में एक पारंपरिक गुरुकुल की स्थापना के लिए भूमि का आवंटन था, जिसका उद्देश्य उत्पीड़ित समुदायों के पुजारियों और सिविल सेवा उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करना था।

मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और अधिकारियों को उपयुक्त भूमि की पहचान करने और जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

संतों ने पिछड़े वर्गों और दलितों के लिए धार्मिक और शैक्षिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए बेंगलूरु में साइट आवंटन की भी अपील की। सिद्धरामैया ने आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों द्वारा प्रस्ताव पर सक्रियता से विचार किया जाएगा। इसके अलावा, उप्पारा समुदाय के पुरुषोत्तमानंद स्वामीजी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भी सीएम से मुलाकात की और अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व और समुदाय उत्थान पहल के लिए दबाव डाला।

प्रस्तावित गुरुकुल न केवल पिछड़े और दलित समुदायों के पुजारियों को पारंपरिक आध्यात्मिक प्रथाओं में प्रशिक्षित करेगा, बल्कि छात्रों को आईएएस और केएएस प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे प्रशासनिक प्रतिनिधित्व का द्वार खुल जाएगा। मुख्यमंत्री के इस कदम को समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो शिक्षा, भूमि और शासन तक समान पहुंच के माध्यम से सशक्तिकरण के कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के एजेंडे के अनुरूप है।

सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध: मंत्री शिवराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ और संस्कृति तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री शिवराज एस तंगडगी ने कहा कि यदि प्रत्येक पिछड़े समुदाय को प्राथमिकता दी जाए तो बसवन्ना, बुद्ध और अंबेडकर द्वारा कहे गए समान समाज के निर्माण का सपना साकार हो जाएगा। नयना ऑडिटोरियम में कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित भागीरथ जयंती का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि समाज में सामाजिक, आर्थिक या शैक्षणिक असमानता नहीं होनी चाहिए। सभी समुदायों को लाभों तक समान पहुंच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। नमक विकास निगम में दो माह में नये अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। चालू वर्ष में नमक विकास निगम को 42 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा अनुदान पहले कभी किसी ने नहीं दिया था। भागीरथ इस कहावत का साकार रूप हैं कि निरंतर प्रयास से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि एसएसएलसी और द्वितीय पीयूसी में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्र घर छोड़कर चले जाते हैं और आ-पदाएं पैदा करते हैं। उन्होंने कहा, माता-पिता को अपने बच्चों को भागीरथ जैसी कहानियां और निरंतर प्रयास के अन्य आदर्श बताने चाहिए। होसदुर्गा भागीरथ पीठ के श्री पुरूषोत्तमानंदपुरी स्वामीजी की दिव्य उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. के.एन. रवींद्रनाथ, जयदेव कार्डियोलॉजी अस्पताल के निदेशक, यू. वेंकोबा, केंद्रीय राहत समिति के पूर्व अध्यक्ष, एन. सुनील कुमार, उप्पारा संघ के बेंगलूरु जिला अध्यक्ष, प्रोफेसर डॉ. संगमेश एस. गनी, कन्नड़ और संस्कृति विभाग के निदेशक, के.एम. गायत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मेंगलूरु में दो और हिंदू कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया: चलवाडी नारायण स्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य कांग्रेस सरकार की मदद से हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या किए जाने का आरोप लगाने वाले विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायण स्वामी ने मेंगलूरु में दो और लोगों को निशाना बनाते हुए एक पोस्ट किया है।

उन्होंने मांग की कि उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को मेंगलूरु के हिंदू कार्यकर्ता सुहास की हत्या के बारे में पहले से पता था।

क्या उनकी सुरक्षा नहीं की जा सकती थी? राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। पुलिस विभाग सरकार के नियंत्रण में नहीं है। दो अन्य लोगों ने उन लोगों के घरों में घुसकर तोड़फोड़ की, जिन्होंने पोस्ट किया था कि उन्होंने हिंदू कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया है और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों की हत्या से पूरा देश पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोशित है। इसलिए, पोस्ट करने वालों को तदनुसार दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को जवाब देते हुए कहा या फिर सत्ता छोड़ दीजिए। आंतरिक आरक्षण के नाम पर समय बिताने के लिए डेटा सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस मामले में सरकार में इच्छाशक्ति का अभाव है। यदि आंतरिक आरक्षण वास्तव में दिया जाना था तो इसे 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर दिया जा सकता था। उन्होंने कहा कि पड़ोसी आंध्र प्रदेश सहित कुछ राज्यों ने पहले ही आरक्षण लागू कर दिया है। केंद्र सरकार को जाति जनगणना कराने का अधिकार है, लेकिन राज्य सरकार को नहीं। केंद्र सरकार जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना भी कराएगी। तो क्या आप इस बात से सहमत हैं कि आंकड़े सही हैं? उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार सिर्फ आंखें मूंदने की रणनीति पर चल रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया है कि संविधान निर्माता अंबेडकर को कांग्रेस से नहीं हराया। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी के विद्रोह और आरएसएस के सावरकर ने अंबेडकर को पराजित किया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, मंत्री प्रियांक खड़गे और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने भी यही कहा है। मैं उन चारों को इस मुद्दे पर खुद को साबित करने की चुनौती देता हूं। अगर वे इसे साबित कर देंगे तो मैं विपक्षी पार्टी से इस्तीफा दे दूंगा। क्या सिद्धरामैया मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे? इसी तरह, अगर मल्लिकार्जुन खड़गे यह साबित कर दें तो मैं अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा।

अन्यथा, इन चारों को इस्तीफा देकर राजनीतिक सेवानिवृत्ति ले लेनी चाहिए। उन्होंने वेतन से एक लाख रुपये इनाम के रूप में देने की पेशकश भी की। मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियांक खड़गे झूठे हैं। विधान सौधा के सामने मंच तैयार करें और लोगों को बुलाएं। मैं वह पत्र लाऊंगा।

उन्होंने न केवल चर्चा करने की चुनौती दी, बल्कि यह भी कहा कि अगर यह साबित हो गया तो वे तुरंत मुख्यमंत्री के पैरों में गिरकर माफी मांगेंगे। जब अंबेडकर का निधन हुआ तो कांग्रेस ने उनके अंतिम संस्कार के लिए जगह भी उपलब्ध नहीं कराई। भाजपा ने अंबेडकर को दिए गए सम्मान का बचाव किया।

कन्नड़ प्रेम की तुलना पहलगाम आतंकवादी से करने का मामला

गायक सोनू निगम को गिरफ्तार किया जाना चाहिए: नारायण गौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक रक्षणा वेदिके के अध्यक्ष टी.ए. नारायण गौड़ा ने गायक सोनू निगम को कन्नड़ लोगों के कन्नड़ प्रेम की तुलना पहलगाम आतंकवादी हमले से करने पर सांस्कृतिक आतंकवादी कहा है और मांग की है कि उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए तथा कानूनी कार्रवाई की जाए। सोनू निगम की जितनी प्रशंसा कन्नड़ लोगों ने की है, उतनी किसी ने नहीं की। कन्नड़ लोगों में उनके प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। उन्हें कन्नड़ लोगों के प्रति प्रेम और देखभाल रखनी चाहिए थी। उन्हें कम से कम यह कर्ज तो चुकाना ही था। कन्नड़ समुदाय की तुलना आतंकवादियों से करना तथा कन्नड़ प्रेम के कारण एक कार्यक्रम में एक व्यक्ति द्वारा कन्नड़ गीत गाने को कहने के कारण उनका अपमान करना कितना उचित है? हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते, हमने पहले ही उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। अवलाहल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने मांग की कि उसे गिरफ्तार किया जाए और कार्रवाई की जाए। नारायण गौड़ा ने रविवार को कहा हमें सोनू निगम के खिलाफ कार्रवाई करके चेतावनी देने की जरूरत है कि जो कोई भी कन्नड़ का अपमान करेगा, कन्नड़ लोगों पर अत्याचार करेगा, वह जीवित नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि उनके लिए सिर्फ पश्चाताप करना और माफी मांगना पर्याप्त नहीं है, हम इस बात पर जोर देते हैं कि पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि सोनू निगम के खिलाफ की गई कार्रवाई उन लोगों के लिए खतरे की घंटी है जो कन्नड़ के बारे में खराब बोलते हैं और कन्नड़ लोगों का अपमान करते हैं। कन्नड़ लोगों का हृदय बहुत समृद्ध है। इसमें सभी को गले लगाने और स्वीकार करने का गुण है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह हमारी कमजोरी नहीं है, बल्कि यह है कि यदि विदेशी अच्छाई का दुरुपयोग करते हैं और हमारा अपमान करते हैं तो हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते और चुप नहीं रह सकते।

मैं निर्माताओं और निर्देशकों को भी चेतावनी दे रहा हूं। सोनू निगम द्वारा गाए गए फिल्मों को स्क्रीन पर दिखाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर हम ऐसे लोगों को सही तरीके से सबक नहीं सिखाएंगे तो कन्नड़ भाषा, संस्कृति और कन्नड़ लोग बच नहीं पाएंगे। प्रेम और भय दोनों होना चाहिए। हमारा रुख यह है कि कोई भी चीज अत्यधिक नहीं होनी चाहिए। लेकिन कुछ लोग हमारी अच्छाई का दुरुपयोग करते हैं और अपमानजनक कार्य करते हैं।

आप इसे कब तक सहन कर सकते हैं? इसलिए हम केवल उनके खिलाफ ही नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वे कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए भी तैयार हैं। ऐसे किसी भी कार्यक्रम का आयोजन करने वालों को कन्नड़ गीतों को पहली प्राथमिकता देनी चाहिए। किसी भी गायक को कन्नड़ में गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। यह सभी कार्यक्रम आयोजकों पर लागू होता है। कन्नड़ लोगों के गुस्से का निशाना बने गायक सोनू निगम ने न केवल इस घटना के लिए माफी मांगने में आनाकानी की है, बल्कि सफाई देने के चक्कर में उनसे कन्नड़ गाना गाने को कहने वालों की तुलना गुंडों से कर दी है, जो जलती आग में घी डालने जैसा है। सोनू निगम ने बिना माफी मांगे अहंकार दिखाया है और कहा है कि उनका व्यवहार ठीक था, जिससे कन्नड़ लोग नाराज हैं। सोनू निगम के खिलाफ पूरे राज्य में आक्रोश व्याप्त है। फिल्म उद्योग से उन पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग की गई है। इस संदर्भ में उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट किया कि स्टेज कार्यक्रम के दौरान कुछ लड़के मेरे साथ धक्का-मुक्की कर रहे थे और ''कन्नड़, कन्नड़'' चिल्ला रहे थे। इसीलिए मुझे ऐसा बोलना पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्हें कन्नड़ भाषा से बहुत प्रेम है। कन्नड़ लोग बहुत अच्छे हैं। मैं हमेशा कन्नड़ गाना गाने के लिए तैयार होकर आता हूं। लेकिन इस स्पष्टीकरण से कि ऐसे गुंडों को रोका जाना चाहिए, एक बार फिर हर जगह आक्रोश फैल गया है। सोनू निगम का व्यापक विरोध हुआ है, जिन्होंने एक बार फिर बिना किसी पश्चाताप या माफी के कन्नड़ प्रशंसकों की तुलना गुंडों से की है।

डीके, उडुपी में 1,550 से अधिक सरकारी स्कूल कक्षाएं मरम्मत की प्रतीक्षा में

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में सरकारी स्कूलों में 1,550 से अधिक कक्षाएं अभी भी मरम्मत का इंतजार कर रही हैं, जबकि स्कूलों को फिर से खुलने और मानसून की शुरुआत में बस एक महीना बचा है। राज्य शिक्षा विभाग के अनुसार, कर्नाटक भर में सरकारी स्कूलों में 21,255 कक्षाओं को बड़ी मरम्मत की आवश्यकता है। इनमें से 1,323 दक्षिण कन्नड़ में और 274 उडुपी में हैं। महीनों पहले राज्य सरकार को एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बावजूद, मरम्मत कार्यों के लिए अभी तक पूरी धनराशि जारी नहीं की गई है। दक्षिण कन्नड़ जिले में 893 प्राथमिक और 170 हाई स्कूल हैं, जबकि उडुपी में 570 प्राथमिक और 105 हाई स्कूल हैं।

मेंगलूरु के एक सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक ने मौजूदा गर्मी की छुट्टियों के दौरान मरम्मत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कुछ जगहों पर, स्कूल की इमारतों की छतें पहले ही टूट चुकी हैं, जिससे बारिश के दौरान रिसाव हो रहा है। अगर जल्द ही इसका समाधान नहीं किया गया, तो मानसून के दौरान यह बड़ी चुनौती बन जाएगी। 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के दौरान, राज्य के 17 जिलों में 2,162 कक्षाओं की मरम्मत कार्य किए गए। हालांकि, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी को इन कार्यों के लिए कोई प्रत्यक्ष धन नहीं मिला। इन जिलों में मरम्मत का प्रबंधन जिला स्तर पर वैकल्पिक स्रोतों से एकत्रित धन का उपयोग करके किया गया। दक्षिण कन्नड़ के डीडीपीआई गो-विंद मडिवाल ने कहा इस वर्ष की कक्षा मरम्मत के लिए एक प्रस्ताव सरकार को प्रस्तुत किया गया है। आपातकालीन मरम्मत को प्राथमिकता दी जा रही है और स्कूलों के फिर से खुलने से पहले इसे पूरा कर लिया जाएगा। उडुपी के डीडीपीआई गणपति के ने कहा छात्र सुरक्षा के दृष्टिकोण से, कक्षाओं की मरम्मत चरणों में की जा रही है। हमने जिले के सभी स्कूलों से जानकारी एकत्र की है और मानसून शुरू होने से पहले आवश्यक कार्य पूरा कर लेंगे। जिले के अनुसार तत्काल मरम्मत की आवश्यकता वाली कक्षाओं में दक्षिण कन्नड़-1,323, उडुपी-274 और कोडागु-189 शामिल हैं।

पाकिस्तानी युवती से निकाह करने वाले सीआरपीएफ जवान की गुहार

बर्खास्तगी के खिलाफ मोदी और शाह से की अपील

जम्मू, 04 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान मुनीर अहमद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह से अपनी बर्खास्तगी के मामले में न्याय देने की अपील की है। पाकिस्तानी युवती से विवाह करने के कारण सीआरपीएफ ने मुनीर अहमद को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है।

मुनीर अहमद ने कहा कि उनके बर्खास्तगी आदेश में बताए गए सभी आरोप भ्रामक और गहरी दुर्भावना से भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे (उनका परिवार) सदियों से जम्मू कश्मीर के निवासी हैं और पिछली कई पीढ़ियों से जम्मू के भलवाल तहसील के हंदवाल गांव में रह रहे हैं। वे कहते हैं कि हमने 1947 में भी जम्मू नहीं छोड़ा, जबकि मेनाल खान (उनके मामा) का परिवार पाकिस्तान चला गया था। उन्होंने कहा, मेरे अंदर अपने देश की सेवा करने की तीव्र इच्छा थी और इसीलिए मैं सीआरपीएफ में शामिल हुआ और पिछले 9 वर्षों से कई कठिन और दूरदराज के इलाकों में मैंने सेवा की है।

मुनीर अहमद ने बताया कि उनकी शादी का फैसला उनकी मां और मामा ने बचपन में ही कर दिया था और साल 2022 में उन्होंने सीआरपीएफ

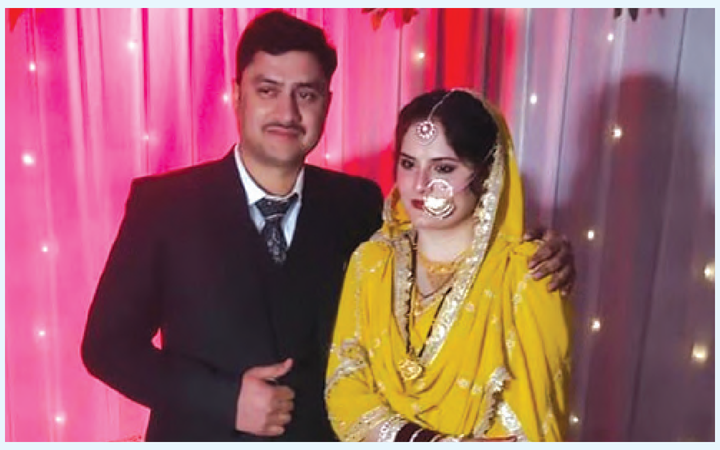

अधिकारियों को पाकिस्तानी नागरिक मिनाल खान से शादी करने की अपनी मंशा बताई और इसके लिए अनुमति मांगी। फिर सीआरपीएफ द्वारा 24 जनवरी 2023 को लिखे गए पत्र का जवाब देते हुए कुछ सवाल उठाए गए और 05 नवंबर 2023 को शादी के लिए मंजूरी/एनओसी मांगने के लिए मेरे 18 अक्टूबर 2023 के पत्र के जरिए सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करवा दिए। मुनीर ने कहा, 17 नवंबर 2023 को आईजीपी, जम्मू सेक्टर सीआरपीएफ, बन तालाब जम्मू के कार्यालय द्वारा एक पाकिस्तानी लड़की से शादी करने के लिए एनओसी जारी करने के संबंध में विशेष डीजी, जेएंडके जोन सीआरपीएफ, जम्मू को एक पत्र भेजा गया था। पत्र में लिखा था कि केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम 21(3) में दिए गए प्रावधानों के अनुसार, एक सरकारी कर्मचारी जिसने भारतीय राष्ट्रीयता के अलावा किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया है, उसे तुरंत भारत सरकार को इस तथ्य की सूचना देनी चाहिए। और उच्च अधिकारियों से निर्देश मांगे।

मुनीर अहमद ने बताया कि 30 अप्रैल 2024 के एक उत्तर के अनुसार, पुलिस महानिदेशक, सीआरपीएफ नई दिल्ली के कार्यालय ने कहा कि केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम 1964 नियम 21(3) के अनुसार, एक सरकारी कर्मचारी जिसने भारतीय राष्ट्रीयता के अलावा किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया है या करने वाला है, उसे तुरंत सरकार को इस तथ्य की सूचना देनी चाहिए। उक्त कार्मिक ने नियमानुसर विभाग को इसकी सूचना दे दी है। इसमें कहा गया है कि उक्त नियम में एनओसी का कोई उल्लेख नहीं है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार केवल दो प्रकार के वीजा को रद्द करने से छूट दी गई है, अर्थात राजनयिक वीजा और दीर्घकालिक वीजा धारक (एलटीवी)। आवेदक मिनाल खान ने 4 मार्च 2025 को इसके लिए आवेदन किया था और 21 दिनों की अनिवार्य अवधि, जिसके बाद इसे स्वीकृत माना जाता है, पहले ही बीत चुकी है। स्थानीय विदेशी पंजीकरण कार्यालय, जम्मू ने भी उचित जांच के बाद एलटीवी प्रदान करने के लिए इसे गृह मंत्रालय, भारत सरकार को भेज दिया है।

उन्होंने कहा कि मुनीर अहमद पर एक विदेशी नागरिक को आश्रय देने और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का आरोप सत्य से कोसों दूर है। उन्होंने फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से तथ्यात्मक स्थिति पर विचार करने और उन्हें न्याय प्रदान करने की अपील की।

चुनाव आयोग का बड़ा डिजिटल कदम

'ईसीआईनेट' ऐप करेगी 40 मौजूद ऐप का काम

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसीआई) एक नई डिजिटल पहल के तहत 'ईसीआईनेट' नामक एक सिंगल-पॉइंट प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च करने की तैयारी में है, जो 40 से अधिक मौजूदा वेब और मोबाइल आधारित आईटी ऐप्स को समाहित करेगा। इसमें सीविज़िल ऐप, वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप जैसी ऐप्स शामिल हैं।

इस कदम का उद्देश्य नागरिकों, चुनाव अधिकारियों, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के लिए एक सुगम, एकीकृत और उपयोगकर्ता-अनुकूल अनुभव प्रदान करना है। संभावना है कि इसे आने वाले बिहार चुनाव के पहले ही लॉन्च कर दिया जाएगा।

ईसीआईनेट को चुनाव संबंधी सभी सेवाओं के लिए एकमात्र सहयोगी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे उपयोगकर्ताओं को कई ऐप डाउनलोड करने और विभिन्न लॉगिन याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी।

चुनाव आयोग का कहना है कि प्लेटफ़ॉर्म मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की परिकल्पना है। उन्होंने इसे मार्च 2025 में

आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओज़) के सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था। चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

ईसीआईनेट के माध्यम से नागरिक अपने स्मार्टफ़ोन या डेस्कटॉप से चुनावी जानकारी तक सरलता से पहुंच सकेंगे। डेटा केवल अधिकृत ईसीआई अधिकारियों द्वारा दर्ज किया जाएगा, जिससे इसकी प्रामाणिकता सुनिश्चित होगी। किसी विवाद की स्थिति में विधिक फ़ॉर्मों में दर्ज प्राथमिक डेटा ही मान्य माना जाएगा।

यह प्लेटफ़ॉर्म 100 करोड़ से अधिक मतदाताओं और 10.5 लाख से अधिक बीएलओ, 15 लाख बीएलए, 45 लाख पोलिंग ऑफिशियल्स, 15,597 एईआरओ, 4,123 ईआरओ और 767 डीईओ को लाभ पहुंचाएगा।

ईसीआईनेट में समाहित किए जाने वाले 40 ऐप्स

एफिडेविट पोर्टल, इंडिया ए वेब, रिज़ल्ट्स वेबसाइट, इलेक्शन24 (आर्काइव), ईसीआई एसवीईईपी, ईसीआई वेबसाइट, फेमबोसा, वॉइसनेट, मिथ वर्सेस रिएलिटी, इलेक्शन ट्रेंड्स टीवी, सीविज़िल पोर्टल, ईएमएस, आरटीआई पोर्टल, एनकोर, मीडिया वाउचर, सुविधा पोर्टल, ऑब्ज़र्वर पोर्टल, इलेक्शन प्लानिंग, आईईएमएस, पीपीआरटीएमएस, ईरोनेट 2.0, वोटर्स सर्विस पोर्टल, सर्विस वोटर्स पोर्टल, ईटीपीबीएमएस, एनजीएसपी, इलेक्टोरल सर्च, ईरोनेट ऐप, बीएलओ ऐप, सीविज़िल ऐप, डिसाइडर ऐप, एनकोर नोडल ऐप, ईएसएमएस ऐप, इन्वेस्टिगेटर ऐप, केवाईसी ऐप, मॉनिटर ऐप, ऑब्ज़र्वर ऐप, सक्षम ऐप, सुविधा ऐप, वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची भारत यात्रा से पहले सोमवार को पाकिस्तान पहुंचेंगे

इस्लामाबाद, 04 मई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची नयी दिल्ली की अपनी यात्रा से पहले सोमवार को इस्लामाबाद की एक दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचेंगे। मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी।

अराघची की यह यात्रा 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में हो रही है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया कि अराघची एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तानी विदेश मंत्री इसहाक डार के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे।

अखबार के मुताबिक उनकी चर्चा पाकिस्तान और ईरान के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ वर्तमान क्षेत्रीय स्थिति,

विशेष रूप से हाल के पाकिस्तान-भारत तनाव पर केंद्रित होगी।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बाघेई ने शनिवार को देश के सरकारी प्रेस टीवी को बताया था कि विदेश मंत्री अराघची क्षेत्र के देशों के साथ ईरान की चल रही बातचीत के तहत पाकिस्तान और भारत की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं।

बाघेई ने कहा कि पाकिस्तान में अराघची उच्च पदस्थ पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि बातचीत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने तथा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवीनतम घटनाक्रमों पर केंद्रित होगी।

बाघेई ने यह भी पुष्टि की कि शीर्ष ईरानी राजनयिक इस सप्ताह के अंत में भारत की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।

ईरान के विदेश मंत्री की यह यात्रा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में हो रही है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी जो 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था।

तेल अवीव एयरपोर्ट के पास मिसाइल हमला एयर इंडिया ने डाइवर्ट की अपनी फ्लाइट

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)। इजराइल के शहर तेल अवीव के एयरपोर्ट के पास मिसाइल हमला हुआ है, जिसके चलते दिल्ली से वहां जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को डायवर्ट कर दिया गया है। एयर इंडिया की फ्लाइट को तेल अवीव की जगह अबू धाबी डायवर्ट कर दिया गया है। एयरलाइन ने यह जानकारी दी।

इसके अलावा, एयर इंडिया ने अपने ग्राहकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए 6 मई तक सभी परिचालनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मिसाइल हमले के मद्देनजर, एयर इंडिया की तेल

अवीव से दिल्ली के लिए वापसी की उड़ान, जो मूल रूप से रविवार के लिए निर्धारित थी, रद्द कर दी गई है।

एयर इंडिया ने एक बयान जारी कर कहा, 4 मई 2025 को दिल्ली से तेल अवीव जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई139 को आज सुबह बेन गुरियन एयरपोर्ट पर हुई घटना के बाद अबू धाबी की ओर मोड़ दिया गया। फ्लाइट अबू धाबी में सामान्य रूप से उतरी है और जल्द ही दिल्ली वापस आएगी। नतीजतन, हमारे ग्राहकों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेल अवीव से आने-जाने वाले हमारे परिचालन 6 मई 2025 तक तत्काल प्रभाव से निलंबित रहेंगे।

यमन के हौथी विद्रोहियों द्वारा इजरायल की ओर दागी गई मिसाइल बेन गुरियन एयरपोर्ट के पास गिरी, जो देश का प्राथमिक अंतरराष्ट्रीय प्रवेशद्वार है। हमले से आसमान में धुएं का गुबार छा गया और टर्मिनल में यात्रियों में व्यापक दहशत फैल गई। यह घटना बोइंग 787 विमान के तेल अवीव हवाई अड्डे पर उतरने से एक घंटे से भी कम समय पहले हुई।

700 फुट गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, 3 जवानों की मौत

रामबन, 04 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास सुबह करीब साढ़े 11 बजे सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर 700 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में सेना के तीन जवानों की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हुई

इस घटना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले में शामिल सेना का ट्रक नियंत्रण खो बैठा और खाई में गिर गया।

पीटीआई के अनुसार, मृतकों की पहचान सिपाही अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। उनके शव खाई से निकाले जा रहे हैं। सेना, पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से तत्काल संयुक्त बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारण वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

मार्च में इसी तरह की एक घटना में, ताज़ी सब्जियां ले जा रहा एक लोड कैरियर सड़क से फिसलकर रामबन जिले में गहरी खाई में गिर गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जैसा कि पीटीआई ने बताया, एक पुलिस अधिकारी ने बताया। पीड़ित, चालक अर्शीद अहमद और उनके सहायक सेवा सिंह - दोनों की उम्र 30 के आसपास थी - अपने गांव उखराल पोगल-परिस्तान लौट रहे थे, जब जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी चश्मा के पास दुर्घटना हुई।

मार्च में एक अन्य घटना में, अधिकारियों ने कहा कि रियासी जिले में एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। दुर्घटना गंगोडे इलाके में हुई जब चालक ने कथित तौर पर टेम्पो ट्रैवलर पर नियंत्रण खो दिया, जिससे वह खाई में गिर गया।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आगाज, पीएम मोदी बोले

बिहार के वैभव ने शानदार प्रदर्शन किया

15 मई तक बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स

पटना, 04 मई (एजेंसियां)। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का बिहार में पहली बार आगाज हो चुका है। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पीएम नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार और खेल मंत्री मनसुख मांडविया, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत बिहार सरकार के सभी प्रमुख मंत्री और अधिकारी मौजूद हैं। पीएम की मौजूदगी में सीएम नीतीश कुमार और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मशाल जलाया। चार से 15 मई तक चलने वाले इस महासमर में शामिल होने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों से कुल 8500 खिलाड़ी पहुंच चुकी है। यह सभी खिलाफ 28 खेलों में 2435 पदक के लिए अपना दम दिखाने जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। भारत में खेल एक कल्चर के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स इस दिशा में देश के युवाओं के लिए एक बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म बना है। किसी भी

खिलाड़ी को अपना प्रदर्शन बेहतर करने के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना और प्रतियोगिता में हिस्सा लेना काफी अहम है। एनडीए सरकार ने इसे प्राथमिकता दी है। पीएम मोदी ने कहा कि आईपीएल में बिहार के छोटे से लड़के वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन के लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। इसके पीछे उन्होंने काफी मेहनत की।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का फोकस इस बात पर भी है कि हमारे खिलाड़ियों को नए खेल खेलने का मौका मिले। इस बार खेल का बजट करीब चार हजार करोड़ का है। आज देश में एक हजार से अधिक खेलो इंडिया सेंटर चल रहे हैं। इसमें दो दर्जन से अधिक तो बिहार में हैं। बिहार में डबल इंजन सरकार की जरूरत है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने खेल को पढ़ाई में भी शामिल कराया। जीवन के हर क्षेत्र में खेल का बड़ा महत्व है। आपको खेल के मैदान पर अपना श्रेष्ठ देना होता है। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार का मखाना आपको काफी पसंद आएगा। सभी खिलाड़ियों को फिर से शुभकामना देते हुए पीएम मोदी खेलो इंडिया यूथ गेम्स की घोषणा की।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि इस समारोह में कोने कोने से आए खिलाड़ियों का मैं स्वागत और अभिनंदन करता हूं। सीएम नीतीश ने कहा कि खेल के क्षेत्र में अब काम और तेजी से होगा। उत्कृष्ण खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी गई है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग शुरू से ही एनडीए के साथ थे। हमको तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने ही मुख्यमंत्री बनाया। बीच में हम इधर-उधर चले गए

थे। लेकिन, अब हम यहीं रहेंगे। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार को नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से काफी मदद मिल रहा है। सरकार ने बजट सड़क, उद्योग, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण के लिए काफी मदद मिल रहा है। इसके अलावा मखाना बोर्ड समेत कई सौगात दी। इसके लिए पीएम मोदी को नमन करता हूं।

भारत माता की जय के उद्घोष के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार जैसे राज्य में 14करोड़ जिसे गरीब बिहार कहा जाता है आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम की मेजबानी कर रहे हैं। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने वैभव सूर्यवंशी का नाम लेते हुए कहा कि हर एक घर से प्रत्येक वर्ग के युवा खेल में अपना योगदान करें। खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने कहा कि जानकी भूमि है बिहार ज्ञान की भूमि है, विज्ञान की भूमिका है। बिहार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बदल रहा है. आज यूथ गेम्स में 10000 से अधिक खिलाड़ी शामिल हुए हैं।

बिहार नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर अपना स्थान कायम कर रहा है। देश में भारत एक से पांच तक में अपना स्थान रखना है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार का स्थान आगे किया है। आज इतनी इतना बड़ा आयोजन किया जा रहा है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। बिहार के धरती पर मेडल जीतेंगे और देश को आगे बढ़ाएंगे।

देश की मशहूर गायिका मैथिली ठाकुर की देवी स्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कुछ देर बाद पंकज त्रिपाठी की ऐतिहासिक गौरव गाथा सुनाएंगे। खास बात यह है कि इस महाकुंभ में बिहार के 700 से अधिक खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बिहार के तीन खिलाड़ी जलती मशाल लेकर कॉम्प्लेक्स का चक्कर लगाएंगे। इस कार्यक्रम को लेकर साथ तैयारी पूरी कर ली गई है।

युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बिहार सरकार के सहयोग से खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन दिनांक चार मई से 15 मई तक बिहार में आयोजित है। यह प्रतियोगिता बिहार के कुल पांच शहरों में पटना, राजगीर, गया, भागलपुर एवं बेगूसराय में आयोजित की गयी है।

इसमें कुल 28 खेलों की प्रतियोगिता तथा ई-स्पोर्ट्स की डेमो प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें देश के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेश से लगभग 10,000 खिलाड़ी, प्रशिक्षक, सपोर्ट स्टाफ, तकनीकी पदाधिकारी आदि शामिल हुए। बिहार खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि राज्य में पहली बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हो रहा है। यह हमलोगों के गर्व का पल है। कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारी पूरी हो चुकी है।

गरीब परिवारों को दी जाएगी एक-एक दूधारू गाय

लखनऊ, 04 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि जिन गरीब परिवारों के पास पशुधन नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के अंतर्गत गाय उपलब्ध कराई जाए। इससे परिवारों को एक ओर जहां गोसेवा का पुण्य मिलेगा, वहीं दूसरी ओर दूध की उपलब्धता से परिवार के पोषण स्तर में भी सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने रविवार को पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि निराश्रित गोवंश संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास करें।

गोबर से बने प्राकृतिक पेंट का प्रयोग सरकारी भवनों में भी किया जाए तथा पेंट बनाने वाले प्लांट की संख्या बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल स्तर पर देसी नस्ल की गायों की प्रतियोगिता कराई जाए। अच्छे गो आश्रय स्थलों को चिह्नित कर सम्मानित किया जाए। इसी प्रकार, गौ आधारित उत्पाद बनाने वाली संस्थाओं के बीच भी प्रतियोगिता आयोजित की जाए। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रदेश के 7693 गो आश्रय स्थलों में 11.49 लाख गोवंश संरक्षित हैं। इनकी निगरानी सीसीटीवी से की जा रही है और निरीक्षण भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि यहां केयर टेकर की तैनाती, उन्हें समय से वेतन भुगतान, भूसा बैंक की स्थापना तथा पानी हरे चारे और चोकर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आश्रय स्थलों में समय-समय पर पशु चिकित्सकों को भेजकर जांच भी कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की समीक्षा में कहा कि किसान सिर्फ योजनाओं के लाभार्थी नहीं बल्कि समग्र विकास में सक्रिय भागीदार बनेंगे। नए उत्तर प्रदेश में कृषि केवल जीविका नहीं, बल्कि समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार बनेगी। ऐसे में किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ ही श्री अन्न और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुल कृषि क्षेत्र का 11.41 फीसदी हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। खाद्यान्न उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी 20.89 फीसदी है, जो किसानों की मेहनत और सरकार की प्रभावी नीतियों का प्रमाण है। 2016-17 में जहां खाद्यान्न उत्पादन 557.46 लाख मीट्रिक टन था, वह 2024-25 में बढ़कर 725.12 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो गया है। इसी अवधि में दलहन और तिलहन उत्पादन में दोगुने से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। बीज की गुणवत्ता और उपयुक्तता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जलवायु क्षेत्रों के अनुसार बीज विकसित किए जाएं। बीज विकास निगम द्वारा किसानों से बीज खरीद की राशि बढ़ाने और संसाधित बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। लखनऊ में प्रस्तावित चौधरी चरण सिंह बीज पार्क की स्थापना को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने इसे बीज क्षेत्र में क्रांति का आधार बताया। सीएम ने उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद जैसे संस्थानों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता जताई।

अधिकृत प्रकाशन के बजाय निजी प्रकाशकों की किताबें बेचने वाले

संभल के 33 निजी स्कूलों पर एक-एक लाख का जुर्माना

संभल, 04 मई (एजेंसियां)। निजी प्रकाशकों की किताबें बेचने और छात्रों को विशेष दुकानों से खरीदने के लिए मजबूर करने के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। संभल जिले के 33 निजी स्कूलों पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम के उल्लंघन के तहत की गई है।

जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने रविवार को बताया कि सीबीएसई और आईसीएसई से संबद्ध स्कूलों में इस्तेमाल हो रही किताबों की जांच कराई गई थी। जांच में सामने आया कि 33 स्कूल निजी प्रकाशकों की किताबें चला रहे थे। इसके अलावा छात्रों को केवल विशेष विक्रेताओं से ही किताबें खरीदने के लिए मजबूर कर रहे थे। यह नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। प्रशासन ने सभी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि वह एक सप्ताह के भीतर जुर्माने की राशि जमा कर उसका प्रमाण जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपें। जिला अधिकारी ने यह भी कहा कि यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो आगे की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निजी स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने 34 स्कूलों का निरीक्षण कर कई गड़बड़ी पकड़ी थी। निरीक्षण करने वाली टीमें अपनी अपनी रिपोर्ट तैयार कर प्रशासन को सौंपी। इन रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई। जांच में एनसीईआरटी किताबों की जगह निजी प्रकाशकों की किताबें पढ़ाई जाती मिली थीं। इसके अलावा फीस वसूली को लेकर भी छानबीन शुरू की गई। 16 अप्रैल को जिलेभर के निजी स्कूलों में निरीक्षण किया गया था। यह निरीक्षण डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया के आदेश पर किए गए थे। इसके लिए 34 टीमें निरीक्षण के लिए अलग-अलग पहुंची थीं। इन टीमों को कई गड़बड़ी मिली थीं। डीआईओएस श्यामा कुमार ने बताया कि जांच रिपोर्ट तैयार की गई। वह रिपोर्ट डीएम को भेजी गई।

ओम प्रकाश राजभर का अखिलेश यादव पर हमला

जातिगत जनगणना की घोषणा ने सपा की नींद उड़ा दी

लखनऊ, 04 मई (एजेंसियां)। सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना की घोषणा ने सपा अध्यक्ष की नींद उड़ा दी है। वहीं सुहेलदेव की प्रतिमा लगवाने के बयान को धोखा बताया। अखिलेश के सत्ता में आने पर गोमती रिवर फ्रंट पर महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा लगवाने संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष को पिछड़ों और दलितों को ठगने की पुरानी आदत है।

राजभर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराने के फैसले ने अखिलेश की नींद उड़ा दी है। वह भीतर से हिल गए हैं और उन्हें पिछड़ा और दलित वोट बैंक छिटकने का डर सताने लगा है। जब तक सपा अध्यक्ष सत्ता में रहे, उन्हें कभी महाराजा सुहेलदेव की याद नहीं आई। अब वोट बैंक की राजनीति के लिए राजभर समाज को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समाज अब उनके झांसे में नहीं आएगा।

राजभर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जो अपने पिता और चाचा का नहीं हो सका, वो राजभर समाज का क्या होगा? सपा अध्यक्ष ने न तो बसपा को छोड़ा, न जयंत चौधरी को, उनकी फितरत केवल ठगने की है। उन्होंने कहा कि वह अखिलेश के साथ रह चुके हैं और उनकी कार्यशैली को अच्छे से जानते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जातिगत जनगणना के बाद अखिलेश का वोट बैंक खिसक जाएगा। इसलिए, वह अब राजभर समाज को धोखा देने की कोशिश में जुट गए हैं। राजभर ने समाजवादी पार्टी पर दलितों को गुलाम समझने का भी आरोप लगाया।

अलीगढ़ में ट्रेनी विमान क्रैश, पायलट बाल-बाल बचा

अलीगढ़, 04 मई (एजेंसियां)। रविवार की दोपहर को अलीगढ़ एयरपोर्ट पर पायलट ट्रेनिंग देने वाली पायोनियर फ्लायिंग एकेडमी का प्रशिक्षु एयरक्राफ्ट लैंडिंग के दौरान एयरपोर्ट पर दीवार से टकरा गया जिससे उसके एक हिस्से के परखचे उड़ गए। प्रशिक्षु पायलट सुरक्षित है। इस हादसे के बाद ट्रेनिंग देने वाली दोनों कंपनियों के एयरक्राफ्ट की उड़ान जांच होने तक रोक दी गई है।

पायोनियर फ्लायिंग एकेडमी के सीएफआई (चीफ फ्लायिंग इंस्ट्रेक्टर) अनिल कुमार के अनुसार दुर्घटना दोपहर 3:10 बजे हुई। उनकी एकेडमी में प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षु पायलट पर्व जैन एयरक्राफ्ट पीएनएच 1520 आईएसटी-चार सीटर से एकल उड़ान कर रहे थे। आसमान में दो चक्कर लगाने के बाद लैंडिंग के समय वे अकराबाद की ओर से एयरपोर्ट पर उतर रहे थे। तभी अचानक उतरते समय पहिये तो खुल गए, मगर किसी कारण संतुलन गड़बड़ा गया, जिसकी वजह से एयरक्राफ्ट करीब 50 मीटर पट्टी के ऊपर चलने के बाद भी जमीन पर नहीं आया। इस पर पर्व ने फिर से एक चक्कर लगाकर वापस उतरने का मन बनाते हुए एयरक्राफ्ट को वापस मोड़ना शुरू किया। बस इसी बीच संतुलन बिगड़ गया और बाईं साइड पर एयरपोर्ट की दीवार से एयरक्राफ्ट टकरा गया।

इस दुर्घटना में एयरक्राफ्ट काफी दूर तक दीवार से रगड़ा। जिससे उसका दाहिना पहिया टूटकर गिर गया, जबकि दूसरी तरफ का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि आग नहीं लगी और पर्व सकुशल सुरक्षा दल के आने से पहले ही बाहर आ गए। बाद में उन्होंने पूरा घटनाक्रम बताया। इधर, यह देख सुरक्षा दल, नागरिक उड्डयन विभाग की टीम, एसडीएम कोल, एसए-चओ महुआ खेड़ा आदि वहां पहुंच गए। काफी देर तक मुआयना करने के बाद दिल्ली में डीजीसीए व एआईडी को अवगत करा दिया गया। अब वहां से टीम जांच के लिए यहां पहुंच रही हैं।

दुर्घटनास्थल पर पहुंची नागरिक उड्डयन विभाग की टीम ने एसडीएम की निगरानी में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयरक्राफ्ट का रिकार्डर बॉक्स जब्त कर लिया है। जिसे जांच को पहुंचने वाले डीजीसीए दल को दिया जाएगा। ताकि दुर्घटना के सही कारणों की जानकारी के लिए जांच में मदद मिल सके। सिटी मजिस्ट्रेट रमाशंकर ने कहा, दुर्घटना के संबंध में डीजीसीए को अवगत करा दिया गया है। वहां से टीम जांच के लिए आ रही है। जांच के बाद आगे की जानकारी दी जा सकेगी।

नेपाल सीमा के जिलों में अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी

बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, पीलीभीत, बहराइच, लखीमपुर खीरी में हुई कार्रवाई

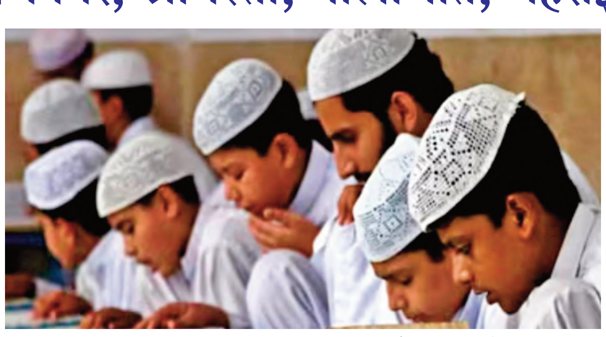

लखनऊ, 04 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई रविवार को भी जारी रहा। रविवार को भी पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और लखीमपुर खीरी में स्थानीय जनपद व पुलिस प्रशासन ने विशेष अभियान चलाया। श्रावस्ती में शासकीय भूमि पर बने अवैध मदरसे व ईदगाह पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि शासकीय भूमि पर बने अवैध व बिना मान्यता के संचालित मदरसों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। इनमें जमुनहा तहसील के मदरसा रिजविया गौसिया उलूम खलीफतपुर, मदरसा दारूल उलूम गरीब नवाज रजा ए मुस्तफा इमलिया करनपुर, मदरसा इस्लामिया अरबिया तलिमुल कुरआन कुंडा पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। व

हीं भिनगा तहसील के मदरसा दारूल उलूम अहले सुन्नत गौसे आजम बन्दिहवा, तहसील इकौना के मदरसा इस्लामिया चिन्तयो गरीब नवाज अलीनगर के साथ ही अवैध ईदगाह खांवापोखर पर भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई।

सिद्धार्थनगर के अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) व अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नेपाल सीमा से 10 किलोमीटर अंदर तक कुल 21 धार्मिक स्थलों पर अवैध अतिक्रमण पाया गया। इसमें 4 मस्जिद व 17 अवैध मदरसे हैं। जिला प्रशासन ने 19 अतिक्रमण पर नोटिस जारी की है, जबकि दो मदरसों का अतिक्रमण हटा दिया गया है। बलरामपुर के अपर जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि अबतक 39 अवैध मदरसे, धार्मिक स्थल और मजार चिह्नित किये गये हैं। इनमें से 24 को सील किया गया है।

सार्वजनिक भूमि पर 19 अतिक्रमण चिह्नित किए गए, जिसमें से सात से अतिक्रमण हटा दिया गया। शेष 12 में से छह को नोटिस दी गई है, इसकी अवधि पूरा होने पर कार्रवाई होगी। वहीं छह अन्य सार्वजनिक भूमि में से चार पर वन विभाग व दो पर लोक निर्माण विभाग कार्रवाई करेगा।

पीलीभीत जिला प्रशासन ने बताया कि सार्वजनिक भूमि पर बने एक मस्जिद को रविवार को चिह्नित किया गया। इसे नोटिस देकर 15 दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। इसके उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल व पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि दो दिन के भीतर यहां सार्वजनिक भूमि पर तीन अवैध अतिक्रमण चिन्हित किए गए। रविवार को एक अवैध मजार भी चिह्नित की गई। प्रशासन व पुलिस ने यहां से एक मस्जिद, एक मजार व दो ईदगाह से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। इसमें से एक ईदगाह को सील भी किया गया है।

बहराइच डीएम व एसपी के मुताबिक इंडो नेपाल बार्डर के 10 किमी. के मध्य सरकारी भूमि पर 158 अतिक्रमण से कब्जा हटा दिया गया है। रविवार को जिले में एक अवैध ईदगाह से अतिक्रमण हटाया गया। कुल 24 स्थलों पर अतिक्रमण चिह्नित कर कार्रवाई की गई। 10 मदरसों को सील व तीन को हटाया गया है।

वक्फ बोर्ड के कब्जे से मुक्त कराई जाएगी नगर निगम की 21 बीघा जमीन

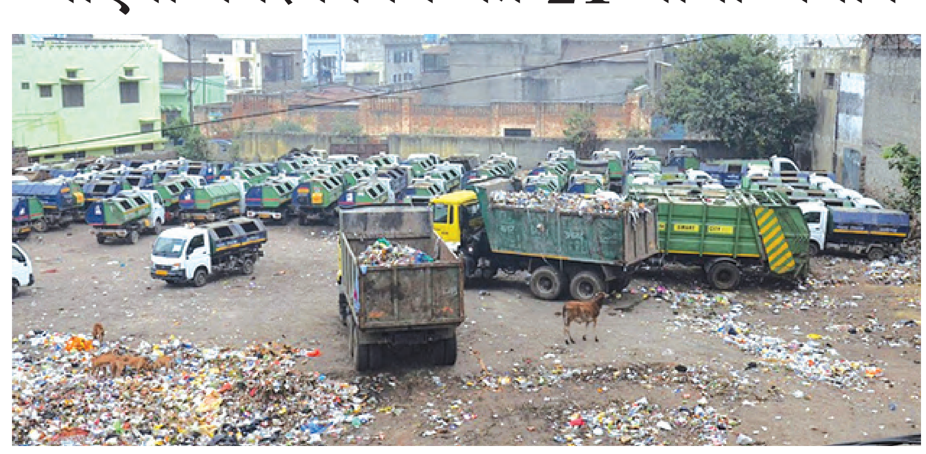

अलीगढ़, 04 मई (एजेंसियां)। आठ दशक बाद एएमयू से अरबों रुपए की जमीन कब्जा मुक्त कराने के बाद अब नगर निगम अपनी अन्य जमीनों को लेने में जुट गया है। इसी क्रम में नौरंगाबाद रोड पर नगर निगम की 21 बीघा जमीन को कब्जा मुक्त कराने की तैयारी है। वर्तमान में इस जमीन पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा कर रखा है। इस जमीन की बाजार में कीमत 110 करोड़ रुपए से ऊपर है।

वक्फ बोर्ड द्वारा हाईकोर्ट में दायर किए गए मुकदमे में अब नगर निगम नए वक्फ कानून के तहत अपना पक्ष रखने जा रहा है। नए कानून के तहत प्रावधान है कि जो सरकारी जमीन है उस पर वक्फ नियम लागू नहीं होगा। इसी प्रावधान को आधार बना कर निगम कब्जा मुक्ति की तैयारी में जुटा है। कोल तहसील के जीटी रोड नौरंगाबाद स्थित डीएवी बालक और डीएवी बालिका इंटर कॉलेज में बीच में गाटा संख्या 1995-2 में सात बीघा और छर्रा अड्डा बस स्टैंड पर गाटा संख्या 1996 में लगभग 14 बीघा जमीन है।

इन दोनों जमीनों पर निगम ने चहारदीवारी कराकर कब्जा कर रखा है। मगर इन दोनों सरकारी जमीनों पर सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड लखनऊ ने वक्फ कमेटियां गठित कर दीं। जिसके बाद वक्फ कमेटी ने वर्ष 2020 में डीएवी वाली जमीन पर और वर्ष 2022 में छर्रा बस अड्डा वाली जमीन पर हाईकोर्ट में मुकदमा दायर कर दिया। इस पर सुनवाई हुई और दोनों पक्षों ने दलील प्रस्तुत कीं। इसके बाद हाईकोर्ट ने यथास्थिति बरकरार रखने कर आदेश जारी कर दिया है।

वर्षों से शहर के बीचों-बीच और मुख्य मार्ग पर करोड़ों की जमीन मुकदमे में फंसी है। इस पर नगर निगम राजस्व बढ़ाने के लिए चाहकर भी कोई कार्य नहीं करा पा रहा है। मगर वक्फ बोर्ड के नए नियम से नगर निगम को बल मिल गया है। अब नगर निगम हाईकोर्ट में अपना पक्ष प्रस्तुत कर दोनों जमीन वक्फ से मुक्त कराएगा। संपत्ति विभाग के लिपिक विजय गुप्ता ने बताया कि नगर निगम की सरकारी जमीन को वक्फ बोर्ड ने अपना बता कर हाईकोर्ट में मुकदमा दायर कर रखा है। मगर, नए कानून के तहत नगर निगम जल्द ही अपना पक्ष हाईकोर्ट में प्रस्तुत कर दोनों जमीनों पर अपना कब्जा करेगा।

नगर आयुक्त विनोद कुमार ने बताया कि तहसील कोल के जीटी रोड पर नगर निगम की लगभग 21 बीघा जमीन है। करोड़ों रुपए कीमत वाली इस जमीन पर वक्फ बोर्ड की नजर है। सरकारी जमीन को अपना बता कर वक्फ बोर्ड ने मुकदमा दायर कर रखा है। मगर नए कानून के तहत जल्द ही निगम हाईकोर्ट में अपना पक्ष प्रस्तुत करेगा।

सरकारी दावा फेल : उद्योगों की राह में अड़चन

23 विभागों में 694 एनओसी आवेदन फंसे रह गए

लखनऊ, 04 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में उद्योगों की सुविधा और निवेशकों को भागदौड़ व उत्पीड़न से बचाने के लिए बनाए गए निवेश मित्र पोर्टल में 23 विभागों में 694 आवेदन लंबित हैं। सबसे ज्यादा भूगर्भ जल विभाग में 139, पॉवर कॉर्पोरेशन में 98 और नोएडा प्राधिकरण में 83 आवेदन लटके हैं। एक उद्योग लगाने के लिए करीब 32 विभागों की एनओसी की जरूरत पड़ती है। इसे आसान बनाने के लिए निवेश मित्र पोर्टल तैयार किया गया है। निवेश मित्र पोर्टल उद्यमियों और निवेशकों को ऑनलाइन आवेदन करने, शुल्क भुगतान करने और अपने आवेदनों की स्थिति जानने की सुविधा देता है। निवेश मित्र पोर्टल पर आवेदनों की स्वीकृति की टाइमलाइन 30 कार्य दिवस रखी गई है। यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि निवेशक और उद्यमी एक समय में विभिन्न विभागों के चक्कर लगाए बिना ऑनलाइन अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर सकें। इसके बाद भी 23 विभागों में सैकड़ों आवेदन स्वीकृति के इंतजार में अटके हैं। उद्योगों को ऑनलाइन अनापत्ति प्रमाण पत्र देने वाले तीन विभागों की ही एक तिहाई से ज्यादा आवेदन लंबित हैं। इनके अलावा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में 82, यूपीसीडा में 57, आवास विभाग में 51, लोक निर्माण विभाग में 36, एमएसएमई विभाग में 31, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 24, राजस्व विभाग में 15, शहरी विकास में 15, फिल्म बंधु और खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में 14-14 और सूचना प्रौद्योगिकी में 12 आवेदन स्वीकृति के इंतजार में हैं। एनओसी देने में कुछ विभागों की स्थिति काफी बेहतर भी है। इनमें उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) में 6, कृषि विभाग में 5, गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 4, बांट व माप विभाग में 3 आवेदन लंबित हैं।

जिम में वर्कआउट करने पर यदि लगता है कि फिटनेस संबंधी सभी जरूरतें पूरी हो गई हैं तो आप गलत हैं। आदि मानव की तुलना में हमारी जीवनशैली भले ही बदल गई हो, पर शारीरिक संरचना में अधिक बदलाव नहीं आया है। ऐसे में प्राथमिक मुद्राओं का अभ्यास जरूरी है। फिटनेस के लिए केवल जिम नहीं, पूरे शहर को अपना पर्सनल प्लेग्राउंड बनाएं।

पूरा शहर है आपका जिम

डैन जॉन ने अपनी पुस्तक 'नैवर लैट गो: ए फिलॉसफी ऑफ लिफ्टिंग, लिविंग एंड लर्निंग' में कहा है कि यह जरूरी है कि आप रोज व्यायाम करें। उनका मतलब मानव शरीर के व्यायाम संबंधी 'प्राथमिक आयाम' से है। यानी वह बुनियादी नियम, जिन्हें शरीर आसानी से अंजाम दे सकता है और जिनके बिना इनसान का अस्तित्व ही सिमट जाएगा। जॉन सहित दुनिया के लगभग सभी फिजिकल ट्रेनरों का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति को इन शारीरिक गतिविधियों में पारंगत होना चाहिए, जो कि इस प्रकार हैं-स्क्वैटिंग (उकड़ बैठना या पालथी मारना), लंगिंग (मजबूत फेफड़े), बैंडिंग (झुकना)और लिफ्टिंग (जमीन से कुछ उठाने की प्रक्रिया), कुछ भार उठाकर चलना, धकेलना, खींचना और कूदने-फांदने जैसे गतिशील व्यायाम।

मनुष्य ने अपने विकास क्रम में जंगली जानवरों के बीच इन मुद्राओं को सीखा। उदाहरण के लिए जमीन पर सही तरह उकड़ बैठे बिना आदि मानव के लिए खुले में आग जलाना संभव नहीं था। यहां तक कि उकड़ बैठने की शारीरिक मुद्रा प्राचीन संस्कृति में प्रमुख मुद्रा मानी गई है, जिसे प्रार्थना, प्रक्षालन व उपचार पद्धतियों में अपनाया गया है। पर हमारी शहरी जीवनशैली विकास क्रम में हमारे पूर्वजों से बहुत अलग हो गई है। सच यह है कि ये प्राथमिक मुद्राएं हमारे शरीर को मजबूत और चोटिल होने से बचाती हैं।

'झुकना और उठाना' यह पैटर्न आमतौर पर मजदूरों, निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों, नर्स और छोटे बच्चों के माता-पिता द्वारा अपनाया जाता है। अन्य प्राथमिक मुद्राओं के अलावा झुकना और उठाना रोजमर्रा की जीवनशैली की आवश्यक मुद्राएं हैं। यदि हम सही से अपनी मुद्रा का ध्यान नहीं रखते तो चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। पहले ऊंची-नीची और असमान पहाड़ियों पर चढ़ने-उतरने के कारण लोग सहज ही फेफड़ों का व्यायाम कर लेते थे। आज लगभग सभी खेलों में आगे की ओर कूदना, धकेलना जैसी मुद्राओं की जरूरत होती है। ऐसे खिलाड़ी, जो ढंग से आगे की ओर कूदने और धकेलने का अभ्यास नहीं करते, उन्हें कुछ समय बाद घुटनों की परेशानी का सामना करना पड़ जाता है।

जिम से बाहर आएं

यदि आप ज्यादा भी नहीं कर सकते तो भी कभी-कभार जिम के मशीनी वातावरण से बाहर निकल कर खुले में प्राथमिक मुद्राओं का अभ्यास करें। यह आपके पड़ोस का कोई पार्क हो सकता है, पार्किंग स्थल हो सकता है, खाली गैरेज हो सकता है। यहां आपको 20 मिनट की फिटनेस गतिविधियां बताई जा रही हैं, जो आपको खुले में करनी होंगी। ये गतिविधियां आपको अपनी प्राथमिक मुद्राओं का अभ्यास कराएंगी। यदि संभव हो तो अपने साथ 5 किलोग्राम का वजन पीठ पर लेकर चलें। कोई भारी वस्तु जैसे डंबल्स आदि न रखें, इससे आपको नुकसान पहुंच सकता है, इससे बेहतर हल्की किताबें डालें। ऐसा करना आपके प्रशिक्षण को थोड़ा और चुनौतीपूर्ण बनाएगा।

जिम और चाल

शहरों में रहने वाले अधिकतर लोगों के लिए व्यायाम का सबसे सरल तरीका बड़े, खुले और आधुनिक मशीनरी और उपकरणों से लैस जिम बन गए हैं, जहां उन प्राथमिक मुद्राओं के पैटर्न को ध्यान में रख कर व्यायाम करवाए जाने की संभावना काफी कम होती है। यहां तक कि वहां इन्हें पूरी तरह नजरअंदाज करके कुछ अन्य मुद्राओं का विकास किया जाता है, जो पूरी तरह गैर कार्यात्मक और गैर उपयोगी होती हैं-जैसे बाइसेप्स कर्ल यानी डोले बनाना, जो मात्र आपकी कोशिकाओं को बढ़ाते हैं, जिसकी वास्तव में कोई जरूरत भी नहीं होती। मैंने कई बार यह अनुभव किया है कि मेरे पास ट्रेनिंग में आने वाले ऐसे लोग, जो पहले कभी जिम नहीं गए हैं, नियमित जिम जाने वाले युवाओं की तुलना में अधिक बेहतर परिणाम दे पाते हैं। ऑफिस में देर तक काम करने वाले औसतन लोगों का चलना-फिरना बहुत कम हो जाता है। सामान्य शारीरिक क्रियाएं जैसे दौड़ना, भारी समान उठाना आदि क्रियाएं करना भी उनके लिए एक तरह की चुनौती बन जाता है। अधिकतर लोगों के प्राइम मूवर्स जैसे कि जांघ की मांसपेशियां, कूल्हे की मांसपेशियां, पीठ का निचला हिस्सा और कंधे शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण सुस्त पड़ जाते हैं, धीरे-धीरे आधारभूत मांसपेशियों में संकुचन होने लगता है, जिसके कारण प्राइम मूवर्स के कामों में बाधा आने लगती है। एक प्रशिक्षक के तौर पर मेरी सबसे पहली चुनौती प्रशिक्षु को प्राथमिक मुद्राओं को करने में सक्षम बनाना है। उसको उपयोगी कार्यात्मक प्रशिक्षण देना है, जिससे ट्रेनिंग के लिए आने वाले लोग खुद को विभिन्न गतिविधियां करने में सक्षम महसूस कर सकें।

ऊपर चढ़ना सीखें

25 लाख वर्ष पहले मनुष्य शिकारी था और करीब दस हजार वर्ष पहले उसने खेती करना सीखा। हमारे पूर्वज अपनी सुरक्षा व वन्य-जन्तुओं से खुद को बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ा करते थे। हालांकि शहरों में अब इस तरह के खतरे का सामना नहीं करना पड़ता, पर हमारे शारीरिक ढांचे में बहुत अंतर नहीं आया है। खुद को सही शेप में रखने के लिए इस तरह की मूवमेंट का अभ्यास करना अभी भी जरूरी है। ऊंचाई से किसी ढांचे या मजबूत पेड़ की शाखा से मोटी रस्सी नीचे की ओर लटकाएं और उसके सहारे ऊपर चढ़ने का प्रयास करें। अपनी इस क्षमता को बढ़ाएं। जब इसमें निपुण हो जाएं तो पड़ोस के किसी पार्क में मजबूत पेड़ पर अभ्यास करें। कुश्ती और सेना में इसे प्रशिक्षण तकनीक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इससे सारे शरीर को मजबूती मिलती है और ताकत बढ़ती है।

बॉक्स कूद

किसी मजबूत बॉक्स, कुर्सी या पार्क में बैंच या चबूतरे पर कूद लगाएं। तेजी के साथ दोनों पैरों से कूदें और फिर पूरे संतुलन के साथ वापस पॉजिशन में आएं। पीठ सीधी रखें और घुटने एक-दूसरे से जुड़ने नहीं चाहिए। ऐसा 15 मिनट तक करें और 15 सेकेंड विश्राम करें। यह एक सेट हुआ, ऐसा तीन बार करें। कूदना पैरों को मजबूती और फेफड़ों को ताकत देता है।

जॉगिंग नहीं, कम दूरी की तेज दौड़

किसी जानवर को दौड़ते हुए देखो, आपको सही स्थिति पता चलेगी। कम दूरी के लिए तेज चलें जैसे एक खंबे से दूसरे खंबे तक दौड़ लगाएं या तेज चलें। फिर कुछ सकेंड का विश्राम करें। ऐसा 4 से 5 मिनट तक दोहराते रहें। आदि मानव तेज दौड़ते और चलते थे, फिर बीच में विश्राम करते थे। वे लगातार नहीं चलते थे। इसकी तुलना आधुनिक जिम से करें, जहां लोग अधिक समय ट्रेडमिल पर लगातार चलने में बिता देते हैं और अधिक उपयोगी लाभ से वंचित रह जाते हैं।

वैकल्पिक लघु दौड़ और रेंगना

पहले 15 मीटर तक तेज लघु दौड़ लगाएं और उसके बाद उतनी ही दूरी तक रेंग कर आगे बढ़ें। बिना आराम किए लगभग 3 मिनट तक यह पैटर्न दोहराएं। इससे आपके पैरों की मांसपेशियां दुरुस्त होंगी और फेफड़ों की ताकत बढ़ेगी।

सीढ़ियों पर रेंगना

सीढ़ियों पर 15 से 20 सेकेंड तक स्पाइडरमैन स्टाइल में ऊपर चढ़ें। दोगुना समय यानी 30 सेकेंड आराम करें। 3 से 4 सेट में दोहराएं। यह क्रिया पेट की मांसपेशियों, फेफड़ों और दिल के लिए स्वास्थ्य प्रदान करने वाली है।

दीवार के सहारे बैठना

पीठ, कूल्हे और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत और संतुलन प्रदान करने के लिए यह बेहतरीन व्यायाम है। 15-15 बार तीन सेट में यह व्यायाम करें।

आप भी हो सकते हैं आपके पार्टनर के डिप्रेशन का शिकार

कमजोर से शादी कर आप भी हो सकते हैं कमजोर और डिप्रेस्ड व्यक्ति से शादी कर आप भी हो सकते हैं डिप्रेस्ड। यह बात एक अध्ययन में कही गई है। अध्ययन में यह भी कहा गया कि बूढ़े लोगों में कमजोरी और डिप्रेशन का एक बड़ा कारण उनका जीवनसाथी होता है। अध्ययन में कहा गया है कि 65 साल या इससे अधिक उम्र के 10 फीसदी लोगों में कमजोरी (फ्रेल्टी) की समस्या देखी जाती है।

खुद पर न थोपें परफेक्ट मदर बनने का दबाव

ऑफिस और घर-परिवार की चिंताओं में कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं का सामना करती हैं कामकाजी माताएं। ब्रिटेन में कामकाजी माताओं पर हुए एक सर्वे के अनुसार, कामकाजी महिलाएं अपने आराम के लिए औसतन मात्र 26 मिनट का समय निकाल पाती हैं। वहीं सर्वे में 10 में से 9 माताएं बच्चों को पर्याप्त समय न देने के कारण अपराध बोध से ग्रस्त मिलीं।

सर्वे में माताओं ने यह भी स्वीकार किया कि वे स्वयं पर परफेक्ट मदर बनने का दबाव महसूस करती हैं। इसी तरह एक अन्य सर्वे में कामकाजी माताओं में से 88 प्रतिशत महिलाओं को तनाव संबंधी परेशानियां देखने को मिलीं। एक अन्य सर्वे के नतीजों में कामकाजी माताओं के बच्चे सेहत संबंधी समस्याओं से अधिक जूझते पाए गए, जिसके कारण अक्सर माताओं में अपराध बोध की भावना भी बढ़ने लगती है।

सेहत की परेशानियां

परफेक्ट मदद बनने की चाहत, घर व बच्चों की जिम्मेदारियां व कार्यसंबंधी तनाव मांओं में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न कर देते हैं, जिनमें प्रमुख हैं: मूड स्विंग, अवसाद, अनियमित माहवारी, माइग्रेन, नियमित सिरदर्द, अपर्याप्त नींद, ब्लड प्रेशर, थायराइड, गुस्सा व चिड़चिड़ापन और कमर व पीठ दर्द। 90 प्रतिशत सिर दर्द तनाव व स्ट्रेस के कारण होता है। ज्यादा हिलने-डुलने का काम न होने पर हाई ब्लड प्रेशर, थकान व मोटापा भी घेरने लगता है।

ऐसे बनाएं संतुलन

- कम से कम सात से आठ घंटे की नींद अवश्य लें। इससे दिनभर के कामों के लिए ऊर्जा मिलेगी व काम पर फोकस करने की क्षमता का विकास होगा।
- कामों की प्राथमिकताएं तय करें। पहले जरूरी कामों को पूरा करें। इससे अनावश्यक हड़बड़ी व तनाव से राहत मिलेगी। खाली समय बच्चों को दें।
- 10 से 15 मिनट अपने लिए निकालें। इस बीच फोन बंद कर दें और आराम करने की कोशिश करें। इस समय खुद को हर चिंता से दूर रखें।
- अगले दिन के कामों की कुछ योजना पूर्व रात्रि में ही बना लें।
- कामकाजी माताएं सबसे बड़ी लापरवाही अपने खान-पान के साथ करती हैं। ब्रेकफास्ट अवश्य करें। पर्याप्त मात्र में पानी पिएं। अधिक से अधिक फल व सब्जियों को आहार में शामिल करें। निश्चित समय पर भोजन अवश्य करें।
- काम को पूरा करने के लिए नई तकनीक का सहारा लें। अच्छे दोस्तों का नेटवर्क रखें। बच्चों के स्कूल आदि जरूरी नंबरों के साथ उनके दोस्तों और उनकी माताओं का नंबर अपने पास अवश्य रखें।

तभी अच्छी तरह से चल पाएगी रिश्तों की ये लारी

एक-दूसरे के अंदर कमियां नहीं खूबियां ढूंढें

आज पति-पत्नी का रिश्ता मित्रता, प्यार, सहभागिता का बन गया है जिसमें दोनों को एक-दूसरे को समझाने की बजाय दोनों को एक-दूसरे को समझने की कोशिश करनी पड़ती है तभी एक वैवाहिक जीवन की कल्पना की जा सकती है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि वैवाहि जीवन में पति पत्नी एक-दूसरे से मधुर रिश्ता कैसे बनाएं।

प्यार से समझाने का करें प्रयास

पति-पत्नी एक-दूसरे की कमी ढूंढने की बजाय अगर वे समझदारी से काम लें और खुद को बदलने का प्रयास करें, तभी दांपत्य जीवन की गाड़ी प्रेमपूर्वक चल सकती है, लेकिन कितने विवाहित जोड़ों के बीच यह समझदारी होती है? शायद बहुत कम। तभी ये प्यार भरे रिश्ते टूटते हैं। अक्सर ऐसा देखा जाता है की पत्नियां पतियों में कमियां ढूंढती हैं। इन्हें कपड़े पहनने का सलीका नहीं, इन्हें ठीक से बात करना नहीं आता, इनका स्वभाव बेरुखा है और न जाने क्या-क्या। पति कुछ दिन तो सहता है, और जब पति के अहं को चोट पहुंचती है तो ये प्यार तकरार में तब्दील हो जाती है। ये रिश्ता टूटने से बच सकता है। पत्नी समझदारी से काम लेती। पति को वक्त बेवक्त टोकने की बजाय प्यार व अधिकार से उसे बदलने का प्रयास करती है तो मामला इतना टेढ़ा नहीं होता है। अगर आपको अपने पति की कोई आदत पसंद नहीं तो उनको प्यार से व सूझबूझ से समझाएं कि अगर वह ऐसा करेंगे तो उसे अच्छा लगेगा। इस तरह आप पति को बदलने की कोशिश कर सकती हैं।

अधिक काम करिए, स्वस्थ और खुश रहिए

अभी तक यह समझा जाता रहा है कि अधिक काम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, लेकिन हाल ही में किए गए एक शोध से यह बात सामने आई है कि जो लोग अधिक काम करते हैं, वे अन्य व्यक्तियों की तुलना में अधिक खुश व अधिक स्वस्थ रहते हैं। यहां अधिक काम से तात्पर्य यह है कि वे अपने काम से प्यार करते हैं, इसलिए वे देर रात तक अपने कार्य में लगे रहते हैं, अपने परिवार और काम के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, विचारशील व विवेकी होते हैं। अगर आप ऐसे नहीं हैं तो ऐसे बन जाइए ताकि आप भी स्वस्थ व खुश रहें।

कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है। 'फोमो' की स्थिति में एक व्यक्ति खुद से जुड़ी सभी बातें सोशल मीडिया पर शेयर करने का दबाव महसूस करता है।

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परजिनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

जब नहीं मिलता अटेंशन...

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटेंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढ़ना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटेंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। साइकोलॉजिकली या सोशियलर अगर आप सामने वाले से खुद को कमतर पाते हैं तो ये सारी बातें आपको परेशान करने लगती हैं। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' जैसी बातें आने लगती हैं।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहेवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यत: लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकिसत होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यत: कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है।

रेसिपी

कैप्सिकम टोस्ट सैंडविच

सामग्री

8 ब्रैड के सलाइस
2 प्याज (बारीक कटे)
2 टमाटर (बारीक कटे)
2 शिमला मिर्च (बारीक कटे)
1 कप पनीर (कद्दूकस किया)
काली मिर्च आवश्यकतानुसार , 1चम्मच ड्राई ओरिगेनो, नमक स्वादानुसार
आधा कप मक्खन, 1 चम्मच घी

विधि

सबसे पहले एक फ्राई पैन में घी डाले। अब उसमें प्याज डालकर एक मिनट तक भूने और इसमे टमाटर, शिमला मिर्च, नमक और मिर्च डाल कर मिक्स कर दें। इसके बाद ओरिगेनो डालकर सारी सामग्री को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। फिर इसमें थोड़ा सा पनीर मिलाएं। दूसरी तरफ ब्रैड पर मक्खन लगाएं और मिक्सचर को ब्रैड के पीस पर अच्छी तरह फैलाएं। दूसरे ब्रेड के टुकड़े को उसके ऊपर रखकर ढक दें। इसी तरह सभी सैंडविच तैयार कर लें। अब इन्हें इलेक्ट्रिक टोस्टर में या सैंडविच मेकर मे रखकर दोनों तरफ मक्खन लगाकर गोल्डन ब्राउन होने तक सेकते रहें। इसके बाद इन्हें कटर की सहायता से काट लें। अब यमी कैप्सिकम टोस्ट सैंडविच बन कर तैयार हो गए हैं इसे आप टोमैटो सॉस के साथ सबको परोस सकते हैं।

दलिया और सेब की रेसिपी

सामग्री

दलिया एक चौथाई कप
सेब आधा कप बारीक टुकड़ो में कटे हुए
दूध 1 लीटर
ब्राउन शूगर या शहद

विधि

दलिया और सेब की रेसिपी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन लें। अब उसमें दूध डाल कर उबाला आने तक पकाएं। जब दूध को उबाला आ जाए तो इसमें दलिया डालें। अब इसे दस मिनट तक पकाते रहे। जब दलिया गल जाए तब इसमे सेब डाल दें। अब इसमें अपनी इच्छा अनुसार चीनी या शहद मिला कर गैस को बंद कर दें। अब दलिया और सेब की डिश बनकर तैयार है। इसे आप ठंडा या गर्म किसी तरह भी खा सकते हैं।

संपादकीय

जातीय गणना का 'समाजवाद'

प्रधानमंत्री मोदी जाति जनगणना की मांग करने वालों को 'अर्बन नक्सल' करार देते थे। अब वह खुद को और 'सुपर कैबिनेट' के सदस्यों को क्या कहेंगे, जिन्होंने जनगणना में ही जातियों को गिनने का अचानक फैसला लिया है? उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आज भी मानना है कि जातीय गणना 'तालिबानी मानसिकता' है और यह दलितों को आरक्षण से वंचित करने की कोशिश है। प्रधानमंत्री इस बयान पर क्या टिप्पणी करेंगे? भाजपा और संघ में जाति जनगणना को लेकर कुछ असमंजस जरूर थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में जातीय ध्रुवीकरण ऐसा सामने आया कि उप्र में भाजपा 80 में से 33 सीटों पर ही अटक गई, नतीजतन लोकसभा में सामान्य बहुमत नहीं पा सकी। केंद्र में गठबंधन सरकार बनानी पड़ी। हालांकि 2014 के बाद ओबीसी और दलित भाजपा के नए समर्थन-आधार बने। भाजपा 'ब्राह्मणों-बनियों की पार्टी' नहीं रही। ओबीसी ने 2024 के संसदीय चुनाव में भाजपा को 42 फीसदी से अधिक वोट दिए, लेकिन दलित भाजपा के पक्ष में आते-जाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद संघ और भाजपा के भीतर ऐसे विश्लेषण किए गए कि नए जातीय आधार तय किए जाएं। जातियों को उनकी संख्या के आधार पर शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आवास आदि क्षेत्रों की सुविधाएं और जातीय हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की जाए। यह भी आकलन सामने आया कि अब जातियों, उपजातियों के प्रभाव और जनादेश को नजरअंदाज करना संभव नहीं है, लिहाजा जाति जनगणना के फैसले पर सरकार आई। अभी यह तय नहीं है कि किस आधार पर जाति जनगणना कराई जाए। यह जरूर निश्चित है कि जिस तरह 2011 की सामाजिक-आर्थिक जातीय जनगणना के बाद 46 लाख से अधिक जातियां सामने आई थीं, कमोबेश उस आधार पर जनगणना नहीं कराई जाएगी। 1931 की जनगणना के दौरान गिनी गई जातियों की कुल संख्या 4147 थी। इतना अंतर कैसे आ गया? 2011 की जनगणना के निष्कर्षों को सार्वजनिक भी नहीं किया गया। बहरहाल आरक्षण पर भाजपा की सोच अलग रही है। जाति जनगणना का मकसद सीधे आरक्षण से जुड़ा है। 1990 के चुनाव घोषणापत्र में भाजपा ने लिखा था कि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए। अब जाति जनगणना के बाद जो संख्या सामने आएगी, सभी को आरक्षण और हिस्सेदारी देना संभव नहीं होगा। भाजपा-संघ की बुनियादी दृष्टि यह है कि जातियों की गणना और उन्हें अलग-थलग करने से कितना राजनीतिक लाभ होगा और देश में सामाजिक ताना-बाना भी बरकरार रहेगा। दरअसल जाति जनगणना न तो भाजपा, कांग्रेस और न ही सपा, बसपा, राजद, जनता दल-यू सरीखे क्षेत्रीय दलों के लिए 'समाजवाद' है। सामाजिक न्याय और समरसता भी राजनीतिक नारे हैं। 1990 में मंडल आयोग की रपट के बाद ओबीसी को शिक्षा, नौकरी में आरक्षण तय किया गया। दक्षिण के राज्यों को छोड़ कर शेष भारत में यह आरक्षण 27.5 फीसदी है। आरक्षण के नतीजतन कुछ ओबीसी समृद्ध होने लगे और मुख्यधारा में भी आए। ओबीसी की सियासत के आधार पर छोटे-छोटे राजनीतिक दल भी बने। कुछ आज भी अस्तित्व में हैं। मंडल के समानांतर कमंडल राजनीति भी शुरू हुई, लिहाजा भाजपा देश और सदन में सबसे बड़ी पार्टी बन गई।

प्रधानमंत्री इस बयान पर क्या टिप्पणी करेंगे? भाजपा और संघ में जाति जनगणना को लेकर कुछ असमंजस जरूर थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में जातीय ध्रुवीकरण ऐसा सामने आया कि उप्र में भाजपा 80 में से 33 सीटों पर ही अटक गई, नतीजतन लोकसभा में सामान्य बहुमत नहीं पा सकी। केंद्र में गठबंधन सरकार बनानी पड़ी। हालांकि 2014 के बाद ओबीसी और दलित भाजपा के नए समर्थन-आधार बने। भाजपा 'ब्राह्मणों-बनियों की पार्टी' नहीं रही। ओबीसी ने 2024 के संसदीय चुनाव में भाजपा को 42 फीसदी से अधिक वोट दिए, लेकिन दलित भाजपा के पक्ष में आते-जाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद संघ और भाजपा के भीतर ऐसे विश्लेषण किए गए कि नए जातीय आधार तय किए जाएं। जातियों को उनकी संख्या के आधार पर शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आवास आदि क्षेत्रों की सुविधाएं और जातीय हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की जाए। यह भी आकलन सामने आया कि अब जातियों, उपजातियों के प्रभाव और जनादेश को नजरअंदाज करना संभव नहीं है, लिहाजा जाति जनगणना के फैसले पर सरकार आई।

भारतीय नौसेना को फ्रांस द्वारा 26 राफेल मरीन फाइटर जेट उपलब्ध कराए जायेंगे, तथा इनमें से 22 फाइटर जेट सिंगल-सीटर होंगे

अपनी सैन्य क्षमताओं में वृद्धि कर रहा भारत !

सुनील कुमार महला

भारत और फ्रांस ने हाल ही में राफेन मरीन विमान के ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने इस डील को हरी झंडी भी दिखा दी है। गौरतलब है कि आईजीए पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस के सशस्त्र सेना मंत्री सेबास्टियन लेकोर्नु ने हस्ताक्षर किए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह भारत की फ्रांस के साथ अब तक की सबसे बड़ी डिफेंस डील है, जिसके अंतर्गत भारत, फ्रांस से 26 राफेल मरीन विमान खरीदेगा।

भारत अपनी सैन्य क्षमताओं में लगातार वृद्धि कर रहा है। इस क्रम में यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि भारत और फ्रांस ने हाल ही में राफेन मरीन विमान के ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने इस डील को हरी झंडी भी दिखा दी है। गौरतलब है कि आईजीए पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस के सशस्त्र सेना मंत्री सेबास्टियन लेकोर्नु ने हस्ताक्षर किए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह भारत की फ्रांस के साथ अब तक की सबसे बड़ी डिफेंस डील है, जिसके अंतर्गत भारत, फ्रांस से 26 राफेल मरीन विमान खरीदेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों (भारत-फ्रांस) के बीच यह डील 63000 करोड़ रुपए में साइन की गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस राफेल डील में हथियार, उपकरण, स्पेयर पार्ट्स और क्रू ट्रेनिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट भी शामिल होगा। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत की फ्रांस से 26 राफेल एम (मरीन) की खरीद के समझौते पर हुए हस्ताक्षर रणनीतिक रूप से बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारत और फ्रांस के बीच जो डील (सौदा) हुआ है उसके मुताबिक भारतीय नौसेना को फ्रांस द्वारा 26 राफेल मरीन फाइटर जेट उपलब्ध कराए जायेंगे, तथा इनमें से 22 फाइटर जेट सिंगल-सीटर होंगे। वहीं, नौसेना को चार ट्विन-सीटर वेरिएंट के ट्रेनिंग राफेल विमानों की डिलीवरी भी दी जाएगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत और फ्रांस के बीच यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब भारत ने आतंकवाद के खिलाफ (पहलगाम हमले के बाद) सख्त रुख अपनाया है, जिसके चलते पाकिस्तान में काफी बैचेनी है। पाकिस्तान इन दिनों नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर रहा है और भारतीय सेना पाकिस्तान को करारा जवाब दे रही है। इसी बीच भारतीय नौसेना के बेड़े में राफेल विमान शामिल हो जाने से भारत की शक्ति और अधिक बढ़ जाएगी। गौरतलब है यह देश के नौसैनिक बलों के लिए पहला बड़ा लड़ाकू विमान अपग्रेड है। हालाँकि, यह बात अलग है कि अभी इन विमानों की डिलीवरी में कुछ वर्षों का समय लगेगा। जानकारी के अनुसार पहले राफेल (एम) फाइटर जेट की डिलीवरी वर्ष 2028-29 में होगी। इसके बाद वर्ष 2031-32 तक नौसेना को सभी विमानों की आपूर्ति कर दी जाएगी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन्हें (राफेल विमानों को) मुख्य रूप से, स्वदेशी रूप से निर्मित विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य पर तैनात किए जाएंगे। वास्तव में

इन विमानों को युद्ध पोत पर तैनात करने के हिसाब से ही डिजाइन किया गया है तथा फ्रांस की सेना पहले से ही इनका इस्तेमाल कर रही है। इससे (इस सौदे से) जहां एक ओर भारत जहां हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर नजर रख सकेगा। वहीं, दूसरी ओर भारत पाकिस्तान की हरकतों का भी मुंहतोड़ जवाब और अधिक शक्ति से दे सकेगा। इन विमानों की सहायता से भारत न केवल पाकिस्तान बल्कि पड़ौसी चीन के नापाक मंसूबों पर भी भारत पानी फेर सकेगा, जैसा कि चीन भी समय समय पर सीमा पर भारत को आंख दिखाता रहता है और घुसपैठ की वारदातों को अंजाम देता रहता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे भारतीय नौसेना की समुद्री हमले की क्षमताओं को और अधिक मजबूती मिल सकेगी। गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना के पास भी राफेल विमानों के बेड़े है। वास्तव में, भारत के पास पहले से ही 36 राफेल विमान हैं। पाठकों को बताता चलूं कि साल 2016 में ही इन विमानों के लिए फ्रांस की कंपनी के साथ डील हुई थी तथा भारत की फ्रांस के साथ इस नई डील के बाद भारत में राफेल की संख्या बढ़कर 62 हो जाएगी। आज भारत 'मेक इन इंडिया' पर लगातार जोर दे रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने पिछले एक दशक में अपनी सैन्य ताकत को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित किए गए घातक हथियार न केवल भारत की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करते हैं, बल्कि पड़ोसी देशों विशेषकर पाकिस्तान और चीन के लिए एक बड़ी चुनौती भी पेश करते हैं। यदि हम यहां पर भारत की स्वदेशी हथियार प्रणालियों की बात करें तो इनमें क्रमशः अग्नि-V मिसाइल(8,000 किमी तक मार करने की क्षमता),ब्रह्मोस(दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइल),एच एसटीडीवी (7 मैक गति वाली हाइपरसोनिक मिसाइल),प्रलय मिसाइल(दुश्मन के बंकरों और कमांड सेंटरों के लिए घातक),निर्भय क्रूज मिसाइल(छुपकर हमला करने में माहिर),के-9 वज्र(स्वचालित तोपों का राजा),पिनाका(बारूद की बारिश करने वाला सिस्टम),अर्जुन टैंक(जमीनी युद्ध का विशेषज्ञ),एंटी-सैटेलाइट मिसाइल(अंतरिक्ष में दबदबा) शामिल हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भारत रक्षा ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' की ओर बढ़ रहा है। आधुनिक हथियारों (अस्त्र-शस्त्र) का निर्माण आज भारत में होने लगा है और भारत इनका निर्यात भी करने लगा है, लेकिन हमारी सैन्य सामग्री की आवश्यकताओं के चलते अब भी अरबों रुपयों की खरीद(हथियारों/विमानों) विदेशों से करना जरूरी है। यही कारण है कि साल 2016 में फ्रांस से 60,000 करोड़ रुपयों में 36 मल्टीरोल राफेल लड़ाकू विमान खरीद लेने के नौ साल बाद अब साल 2025 में भारत ने एक नये रक्षा सौदे के अंतर्गत फ्रांस से ही 26 राफेल एम विमानों की खरीद पर 63,000 करोड़ रुपये खर्च करने का समझौता किया है। वास्तव में, भारतीय पोतों और उनके कार्मिकों की सुरक्षा तथा अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप एवं हजारों मीलों तक फैले तटीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिए भारतीय नौसेना की क्षमता में लगातार वृद्धि जरूरी है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि आज की तारीख में दुनिया के नौ देशों के पास परमाणु हथियार हैं और इन नौ देशों में रूस, अमेरिका, चीन, भारत, पाकिस्तान, फ्रांस, यूके, फ्रांस, इजराइल और उत्तर कोरिया शामिल हैं। एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपी एक खबर के अनुसार ग्लोबल फायरपावर 2025 के अनुसार, दुनिया के 145 शक्तिशाली देशों की सूची में चीन तीसरे स्थान पर है, वहीं भारत का स्थान चौथा है। यहां पर यदि हम आंकड़ों की बात करें तो भारतीय सेना के पास 4201 टैंक हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 6800 टैंक हैं। भारतीय सेना के पास 148594 आर्मर्ड व्हीकल हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 144017 आर्मर्ड व्हीकल हैं। भारतीय सेना के पास 3975 टो आर्टिलरी हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 1000 टो आर्टिलरी हैं। भारतीय सेना के पास 264 रॉकेट लॉन्चर हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 2750 रॉकेट लॉन्चर हैं। भारतीय सेना के पास 264 रॉकेट लॉन्चर हैं। वहीं, चीनी सेना के पास 2750 रॉकेट लॉन्चर हैं। भारतीय वायुसेना के पास कुल विमानों की संख्या 2229 है। वहीं, चीनी वायुसेना के कुल विमानों की संख्या 3309 है। हिंदी दैनिक लिखता है कि भारतीय वायुसेना में लड़ाकू विमानों की संख्या 513 है।

दृष्टि कोण

सरसंघचालक की पहल व जातिवादी तस्वीर

राजनीतिक उद्देश्य के निहितार्थ ही सही, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने अगड़े, पिछड़े और अंतरजातीय विवाह की शुरुआत करा कर देश में जातिवाद के दुष्चक्र को तोडऩे की दिशा में एक सकारात्मक पहल की है। देश की तरक्की और एकता-अखंडता को अक्षुण्ण रखने में समाज का जाति और उपजातियों में बंटा होना प्रमुख बाधा है। सदियों से चली आ रही जातिवाद की जड़ें इतनी गहरी हैं कि इसको समूल उखाड़ कर देश का नवनिर्माण करना किसी दुष्कर चुनौती से कम नहीं है। सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने वाराणसी में पिता बनकर 125 लड़कियों का कन्यादान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विवाह समाज निर्माण का आधार है। इस भव्य समारोह में सवर्ण, दलित और पिछड़े समाज के 125 जोड़ों का सामूहिक विवाह वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। इससे पहले भावगत और संघ परिवार कई बार हिंदुओं की एकता की दुहाई दे चुके हैं। इस एकता में सबसे बड़ी बाधा जातिवाद है। आरएसएस की समझाइश के बावजूद जातिवाद का असर कम नहीं हुआ। इसके लिए सामूहिक विवाह की शुरुआत करा कर पहल की गई। जातिवाद तोडऩे की दिशा में यह महज एक कदम है, जबकि फासला सैकड़ों मील का है। यह संभव है कि आरएसएस आगे भी इसी तरह की पहल को जारी रखे। एक-एक कदम बढ़ा कर ही शायद एक दिन बगैर जाति के राष्ट्रवाद का सपना साकार हो सके। इसमें अभी भी बाधाओं की कमी नहीं है। ऐसा नहीं है कि आरएसएस और भाजपा का इसमें कोई छिपा हुआ राजनीतिक एजेंडा नहीं है। राजनीतिक सिद्धि के बावजूद यह प्रयास सकारात्मक ही माना जाएगा। भाजपा ने केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बना कर यह साबित किया भी किया है वोट बैंक की मौजूदा जातिवाद की राजनीति के बावजूद विकास की बुनियाद पर सत्ता प्राप्त की जा सकती है। इसका बड़ा उदाहरण राज्यों में मुख्यमंत्रियों के चयन में भी देखने को मिला। इससे पहले भाजपा भी अन्य राजनीतिक दलों की तरह राज्यों में बड़े नेताओं की बंधक बनी हुई थी। इन नेताओं की उपेक्षा करके चुनाव जीतना और किसी और को मुख्यमंत्री बनाना संभव नहीं था, किंतु भाजपा ने यह भ्रम तोड़ दिया। इसके साथ जाति आधारित नेताओं के पार्टी को ब्लैकमेल किए जाने की परंपरा को भी पछाड़ दिया। हालांकि दूसरे राजनीतिक दलों में ऐसा करने का साहस अभी तक नहीं है, विपक्षी दलों में इसकी छटपटाहट जरूर नजर आती है। अंतरजातीय विवाह करने पर अक्सर जातिवाद का कहर न सिर्फ नवविवाहितों को, बल्कि उनके पूरे परिवार तक को झेलना पड़ता है। भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऑनर किलिंग आम हैं। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है। करनाल की एक सत्र अदालत ने खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पांच लोगों को पहली बार मृत्युदंड की सजा सुनाई। इसने खाप पंचायत के एक सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जिसने विवाह को अवैध घोषित कर दिया था और हत्या के समय वह मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी। सरकार ने सतर्कतापूर्ण रुख अपनाते हुए भारतीय दंड संहिता में संशोधन करने और खाप पंचायतों (जाति आधारित संविधानेतर निकाय) पर लगाम लगाने के पूर्व कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। हालांकि, इसने राज्यों से परामर्श करने और एक विशेष कानून बनाने की गुंजाइश पर विचार करने के लिए मंत्रियों के एक समूह का गठन करने का फैसला किया, जो ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई के रूप में मानेगा। प्रस्तावित ऑनर किलिंग कानून को लेकर विशेषज्ञों में मतभेद हैं। कुछ विशेषज्ञों का तर्क है कि अगर सही तरीके से लागू किया जाए तो मौजूदा कानून ऑनर किलिंग को रोकने के लिए पर्याप्त हैं, जबकि अन्य का मानना है कि ऑनर किलिंग की समस्या से निपटने के लिए अधिक सख्त और विशिष्ट प्रावधानों की आवश्यकता है।

कुछ अलग

प्रेरणा एवं प्रोत्साहन दें मां-बाप

बच्चों का पालन पोषण आज के ज़माने में कोई आसान नहीं है बल्कि उन्हें बचपन से ही सही दिशा दिखाने एवं उनके करियर संवारने के लिए माता-पिता को सजग रहना पड़ता है । एक ओर जहां उनके स्वास्थ्य एवं खान-पान पर ध्यान देना होता है वहीं उतना ही जरूरी है शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें सही मार्गदर्शन देना एवं उनकी मदद करना । यदि बचपन से ही उन्हें सही शैक्षिक मार्गदर्शन मिल जाए तो इससे उनका आत्मविश्वास ही नहीं बढ़ता है अपितु उनके सीखने की ललक और क्षमता दोनों में ही अभिवृद्धि होती है। बच्चों को घर पर शैक्षिक गाइडेंस देने के लिए पेरेंट्स को उचित एवं व्यवहारिक रणनीतियाँ अपनानी चाहिएं, जिससे पढ़ाई मज़ेदार और प्रभावी हो सके। बिना पढ़ाई लिखाई के बच्चे का वर्तमान एवं भविष्य दोनों ही चौपट हो सकते हैं इसलिए उनकी शिक्षा दीक्षा पर माता-पिता को समुचित ध्यान देना चाहिए । बच्चों की पढ़ाई का समय एवं सीमा तय करते हुए व्यावहारिक होना बहुत ज़रूरी है। केवल एक आदर्शवादी टाइम टेबल बनाने से बात नहीं बनेगी बल्कि बच्चों की आयु, क्षमता, रुचि एवं एप्टीट्यूड देखकर रणनीति बनानी चाहिए । बच्चों के गृह कार्य एवं स्वाध्याय के लिए एक नियमित टाइमटेबल बनाएं ताकि पढ़ाई की आदत बने। इसमें खेलने और आराम का भी समय अवश्य शामिल करें ताकि संतुलन बना रहे। यदि आप बच्चे से हर समय पढ़ने की अपेक्षा करेंगे एवं उन्हें हर समय 'पढ़ लो, पढ़ लो' कहेंगें बच्चों पर अनावश्यक दबाव पड़ेगा एवं पढ़ाई में उसकी अरुचि भी विकसित हो सकती है। यह भी जरूरी है कि बीच-बीच में वे क्या पढ़ रहे हैं एवं उनकी क्या समस्या है इस पर भी जरूर ध्यान दें। उनके साथ मित्रवत व्यवहार करने की कोशिश करें लेकिन इतना भी नहीं कि वह आपकी बात मानने से ही इन्कार कर दे। कहावत है कि अध्ययन एवं चिंतन मनन के लिए एकांत स्थान का होना ज़रूरी है इसलिए बेहतर हो कि घर में एक कोना ऐसा रखें जहाँ बच्चे बिना किसी डिस्टरबेंस के पढ़ सकें। यदि घर में पर्याप्त स्थान है तो उनके लिए एक अलग स्टडी रूम या स्टडी टेबल की व्यवस्था ज़रूर करें । बच्चों को इस तरह का प्रशिक्षण भी जरूर दें कि अपनी ज़रूरी स्टेशनरी, किताबें और नोट्स व्यवस्थित रखें। बच्चों को अपना बैग विद्यालय के टाइम टेबल के अनुसार लगाना ज़रूर सिखाएं अन्यथा बच्चा विद्यालय में भी काफी समय पुस्तकें ढूंढने एवं बैग को व्यवस्थित करने में ख़राब कर करेगा। एक आसान सा तरीका यह भी हो सकता है कि गृह कार्य करने के तुरंत बाद ही वह विद्यालय के अगले दिन के टाइम टेबल के अनुसार अपनी पुस्तकें एवं कॉपी तथा अन्य सामग्री बैग में व्यवस्थित कर ले। उसे यह भी प्रशिक्षण अवश्य दें कि विद्यालय में भी एक कालांश की पढ़ाई के बाद बच्चा कॉपी किताबें बैग में सबसे पीछे की ओर लगाता जाए जिससे हर बार आगे से किताबें,कॉपी एवं अन्य सामग्री आसानी से मिल जाएं। यदि यह रणनीति अपनाई जाएगी तो बच्चों को बार-बार बैग भी नहीं लगाना पड़ेगा । माता-पिता को चाहिए कि समय-समय पर कभी बच्चे से स्वयं अपना बैग चेक कराएं और कभी उसकी अनुपस्थिति में भी उसका बैग ज़रूर चेक करें ताकि उसके बैग में अनावश्यक या अवांछित वस्तुएं या कॉपी किताबें आदि अव्यवस्थित न रहें। बच्चे छोटे होते हैं इसलिए उनके लक्ष्य भी छोटे-छोटे से ही तय करें एक साथ बड़ा या दूरगामी लक्ष्य उन्हें न दें। बड़े – बड़े चैप्टर्स को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँटें।

देश दुनिया से

धर्म, जाति, असमानता का संकट एक चेतावनी

देश की आत्मा पर चोट करने वाले दृश्य आज बार-बार सामने आ रहे हैं। 'वो मजहब पूछ कर मारता है'- यह वाक्य अब कोई प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति नहीं रही, बल्कि भयावह यथार्थ बन चुकी है। एक ओर धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा बढ़ रही है, दूसरी ओर असंख्य ऐसी सामाजिक बुराइयां मौजूद हैं जो हर दिन देश के भीतर लोगों के स्वाभिमान की चुपचाप हत्या कर रही हैं। यह एक विचित्र युग है जहां हत्या करने वाला पहले यह पूछता है कि तुम किस धर्म के हो, फिर हथियार उठाता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2024 में भारत में सांप्रदायिक दंगों में 84 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष भर में 59 सांप्रदायिक घटनाएं हुईं, जिनमें 13 निर्दोष नागरिकों ने अपनी जान गंवाई। इनमें से अधिकांश घटनाएं धार्मिक त्योहारों या जुलूसों के दौरान उभरीं, जब भीड़ ने धर्म के नाम पर उन्माद का प्रदर्शन किया। इन दंगों के मुख्य केंद्र महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य रहे, जहां बार-बार धार्मिक भावनाओं को उकसाकर जनता के बीच नफरत बोई गई। भीड़ द्वारा हत्या के मामले भी चिंता का विषय बने हुए हैं। 2024 में भीड़ हिंसा के 13 मामले सामने आए, जिनमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। इन हत्याओं में बहुलांश मुसलमान समुदाय से थे। गौहत्या के आरोप, अंतरधार्मिक विवाह के संदेह या धार्मिक प्रतीकों के आधार पर लोगों को पीट-पीट कर मार दिया गया। यह न केवल मानवता का अपमान है, बल्कि संविधान की आत्मा पर सीधा हमला है। लेकिन यह सिलसिला यहीं थमता नहीं है। धर्म के अलावा भी अनेक ऐसी सामाजिक बुराइयां हैं जो प्रतिदिन लाखों लोगों के जीवन को यातना बना रही हैं। जातिगत भेदभाव आज भी भारतीय समाज के लिए कलंक बना हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 2022 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ अपराधों में 35 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी और 2024-25 में भी यह प्रवृत्ति कम होने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन औसतन 158 मामले दलित उत्पीडऩ के दर्ज किए जाते हैं। अपमान, सार्वजनिक रूप से बेइज्जती, सामाजिक बहिष्कार, शारीरिक हमले और भूमि विवादों में भेदभाव जैसी घटनाएं उन नागरिकों के जीवन को जहरीला बना रही हैं जिन्हें भारतीय संविधान ने बराबरी का दर्जा देने का वादा किया था। सिर्फ जाति नहीं, आर्थिक असमानता भी लगातार बढ़ती जा रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी के ताजातरीन आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में भारत की बेरोजगारी दर 8.1 फीसदी रही। यह आंकड़ा महज एक प्रतिशत नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के टूटे हुए सपनों का संकेत है। शिक्षित युवा बड़ी उम्मीदों के साथ डिग्रियां लेकर निकलते हैं, लेकिन उन्हें स्थायी नौकरियां नहीं मिलतीं। स्वरोजगार का प्रोत्साहन एक आकर्षक नारा बनकर रह गया है, जबकि धरातल पर रोजगार की अनुपलब्धता युवाओं में हताशा फैला रही है। बेरोजगारी न केवल आर्थिक त्रासदी है बल्कि मानसिक तनाव और सामाजिक अस्थिरता को भी जन्म देती है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 11 फीसदी वृद्धि हुई थी और यह सिलसिला 2024-25 में भी बरकरार है। बलात्कार, घरेलू हिंसा, दहेज हत्याएं, ऑनर किलिंग जैसे अपराध समाज की बर्बर मानसिकता को उजागर करते हैं। बाल विवाह, महिला भ्रूण हत्या और कार्यस्थलों पर यौन शोषण के मामले भी बड़े पैमाने पर सामने आते हैं। एक ऐसा देश जो नारीशक्ति की पूजा के आदर्शों पर गर्व करता है, वहां महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की वास्तविक स्थिति बेहद निराशाजनक है। सामाजिक तनाव की स्थिति सिर्फ धार्मिक या जातिगत आधार पर ही नहीं बनी है। क्षेत्रीय अस्मिताओं और आर्थिक असमानताओं के कारण भी विद्रोह और हिंसा हो रही है। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा 2025 तक भी पूरी तरह से शांत नहीं हो पाई है। 258 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और 60000 से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। उत्तराखंड के हल्द्वानी में अवैध मदरसे के विध्वंस के बाद हिंसा भडक़ी जिसमें 6 लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ अधिनियम संशोधन के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन हिंसक हो उठे और कई जानें गईं। इसी कड़ी में, हाल ही में अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने फिर एक बार देश को दहला दिया। इस हमले में निर्दोष तीर्थयात्रियों और सुरक्षाकर्मियों की जान गई। आतंकियों ने सुनियोजित तरीके से हमला किया, जिसका उद्देश्य न केवल जानमाल का नुकसान करना था, बल्कि देश के भीतर और अधिक धार्मिक और क्षेत्रीय तनाव फैलाना भी था। यह हमला इस बात का ज्वलंत प्रमाण है कि नफरत और हिंसा जब संगठित रूप लेती है, तो उसका परिणाम पूरे समाज को झकझोर देता है। ये घटनाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि भारतीय समाज के भीतर कितना असंतोष दबा बैठा है जो किसी भी क्षण विस्फोटक रूप ले सकता है। सामाजिक मीडिया के माध्यम से अफवाहें फैलाकर नफरत का वातावरण बनाना अब बेहद सरल हो गया है। फेक न्यूज, एडिटेड वीडियो और भ्रामक सूचनाएं मिनटों में पूरे समाज को उग्र बना देती हैं। जिम्मेदारियों से विमुख मीडिया संस्थानों और राजनीतिक दलों द्वारा भी अक्सर ऐसा माहौल तैयार किया जाता है जिसमें धर्म, जाति और क्षेत्रीयता के नाम पर जनता को बांट दिया जाता है। सत्ता की राजनीति आज भी धर्म और जाति की सीढ़ी चढक़र शिखर तक पहुंचने के खेल में लगी हुई है। भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश के लिए यह बेहद खतरनाक संकेत हैं। यदि हर छोटी असहमति को हिंसा में बदला जाएगा, यदि हर भिन्नता को दुश्मनी समझा जाएगा, यदि हर असहमति को गद्दारी कहा जाएगा, तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्रीय पहचान के आधार पर समाज को बांटने की प्रक्रिया में हम उस साझा सांस्कृतिक धरोहर को खो देंगे जो भारत को विशेष बनाती है। समाज के भीतर ऐसे भी कई समूह, संस्थाएं और व्यक्तित्व सक्रिय हैं जो इन विकृत प्रवृत्तियों का प्रतिकार कर रहे हैं। वे प्रेम, भाईचारे और सामाजिक न्याय के आदर्शों की पुनरुस्थापना में जुटे हुए हैं। लेकिन जब तक समाज का बड़ा हिस्सा मौन रहेगा, तब तक नफरत का विष फैलता रहेगा। यह समय है कि हर नागरिक स्वयं से सवाल करे कि वह किस भारत का सपना देखता है।

आप का नजरिया

जांच की महान परंपरा...

प्रजा ने राजा के दरब-ार में पहुंचकर गुहार लगाते हुए कहा, 'महाराज! यह बड़ा गंभीर मामला है। व्यवस्था के उत्पीडऩ से एक इंजीनियर ने सुसाइड कर लिया। अब तो सबूत सामने हैं। अफसरों की चुप्पी भी बहुत कुछ कह रही है। दोषियों को सजा जरूरी है और इसके लिए सीबीआई से जांच होनी चाहिए।' राजा मुस्कुराए, वह मुस्कुराहट जो चुनावी वादों के वक्त दिखाई देती है और घोषणा करने के बाद गायब हो जाती है, 'काहे की जांच? हमारी एजेंसियां बहुत बढिया काम कर रही हैं। हमारी एजेंसियां चाहें तो चाय में पड़ी मक्खी का डीएनए निकाल सकती हैं और विपक्ष की नींदों का भी हिसाब रख सकती हैं।' प्रजा ने कहा, 'लेकिन महाराज! आपकी एजेंसियों पर तो जनता को भरोसा नहीं रहा। वह तो कहते हैं जो आप कहें, वही रिपोर्ट बना देते हैं।' राजा बोले, 'देखो प्रजा! अपनी एजेंसियां जो जांच कर रही हैं, उनकी जांच से पूरी तरह संतुष्ट हूं।' प्रजा बोली, 'लेकिन हम तो संतुष्ट नहीं हैं।' राजा बोले, 'प्रजा आप बहुत भोली हो। विपक्ष ने आपको उकसा कर गुमराह कर दिया है। आप भावनाओं में बह रही हो, लेकिन हम राजा लोग अनुभव में पके हुए हैं। हमें अच्छी तरह पता है कि जांच किससे करानी है और किससे नहीं। हमारी एजेंसियां वो हैं जो न सिर्फ जांच करती हैं, बल्कि जरूरत पडऩे पर विरोधियों की डिबरी भी टाइट कर देती हैं।' राजा ने समझाया, 'अगर हमने जांच सीबीआई को सौंप दी तो प्रदेश की फजीहत हो जाएगी। इससे हमारी एजेंसियों का मनोबल टूटेगा। और वैसे भी, जब हमें किसी राजनीतिक विरोधी को रगड़ा देना हो, तो हम अपनी एजेंसी भेजते हैं। वो दिन-रात जांच करती रहती हैं और विरोधी सवालों के जवाब देते-देते थक जाते हैं। हमारी एजेंसियां अपने आप में एक संपूर्ण यंत्र हैं (सत्ता रक्षक भी और सत्ता भक्षक भी, पर विपक्ष के लिए)।' राजा बोले, 'हमारी एजेंसियों का एक विशेष प्रशिक्षण होता है। जांच शुरू करने से पहले वे 'कौन अपना, कौन पराया' की पहचान करना सीखती हैं। फिर उसी अनुसार स्पीड तय करती हैं। अगर आरोपी विपक्ष का है तो फाइलें धड़ाधड़ खुलती हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस होती हैं और हर रोज नया खुलासा होता है। लेकिन अगर सत्ता पक्ष का हो तो एजेंसी फाइल को नींबू-मिर्च लगाकर थाने के ऊपर लटका देती है कि नजर न लगे। उनकी नजरें रिपोर्ट से ज्यादा इशारों को पढऩे में माहिर हैं। सीसीटीवी से पहले वो सत्ता की सीटी पर ध्यान देती हैं। उनके ऑफिस में संविधान की किताब अलमारी में ऊपर की शेल्फ में धूल खा रही होती है, और राजा का फोटो ठीक सामने टंगा होता है- हर सवाल का उत्तर।' 'लेकिन हजूर जांच सीबीआई एजेंसी से होनी चाहिए। इससे दूध का दूध पानी का पानी होगा।' पब्लिक में से एक व्यक्ति बोला। राजा ने गर्व से कहा- 'हमारी एजेंसियां निष्पक्ष नहीं हैं। वे निश्चल हैं, क्योंकि उन्हें कभी सत्ता की 'ना' सुनाई ही नहीं देती। वे इतना खामोशी से काम करती हैं कि कब किसी की गरदन फंस गई, खुद उसको भी पता नहीं चलता। हमारी एजेंसियां सबसे पहले यह देखती हैं कि आरोपी किस पार्टी का है।

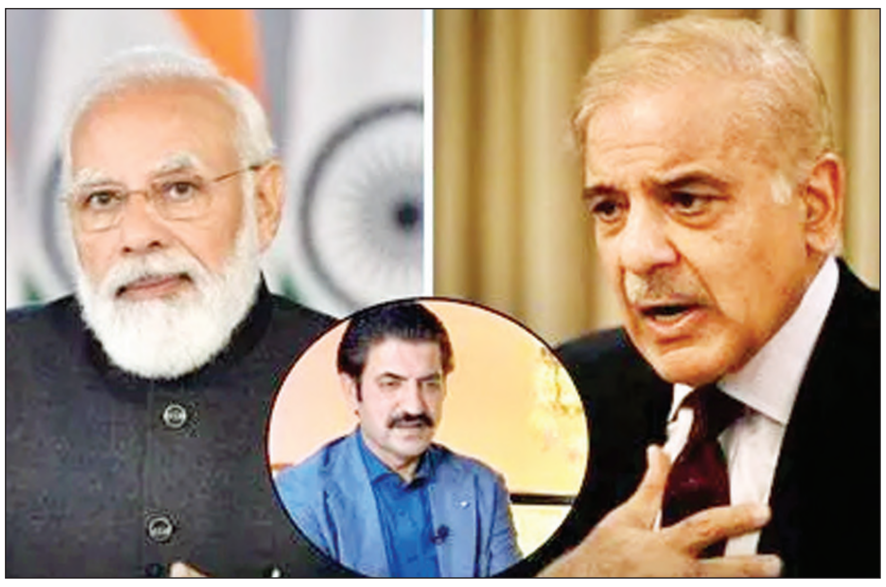

पाक सांसद बोले–पीएम मोदी मेरी खाला के बेटे नहीं, जो मेरा कहना मान जाएंगे

इस्लामाबाद,04 मई (एजेंसियां)।

भारत की ताकत और युद्ध की तैयारियों को देखकर पाकिस्तान डरा हुआ है और वहां के नेता भागने की फिराक में हैं। पाकिस्तानी सांसद शेर अफजल खान मारवत ने साफ कह दिया कि हम तो इंग्लैंड चले जाएंगे। जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तानी सरकार पीएम नरेंद्र मोदी से बात करके रास्ता निकाल ले। इस पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी मेरी खाला के बेटे नहीं हैं जो हमारे कहने पर शांत हो जाएंगे। बता दें कि भारत ने हाल ही में पाकिस्तान से होने वाले सभी आयात पर प्रतिबंध, पाकिस्तान के स्वामित्व वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों पर डॉकिंग पर रोक और देश में पाकिस्तानी डाक और पार्सलों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आशंकाएं गहराती जा रही हैं। इस बीच पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के सदस्य शेर अफजल खान मारवत के एक बयान ने सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा कर दिया है। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि यदि भारत–पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ जाए तो वे क्या करेंगे। मारवत ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, अगर युद्ध बढ़ा तो मैं इंग्लैंड चला जाऊंगा।यह बयान कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने पाकिस्तान की राजनीति पर तंज कसते हुए कहा कि जब नेताओं को अपनी सेना पर भरोसा नहीं है, तो आम जनता क्या उम्मीद करे

एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तनाव कम करने के लिए संयम बरतना चाहिए तो मारवत ने व्यंग्यपूर्ण अंदाज़ में कहा, मोदी क्या मेरा खाला का बेटा है जो मेरे कहने से पीछे हट जाएगाशेर अफजल खान मारवत पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ़ से जुड़े रहे हैं, लेकिन हाल के समय में उन्होंने पार्टी और नेतृत्व की आलोचना की। इससे नाराज होकर इमरान खान ने उन्हें पार्टी के कई अहम पदों से हटा दिया था। बता दें कि शनिवार रात पाकिस्तान की सेना ने जम्मू–कश्मीर के कई क्षेत्रों जिनमें कुपवाड़ा, बारामुला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर शामिल हैं, में छोटे हथियारों से फायरिंग कर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। यह लगातार दसवीं रात है जब सीमा पर पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की गई।

न्यूज ब्रीफ

एफबीआई डायरेक्टर ऑफिस में कम नाइटक्लबों में ज्यादा बिता रहे समय

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रतिष्ठित जांच एजेंसी एफबीआई पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। खासतौर से भारतीय मूल के एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल सुर्खियों में हैं। उन पर आरोप है कि वे अपने ऑफिस के बजाय नाइटक्लबों में ज्यादा समय बिता रहे हैं। दावा एफबीआई के पूर्व सहायक निदेशक और खुफिया मामलों के विशेषज्ञ फ्रैंक फिग्लियुज्जी ने किया है। फ्रैंक ने कहा कि एफबीआई मुख्यालय के अंदर इस समय माहौल पूरी तरह 'अराजक' है। एफबीआई के पूर्व सहायक निदेशक ने काश पटेल पर लगाए गंभीर आरोप भारतीय मूल के काश पटेल को फरवरी 2025 में एफबीआई का निदेशक बनाया गया था। यह पद बहुत अहम होता है, क्योंकि एफबीआई अमेरिका की सबसे बड़ी जांच एजेंसी है, लेकिन हाल ही में फ्रैंक ने दावा किया कि काश पटेल अपने ऑफिस में कम और नाइटक्लबों में ज्यादा समय बिताते हैं। उन्होंने कहा कि काश पटेल को वाशिंगटन डीसी में एफबीआई मुख्यालय की सातवीं मंजिल पर कम ही देखा जाता है। इसके अलावा, यह भी बताया गया कि काश पटेल अक्सर लास वेगास में अपने घर से काम करते हैं और वहां से ही कई बार ऑफिस का काम संभालते हैं। अब काश पटेल को दी जाने वाली ब्रीफिंग्स की संख्या घटाकर सप्ताह में सिर्फ दो बार कर दी गई है। रिपोर्टों के मुताबिक काश पटेल पिछले कुछ हफ्तों से वाशिंगटन डीसी में कम और अपने लास वेगास स्थित घर में समय बिता रहे हैं। कुछ खबरों में यह भी कहा गया कि वे सरकारी विमानों का इस्तेमाल निजी यात्राओं के लिए कर रहे हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने बदले सुर, कहा युद्ध हुआ तो किसी के पक्ष में नहीं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि यदि दक्षिण एशिया में दो देशों के बीच में युद्ध हुआ तो नेपाल किसी भी एक देश का पक्ष नहीं लेगा। नेपाल किसी एक देश के लिए दूसरे देश से दुश्मनी नहीं कर सकता। रविवार की सुबह अपनी पार्टी की संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि नेपाल हमेशा ही शांति के पक्ष में रहा है और आगे भी रहेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव के बीच नेपाल के प्रधानमंत्री की यह अभिव्यक्ति चिंताजनक है। भारत–पाकिस्तान को बातचीत के जरिए समाधान तलाशने की दी नसीहत उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में युद्ध का माहौल बन रहा है। ऐसे में नेपाल न किसी देश के पक्ष में रहने वाला है और न ही किसी देश के खिलाफ रहने वाला है। नेपाल असंलग्न विदेश नीति का समर्थन करता है, इसलिए युद्ध की अवस्था में वो किसी भी सैन्य गठबंधन का समर्थन नहीं कर सकता है।

प्रजनन क्षमता पर गंभीर असर डाल रही विटामिन डी की कमी

वॉशिंगटन। यूएस स्थित नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एनसीबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार, विटामिन डी को केवल हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि प्रजनन स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए भी जरूरी माना गया है। इस विटामिन की कमी महिलाओं में ओवुलेशन को प्रभावित करती है, जिससे प्रेग्नेंसी कंसीव करना मुश्किल हो सकता है। शोध में पाया गया है कि विटामिन डी का स्तर महिला के एग की गुणवत्ता और ओवुलेशन की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। यही नहीं, इसकी कमी से एंडोमेट्रियोसिस और पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं, जो फर्टिलिटी को और बिगाड़ देती हैं। पुरुषों के लिए भी विटामिन डी उतना ही जरूरी है। एक अध्ययन में सामने आया कि जिन पुरुषों में इस विटामिन की कमी थी, उनमें स्पर्म काउंट और स्पर्म मोटिलिटी यानी गतिशीलता काफी कम थी। यह सीधे तौर पर टेस्टोस्टेरोन हार्मोन को भी प्रभावित करता है, जो यौन क्षमता और फर्टिलिटी दोनों के लिए अहम होता है। जब टेस्टोस्टेरोन का स्तर गिरता है, तो इससे पुरुषों की प्रजनन शक्ति पर बुरा असर पड़ता है। विटामिन डी भ्रूण के विकास में भी अहम भूमिका निभाता है, इसलिए इसकी कमी को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

सिंगापुर आम चुनाव 2025 : पीएम लॉरेंस वोंग की पीएपी को मिला दो–तिहाई बहुमत

सिंगापुर में सत्तारूढ़ पार्टी को बहुमत, सत्ता में छह दशक का विस्तार

सिंगापुर,04 मई (एजेंसियां)।

सिंगापुर में हुए आम चुनावों में सत्तारूढ़ पीपल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने एक बार फिर भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज की है, जिससे उसका छह दशकों से चला आ रहा सत्ता का सिलसिला और मजबूत हुआ है। यह चुनाव प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के नेतृत्व में पार्टी का पहला चुनाव था, जिन्होंने मई 2024 में ली सीन लूंग के स्थान पर पदभार संभाला था। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के नेतृत्व वाली पीपल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने शनिवार को चुनाव में शानदार जीत दर्ज करते हुए दो–तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया है। पीएपी ने 97 में से 87 सीटों पर जीत हासिल की, जिसमें से 5 सीटें बिना विरोध के जीती गईं। जबकि मुख्य विपक्षी दल वर्कर्स पार्टी (डब्ल्यूपी) ने अपनी 10 सीटों को बरकरार रखा। यह परिणाम 2020 के चुनावों से बेहतर है, जब पीएपी ने 83 सीटें जीती थीं। पीएपी की यह ऐतिहासिक जीत देश की स्थिरता और राजनीतिक भरोसे को दर्शाती है, जहां पार्टी आजादी के बाद से सत्ता में बनी हुई है। इस चुनाव में कुल 2.6 मिलियन (26 लाख) नागरिकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिनमें 65.57 प्रतिशत मत पीएपी के खाते में गए। चुनाव परिणाम आने के बाद, प्रधानमंत्री वोंग ने मार्सिलिंग–यू टी जीआरसी सीट से मिली जीत को अपने लिए एक विनम्र अनुभव बताया। उन्होंने देशवासियों के विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, हम आपके मजबूत जनादेश के लिए कृतज्ञ हैं। हम इस विश्वास को निभाने के लिए और भी अधिक मेहनत करेंगे।

52 वर्षीय वोंग ने ऐसे समय पर यह चुनाव लड़ा जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अमेरिकी व्यापार प्रतिबंधों की वजह से दबाव में है। उन्होंने इस चुनौतीपूर्ण वातावरण में देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने का भरोसा दिया। वोंग ने युवा मतदाताओं को जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया का प्रभावी इस्तेमाल किया। चुनाव में उनके नेतृत्व को व्यापक जनसमर्थन मिला, जिससे पीएपी की मजबूत पकड़ एक बार फिर सिद्ध हुई है।

भारत से डरे पाकिस्तान ने अब लगाई तुर्कियों के सामने गुहार

इस्लामाबाद। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा दिखाए जा रहे कड़े रुख से पाकिस्तान खासा भयभीत है। अंतर्राष्ट्रीय जगत से लगातार गुहार लगा रहा है। अब पाकिस्तान ने तुर्किये के सामने घड़ियाली आंसू बहाते हुए मदद की गुहार लगाई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने शनिवार की देर रात इस्लामाबाद में तुर्किये के राजदूत डा. इरफान नेजिरोग्लू से बात कीं। सफाई देते हुए कहा कि पहलगाम हमले में पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं हैं। साथ ही प्रस्ताव रखा कि वह इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय देशों की टीम से जांच को तैयार हैं। इस जांच टीम में तुर्किये भी शामिल हो और पाकिस्तान को न्याय दिलाए। पाकिस्तान अखबार डान के मुताबिक तुर्किये के राजदूत से बात कर पाकिस्तान ने अपना पक्ष उनके सामने रखा है।गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने एक ओर सेना को कार्रवाई की कड़ी छूट दे दी है, वहीं सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया है। इसके अलावा भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानियों को निकाल बाहर किया है। सभी व्यापारिक गतिविधियों के साथ ही डाक सेवा और हवाई उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिय गया है। इसके चलते पाकिस्तान में कोहराम मच गया है।

पहलगाम पर पाकिस्तान बोला-निष्पक्ष जांच हो, यूएनएससी में भी मामला उठाने की हो रही बात

इस्लामाबाद,04 मई (एजेंसियां)।

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। हमले में दो दर्जन से ज्यादा लोगों की जान जाने के बाद भारत के कड़े रुख के संकेत मिले, जिससे पाकिस्तान में भी राजनीतिक और सैन्य हलचल मची हुई है। भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई के बीच पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मामले को ले जाने और सहानुभूति जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा था, कि वह सुरक्षा परिषद में इस मामले को उठाने का अधिकार रखता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर नजर रखे हुए है और यदि जरूरी हुआ तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने का अधिकार उसके पास सुरक्षित है। यह बात असीम ने एक संवाददाता सम्मेलन में कही थी और बताया था कि यह स्पष्ट है कि पहलगाम में एक गंभीर घटना घटी है, लेकिन अब जो स्थिति बनी है, वह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा बन सकती है। परिषद के किसी भी सदस्य के लिए इस विषय पर चर्चा की मांग करना पूरी तरह से उचित होगा। इसके साथ ही पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले की किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी लेने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ भारत में सुरक्षा एजेंसियों को इस हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के संलिप्त होने के स्पष्ट संकेत मिले हैं। ऐसे में पाकिस्तान द्वारा तीसरे पक्ष से 'निष्पक्ष जांच' की मांग को भारत छलावा मान सकता है। गौरतलब है कि पाकिस्तान जुलाई 2025 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा। ऐसे में वह इस मंच का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने और भारत पर दबाव बनाने के लिए करना चाहता है। इस बीच, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस पुराने बयान को लेकर भी सवाल उठे हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान तीन दशक तक अमेरिका और पश्चिम के लिए गंदा काम करता रहा है।

पाकिस्तान ने भारत को फिर दी परमाणु हमले की गीदड़ भभकी

मास्को

पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत को परमाणु हमले की गीदड़ भभकी दी है। रूस में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने कहा कि यदि भारत हमला करता है तो उनका देश परमाणु हमला करेगा। रसिया टीवी के मुताबिक पाकिस्तान के राजदूत ने दावा किया है कि भारत जल्द ही उनके देश के कुछ हिस्सों पर हमला कर सकता है। ऐसे में पाकिस्तान मूकदर्शक नहीं रहेगा। पाकिस्तान भी पूरी ताकत के साथ इसका मुकाबला करेगा। जरूरत पड़ने पर परमाणु हमले का भी विकल्प खुला है। गौरतलब है कि इससे पहले पाकिस्तान के रेल मंत्री हनीफ अब्बासी भी भारत पर परमाणु हमले की धमकी दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि शाहीन, गौरी और गजनवी जैसी मिसाइलें चौराहों पर सजाने के लिए नहीं रखी हैं। यह सभी भारत के लिए ही हैं।

पोप बनने की ख्वाहिश के बीच ट्रंप का बन गया तमाशा, सोशल मीडिया पर हंगामा

वाशिंगटन,04 मई (एजेंसियां)।

डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक एआई–जनरेटेड तस्वीर साझा की जिसमें वह पोप की वेशभूषा में नजर आ रहे हैं। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि उनके गले में क्रॉस लटका हुआ है और सिर पर सफेद टोपी लगी हुई है। इस तरह ट्रंप पूरी पोप जैसी पोशाक में नजर आए हैं।

खास बात यह है कि एआई–जनरेटेड यह फोटो व्हाइट हाउस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से भी साझा की गई, जिससे विवाद और बढ़ गया। यह तस्वीर तब सामने आई जब पोप फ्रांसिस के निधन को कुछ ही दिन हुए थे (22 अप्रैल को, 88 वर्ष की उम्र में)। 26 अप्रैल को ट्रंप उनके अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे। लेकिन इसके बाद उनका यह कदम राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता पर सवाल उठा रहा है।

इस विवाद के पीछे की पृष्ठभूमि यह है कि एक पत्रकार को जवाब देते हुए ट्रंप ने कुछ दिन पहले मजाक में कहा था– कि मैं अगला पोप बनना पसंद करूंगा। इस टिप्पणी को पहले हल्के हास्य के रूप में देखा गया था, लेकिन अब एआई–फोटो के साथ यह बयान अहंकार और असंवेदनशीलता के रूप में देखा जा रहा है।

सोशल मीडिया पर आ रहीं प्रतिक्रियाएं

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस फोटो को लेकर कई नकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। एक यूजर ने लिखा, यह चर्च और खुद भगवान का अपमान है। ट्रंप शैतान हैं। वहीं एक अन्य यूजर लिखता है, यह बेहद आत्ममुग्ध और असम्मानजनक है. रिपब्लिकन ऐसे व्यक्ति को वोट देते हैं हास्य–व्यंग्य वाली प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। इसमें कुछ हंसने–हसाने वाले मीम्स वायरल हुए हैं। कुछ समर्थकों ने इसे राजनीतिक व्यंग्य और सत्ता की महत्वाकांक्षा के प्रतीक के रूप में देखा है।

रूस की विक्ट्री परेड में शामिल होने वाले मेहमानों को हो सकता है खतराः जेलेंस्की

कीव,04 मई (एजेंसियां)।

रूस में नौ मई को होने जा रही 80वीं विक्ट्री परेड में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए जान का खतरा हो सकता है। इस तरह की धमकी यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने दी है। उन्होंन रूस द्वारा तीन दिवसीय सीज फायर के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया है।

आरबीसी न्यूज पोर्टल के मुताबिक जेलेंस्की ने साफ तौर पर चेतावनी भी दी है कि रूस की विक्ट्री परेड में आने वाले मेहमानों की सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं। विक्ट्री परेड के दौरान यदि कुछ हुआ तो उसकी जिम्मेदारी हमारी नहीं होगी। पुतिन द्वारा नाजी जर्मनी के ऊपर जीत के उपलक्ष में तीन दिन का युद्ध विराम का प्रस्ताव देना एक मजाक भर है। यह प्रस्ताव रूस द्वारा एक धोखा देने के सिवाय कुछ भी नहीं हैं।

गौरतलब है कि दूसरे विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर अपने जीत के 80 साल पूरे होने पर रूस द्वारा विक्ट्री परेड का आयोजन किया जा रहा है।

इसका मुख्य कार्यक्रम मास्को रेड स्क्वायर पर होगा। इस आयोजन को देखते हुए रूस द्वारा तीन दिन के सीज फायर का प्रस्ताव बीते दिन दिया गया था। उधर इस परेड में शामिल होने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी न्यौता मिला है, लेकिन वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। उसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जाने की बात आई थी, लेकिन वह भी इसमें भाग नहीं लेंगे।

अलौकिक खूबसूरती की वजह से चर्चा में चाइनीज लड़की

बीजिंग। चीन की 20 वर्षीय लड़की अपनी अलौकिक खूबसूरती की वजह से चर्चा में है। सिचुआन प्रांत की रहने वाली इस लड़की का नाम शेन्यु है। हाल ही में एक इवेंट में वह जब वेडिंग ड्रेस पहनकर पहुंची तो लोगों की नजरें उस पर थम गईं। वह स्कूल ऑफ स्पेशल एजुकेशन आर्ट की एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स में पढ़ाई कर रही है। सोशल मीडिया पर जैसे ही उसकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए, लोग हैरान रह गए। उसकी खूबसूरती को देखकर बहुत से लोगों ने यह तक कह दिया कि यह कोई असली इंसान नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार की गई तस्वीर है। शेन्यु के चेहरे की चमक, त्वचा की नर्मी, बालों की लंबाई और आंखों की गहराई को देखकर कई यूजर्स को विश्वास ही नहीं हुआ कि ऐसा लुक किसी असली लड़की का हो सकता है। देखते ही देखते यह वीडियो वायरल हो गया और इसे 3 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग उसकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठा रहे हैं कि क्या ये तस्वीरें असली हैं या फिर एआई की देन इस वायरल होते वीडियो के बीच शेन्यु की असली कहानी ने लोगों को भावुक कर दिया। दरअसल, वह न सुन सकती है और न ही बोल सकती है। वह दो साल की उम्र से ही श्रवण बाधित है और इसी वजह से एक विशेष स्कूल में पढ़ाई कर रही है। उसने बताया कि लोग उसकी तस्वीरों को देखकर उसे नकली समझ रहे हैं जबकि उसने सिर्फ कुछ कॉस्मेटिक बदलाव कराए हैं। उसने साफ किया कि उसने कोई प्लास्टिक सर्जरी नहीं कराई है। उसने केवल डबल आईलिड सर्जरी, राइनोप्लास्टी, चीक फिलर्स और हेयर ट्रांसप्लांट जैसे कॉस्मेटिक प्रोसीजर अपनाए हैं। लेकिन उसकी मूल संरचना पूरी तरह प्राकृतिक है।

कोलकाता ने राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हराया

कोलकाता, 04 मई (एजेंसियां)।
केकेआर ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और आंद्रे रसेल की तूफानी पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 206 रन बनाए। जवाब में राजस्थान के लिए कप्तान रियान पराग ने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 205 रन ही बना सकी। यह केकेआर की आईपीएल में सबसे कम अंतर से जीत है। वहीं, 2019 से कोलकाता ने पहली बार राजस्थान को अपने घरेलू मैदान ईडेन गार्डेंस पर हराया है। 2008 से 2018 से केकेआर ने राजस्थान को अपने घरेलू मैदान पर छह मैच जीते, जबकि एक गंवाया। वहीं, 2019 से राजस्थान ने केकेआर को ईडेन गार्डेंस पर लगातार तीन बार हराया था, लेकिन इस सीजन कोलकाता यह तिलिस्म तोड़ने में सफल रही। गत चैंपियन केकेआर की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी कायम हैं। केकेआर के

11 मैचों में पांच जीत, पांच हार और एक बेनतीजा के साथ 11 अंक हैं और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर है। दूसरी ओर, पहले ही अंतिम चार की दौड़ से बाहर हो चुकी राजस्थान की टीम आठवें स्थान पर है। राजस्थान ने 12 मैचों में तीन में जीत दर्ज की और उसे नौ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 71 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए। इसके बाद रियान पराग ने शिमरॉन हेटमायर के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की और टीम को मुश्किल से उबारा। रियान ने इस दौरान मोईन अली के ओवर पर लगातार पांच छक्के लगाए। इस साझेदारी को हर्षित राणा ने हेटमायर को आउट कर तोड़ा जो 29 रन बनाकर आउट हुए। इसके कुछ देर बाद हर्षित ने रियान को भी अपना शिकार बनाया। रियान शतक पूरा नहीं कर सके और 95 रन बनाकर पवेलियन लौटे। राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 22 रन चाहिए थे और क्रीज पर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे शुभम दुबे और जोफ्रा आर्चर मौजूद थे।

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने वैभव अरोड़ा को गेंद थमाई। आर्चर ने पहली गेंद पर दो रन और दूसरी गेंद पर एक रन लिया। स्ट्राइक पर आए शुभम ने तीसरी गेंद पर छक्का और चौथी गेंद पर चौका लगाया। इसके बाद पांचवीं गेंद पर छक्का लगाया। अब राजस्थान को एक गेंद पर तीन रन चाहिए थे। वैभव की गेंद पर शुभम ने एक रन चुराया और दूसरा रन लेने के लिए भागे, लेकिन रिंकू सिंह के थ्रो पर रन आउट हो गए। इस तरह केकेआर ने रोमांचक जीत दर्ज की। राजस्थान के लिए यशस्वी जायसवाल ने 34 रन बनाए, जबकि शुभम दुबे 14 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद लौटे।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब किंग्स ने चोटिल मैक्सवेल की जगह मिच ओवेन को चुना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का रोमांच जारी है। इस बीच पंजाब किंग्स ने अपने साथ एक नए खिलाड़ी को जोड़ा है। फ्रेंचाइजी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी मिच ओवेन को अपने स्क्वाड में शामिल किया है। ओवेन को चोटिल ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया है। आईपीएल की ओर से रविवार को दिए गए बयान के अनुसार पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने ग्लेन मैक्सवेल की जगह ऑलराउंडर मिच ओवेन को चुना है, मैक्सवेल उंगली में चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। मिच ओवेन 3 करोड़ रुपये में पीबीकेएस में शामिल होंगे। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया के मिच ओवेन ने 34 टी20 मैच खेले हैं और 646 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 108 का उच्चतम स्कोर शामिल है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर के नाम 10 टी20 विकेट भी हैं। किंग्स अभी आईपीएल 2025 की अंक तालिका में 10 मैचों में 6 जीत के साथ चौथे स्थान पर है। पंजाब का रात लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला है।

जडेजा ने लगाया सत्र का सबसे लंबा छक्का

बेंगलुरु। आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 77 रनों की शानदार पारी खेली। जडेजा हालांकि इस पारी के बाद भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये पर इस पारी के दौरान उन्होंने सत्र का सबसे लंबा छक्का लगाने का रिकार्ड अपने नाम किया। जडेजा ने 45 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के लगाए। इनमें से एक छक्का तो 109 मीटर लंबा था, जो अभी तक इस सत्र का सबसे लंबा छक्का है। जडेजा ने इस प्रकार सत्र में सबसे लंबा छक्का जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन को पछाड़ा है जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 107 मीटर लंबा छक्का लगाया था। जडेजा ने यह छक्का 17वें ओवर की पांचवीं गेंद पर लुंगी एनगिडी को लगाया था। सबसे लंबा छक्का जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची- रवींद्र जडेजा 109 मीटर, हेनरिक क्लासेन 107 मीटर, आंद्रे रसेल 106 मीटर , अभिषेक शर्मा 106 मीटर , फिल सॉल्ट 105 मीटर , ट्रैविस हेड 105 मीटर।

खलील के नाम दर्ज हुआ एक शर्मनाक रिकार्ड

बेंगलुरु। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाज खलील अहमद यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में विफल रहे। उनके एक ही ओवर में 33 रन बने। यह इस आईपीएल सत्र का सबसे महंगा ओवर बना है। वहीं टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरा सबसे महंगा ओवर भी रहा। आरसीबी की पारी के 19वें ओवर में शेफर्ड के खिलाफ खलील को गेंद दी गयी। शेफर्ड ने इस ओवर में चार छक्के और दो चौके लगाकर खलील को जमकर पीटा। इस ओवर में खलील ने एक नो-बॉल भी फेंकी इस ओवर में खलील ने 33 रन दिये। इस प्रकार किंग्स इलेवन के एक खिलाड़ी पारविंदर अवाना के एक रिकॉर्ड की उन्होंने बराबरी की, अवाना किंग्स इलेवन की ओर से चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक ओवर में इतने ही रन दिए थे। खलील का ओवर आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से तीसरा सबसे महंगा ओवर साबित हुआ। वहीं आईपीएल में सबसे महंगे ओवर का रिकॉर्ड पी. परमेश्वरन के नाम है, जिन्होंने कोच्चि टस्कर्स केरल के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 37 रन बनाये थे। खलील शेफर्ड ने खलील की गेंद पर डीप मिडविकेट पर एक छक्का जड़ा, फिर लॉन्ग-ऑन पर एक विशाल हिट लगाई, और फिर एक धीमी गेंद को शॉर्ट थर्ड पर उड़ाया। यही नहीं, उन्होंने एक फुल गेंद को लॉन्ग-ऑन पर मारा, एक नो-बॉल पर शॉट को डीप एक्स्ट्रा कवर पर उड़ाया, और ओवर को शॉर्ट फाइन-लेग पर एक शॉट के साथ खत्म किया।

पंजाब ने लखनऊ को आसानी से रौंदा

बैटिंग में प्रभसिमरन तो बॉलिंग में अर्शदीप चमके

धर्मशाला, 04 मई (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स को एक बार फिर हरा दिया है। इकाना स्टेडियम में हुए मुकाबले को अपने नाम करने वाली पंजाब ने हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर 37 रनों से जीत हासिल की। पहले बैटिंग करते हुए श्रेयस अय्यर की टीम ने 5 विकेट पर 236 रन बनाए।

जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पावरप्ले में टॉप-3 बल्लेबाजों को विकेट खो दिए। अंत में टीम 199 रन ही बना सकी। पंजाब की यह 11 मैच में 7वीं जीत है और 15 पॉइंट के साथ टीम टेबल में दूसरे स्थान पर आ गई है। वहीं लखनऊ की 11 मैच में छठी हार है।

पंजाब किंग्स के युवा सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 91 रनों की पारी खेली। इस छोटे कद के बल्लेबाज ने शानदार शॉट्स लगाते हुए 48 गेंद की पारी में छह चौके और सात छक्के जड़े। उनके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने 45 रन और जोश इंग्लिस ने 30 रन का योगदान दिया। पंजाब के विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन आईपीएल में अपना दूसरा शतक बनाने से नौ रन से चूक गए जब दिग्वेश राठी की गेंद पर स्विच हिट ने उन्हें पवेलियन लौटा दिया।अंत में शशांक सिंह ने 15 गेंद में नाबाद 33 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया। पंजाब किंग्स की पारी में 16 छक्के जड़े थे जिसमें से 13 तेज गेंदबाजों पर लगे। मयंक यादव पर आधा दर्जन छक्के जड़े जिन्होंने अपने चार ओवर में 60 रन लुटाए। एलए-सजी के लिए आकाश सिंह और दिग्वेश राठी ने दो दो विकेट हासिल किए। प्रिंस यादव को एक विकेट मिला।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलएसजी का शीर्ष क्रम विफल रहा जिसमें अर्शदीप (16 रन देकर तीन विकेट) की भूमिका अहम रही जिन्होंने पावरप्ले में तीन विकेट झटके। आयुष बदोनी (74 रन, 40 गेंद, पांच चौके, पांच छक्के) और अब्दुल समद (45 रन, 24 गेंद, दो चौके, चार छक्के) ने छठे विकेट के लिए 81 रन की भागीदारी निभाकर टीम को उबारने की कोशिश की। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और 20 ओवर में सात विकेट पर 199 रन ही बना सकी।

बदोनी ने अकेले दम पर मोर्चा संभाले रखा, लेकिन अंतिम ओवर में युजवेंद्र चहल (50 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर आउट हुए और उन्होंने सुनिश्चित किया कि टीम का नेट रन रेट ज्यादा प्रभावित नहीं हो। पंजाब किंग्स को अर्शदीप ने शानदार शुरुआत कराई जिन्होंने तीसरे ही ओवर में मिचेल मार्श और ऐडन मारक्रम को आउट कर एलएसजी को दो झटके दे दिए। मार्श खाता भी नहीं खोल सके और डीप स्क्वायर लेग पर वढेरा के हाथों कैच आउट हुए।

निकोलस पूरन (06) को भी अर्शदीप ने अपना शिकार बनाया जो पगबाधा आउट हुए। इस तरह पावरप्ले में टीम ने तीन विकेट गंवा दिए थे।

कप्तान ऋषभ पंत (18 रन) ने 17 गेंद की पारी के दौरान दो चौके और एक छक्का लगाया। लेकिन अजमतुल्लाह उमरजई (33 रन देकर दो विकेट) की धीमी गति की गुड लेंथ गेंद पर शॉट लगाने की कोशिश में पंत डीप प्वाइंट पर शशांक सिंह को कैच दे बैठे और इस दौरान उनका बल्ला भी छूट गया। डेविड मिलर (11 रन) उमरजई का दूसरा विकेट रहे जिनका कैच भी शशांक ने ही लपका।

अब सोशल मीडिया के जरिये अपने को पेश कर रहे युवा क्रिकेटर : कुंबले

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच अनिल कुंबले ने कहा है कि आजकल सोशल मीडिया के जरिये हर खिलाड़ी अपने को बाजार में पेश कर ब्रांड बनना चाहता है। दिग्गज स्पिनर रहे कुंबले के कहा, क्रिकेट में जो भी बदलाव आए हैं, उनमें से ज्यादातर प्रसारण मामलों से जुड़े हैं। पहले खिलाड़ी इनका उपयोग नहीं करते थे पर अब जमाना बदल गया है। जिससे इनका अधिक से अधिक अपयोग हो रहा है।

उन्होंने कहा कि साल 2008 में आईपीएल की शुरुआत से लेकर अभी तक कई प्रकार के बदलाव आये हैं। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया के कारण ये परिवर्तन आये हैं। आजकल सभी लोगों का जोर सोशल मीडिया के जरिये अपने को पेश करने पर रहता है। जीवन में क्या चल रहा सभी उसके बारे में जानकारी दे रहे हैं। इसलिए किसी को भी कैमरों का सामना करने में परेशानी नहीं है। वहीं हमारे समय में ड्रेसिंग रूम में कैमरा ले जाना भी संभव नहीं था। अब जश्न के लिए भी ड्रेसिंग रूम में कैमरा ले जाने के लिए इजाजत देनी पड़ती थी। उसपर भी अनुमति नहीं मिलती थी।

सूर्यकुमार ने आयुष को भविष्य का सितारा बताया

बेंगलुरु। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे अपनी आक्रामक पारी से सबके आकर्षण का केन्द्र बने हैं। आयुष ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए 94 रन बनाये हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। आयुष की इसी पारी की भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जमकर प्रशंसा की है। सूर्यकुमार ने कहा है कि आयुष भविष्य के सितारे हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, निश्चित इरादे, बहादुरी और जोश से भरी पारी! भविष्य यहीं है, यह नाम याद रखना। गौरतलब है कि आयुष को कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद सीएसके ने अपनी टीम में शामिल किया था। वह मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। इस मैच में आसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने अंतिम ओवर में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए आरसीबी को जीत दिलायी।

टेनिस स्टार आर्यका सबालेंका

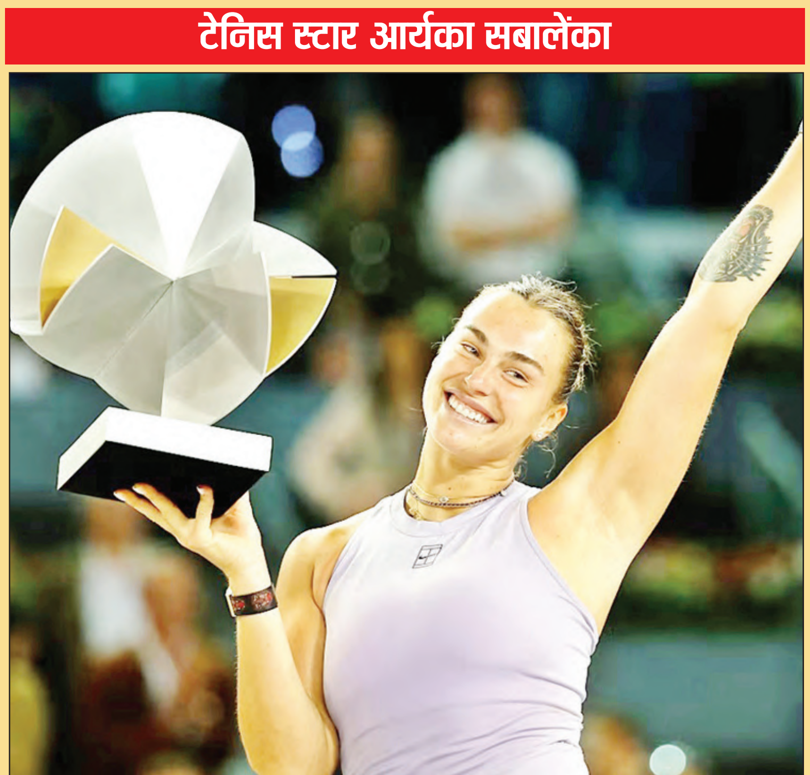

मैड्रिड में जीत के बाद ट्रॉफी उठाये हुए बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यका सबालेंका।

एशिया कप से पाकिस्तान को किया जा सकता है बाहर : गावस्कर

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एशिया कप से बाहर कर दिया जाना तय है। एशिया कप की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) कर रहा है और ऐसे में वह किसी भी हालत में पाक शामिल करना नहीं चाहेगा। गावस्कर ने यहां तक कहा कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को भी भंग किया जा सकता है।

गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई सरकार के अनुसार चलती है और अभी सरकार पाक से किसी प्रकार के संपर्क के पक्ष में नहीं है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार अगर सरकार पाक से क्रिकेट संबंध नहीं चाहती, तो बीसीसीआई उसपर अमल करेगी। एशिया की मेजबानी सितंबर में भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे।

गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर हालात और खराब होते हैं ता बीसीसीआई एसीसी से भी अलग हो सकता है और बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान जैसे देशों के साथ अलग टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट भारत, श्रीलंका या बांग्लादेश में कराया जा सकता है और भारत इसकी मेजबानी करेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अगर दो देश एक-दूसरे से दुश्मनी की स्थिति में हों, तो उनके बीच क्रिकेट खेला जाना संभव नहीं है। भारतीय टीम ने इससे पहलेचैंपियंस ट्रॉफी में भी पाकिस्तान का दौरा न करते हुए तटस्थ स्थल पर अपने मैच खेले थे।

आखिरी ओवर के रोमांच पर यश दयाल ने की बात, बोले-आत्मविश्वास था कि मैं यह कर सकता हूं

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच बीती रात शनिवार को रोमांचक मैच देखने को मिला। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मैच में आरसीबी ने सीएसको को 2 रन से हरा दिया। यह मैच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 52वां मैच था। मैच में सीएसको को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल ने केवल 12 रन दिए और अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद आरसीबी के इस तेज गेंदबाज ने अपने उस आखिरी ओवर के रोमांच के बारे में बात की है। दयाल ने आईपीएल की वेबसाइट पर जारी एक वीडियो में कहा, उस समय मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि अगली गेंद कैसे एग्जीक्यूट करना है। जैसा कि मैं पहले भी कर चुका हूं, इसलिए मेरे दिमाग में आत्मविश्वास था कि हां, मैं यह कर सकता हूं। पिछले साल भी दयाल ने इसी मैदान पर

सीएसके के खिलाफ आखिरी ओवर फेंका था और एमएस धोनी का विकेट लिया था। उस समय उनकी टीम सीएसके को नेट रन रेट के आधार पर पछाड़कर प्लेऑफ में पहुंची थी। अब दयाल ने फिर वही कारनामा किया है। इस बार भी धोनी मैदान पर थे। ऐसे में दयाल ने धैर्य दिखाते हुए शानदार गेंदबाजी की और धोनी का विकेट भी अपने नाम किया। दयाल ने कहा कि पिछले साल का विकेट और इस साल के विकेट में ज्यादा कुछ अंतर नहीं था। उस मैच में वे (धोनी) कैच आउट हुए थे। इसमें यॉर्कर पर एलबीडब्ल्यू हुए। मेरे लिए बस यही था कि मुझे एग्जीक्यूट करना है। विकेट लेने का ऐसा कोई इंटेंट नहीं था। विकेट मिल गया, जो मेरे लिए लकी था। तेज गेंदबाज ने कहा कि जश्न भी वैसा ही था क्योंकि मुझे खुद इसका एहसास नहीं था। मैं उससे (जैकब बेथेल) से बात कर रहा था जो वहां पर था। मैं उससे कह रहा था, %भाई थ्रो कर दे।% इसलिए मेरा दिमाग वहां (जश्न) नहीं था। मैं बस इतना चाहता था कि पूरी चीज ठीक से खत्म हो जाए। उसके बाद मुझे एहसास हुआ (क्या हुआ), तो सेम (हाथ फैलाकर जश्न)। कैसा रहा आखिरी ओवर- आखिरी ओवर में सीएसके को जीत के लिए 15 रन चाहिए थे। क्रिज पर रवींद्र जडेजा और एमएस धोनी थे। आरसीबी के लिए यश दयाल आखिरी ओवर लेकर आए। पहली गेंद पर सिर्फ एक रन आया। दूसरी गेंद पर भी सिर्फ एक रन मिला। अब सीएसके को 4 गेंदों में 13 रन चाहिए थे। यश दयाल की तीसरी गेंद पर धोनी शॉट से चूक गए और गेंद सीधे पैड से टकराई। अंपायर ने एल्बीडब्ल्यू दे दिया। धोनी ने रिव्यू लिया, लेकिन रीप्ले में दिखा कि गेंद स्टंप्स पर जा रही थी। धोनी एल्बीडब्ल्यू हो गए। अब सीएसके को 3 गेंदों में 13 रन बनाने थे। शिवम दुबे क्रीज पर आए। यश दयाल ने चौथी गेंद हाई फुल टॉस डाल दी जिसे दुबे ने छक्के के लिए भेज दिया। रिव्यू में नो बॉल की पुष्टि हुई। अब समीकरण हो 3 गेंदों में 6 रन हो गया और फ्री हिट भी थी।

सरसों तेल, सोयाबीन तिलहन को छोड़कर अन्य तेल-तिलहन गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों तेल और सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि जिस कच्चे पामतेल (सीपीओ) का दाम पहले 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन था, बीते सप्ताह वह घटकर 1,055-1,160 डॉलर प्रति टन रह गया।

कच्चे पामतेल का 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,055-1,160 डॉलर प्रति टन हुआ

इसी प्रकार, सोयाबीन डीगम का जो दाम पहले 1,115-1,120 डॉलर प्रति टन था वह बीते सप्ताह घटकर 1,090-1,095 डॉलर प्रति टन रह गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश में मूंगफली, सोयाबीन की बिजाई का समय निकट आने के साथ सहकारी संस्था नेफेड द्वारा इन दोनों फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम हाजिर दाम पर की जा रही बिकवाली की वजह से तेल तिलहन में गिरावट रही।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 6,275-6,375 रुपये प्रति क्विंटल पर, जबकि सरसों दादरी तेल का थोक भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,360-2,460 रुपये और 2,360-2,485 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

एक ओर जहां सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,475-4,525 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 450 रुपये, 400 रुपये और 350 रुपये घटकर क्रमशः 13,050 रुपये, 12,950 रुपये और 9,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

न्यूज ब्रीफ

निर्मला सीतारमण करेंगी एडीबी की वार्षिक बैठक में भारत का नेतृत्व

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं

वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह बैठक 4 से 7 मई तक इटली के मिलान शहर में आयोजित की जा रही है। निर्मला सीतारमण इस बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के अधिकारियों के भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। इसमें एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडल और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के अधिकारी भाग लेंगे। वित्त मंत्री बैठक के मुख्य सत्रों में हिस्सा लेंगी। वे गवर्नर्स के बिजनेस सेशन और गवर्नर्स प्लेनरी सेशन में भाग लेंगी। इसके अलावा वे भविष्य के लचीलेपन के लिए सीमा पार सहयोग विषय पर गवर्नर्स सेमिनार में पैनलिस्ट के रूप में शामिल होंगी। बैठक के दौरान निर्मला सीतारमण एडीबी के अध्यक्ष से द्विपक्षीय बातचीत करेंगी। वे आईएफएडी के अध्यक्ष और जेबीआईसी के गवर्नर से भी मुलाकात करेंगी। इसके अलावा वे इटली, जापान और भूटान के वित्त मंत्रियों के साथ भी बैठक करेंगी। मिलान प्रवास के दौरान वे भारतीय समुदाय से संवाद करेंगी। वे वैश्विक थिंक-टैंकों, व्यापारिक नेताओं और प्रमुख सीईओ से भी मुलाकात करेंगी। वित्त मंत्री बोकोनी विश्वविद्यालय में आर्थिक और जलवायु लचीलेपन में संतुलन विषय पर आयोजित नेक्स्ट मिलान फोरम के पूर्ण सत्र में भी भाग लेंगी। इस दौरे से भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2025 में एसबीआई का परिचालन लाभ 1.10 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में चौथी तिमाही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने परिणामों को घोषित करते हुए देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में अच्छे नतीजे प्रस्तुत किए हैं। सालाना आधार पर परिचालन लाभ में 8.83 प्रतिशत बढ़ गया और यह 31,286 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुनाफा में 16.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई और इसने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त किया। एसबीआई ने वित्तीय परिणामों में वृद्धि की जानकारी शनिवार को दी, जिसमें बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बड़े अंकों में उत्तरदायित्व का लक्ष्य पार करने के संकल्प का व्यक्त किया। सालाना आधार पर परिचालन लाभ 8.83 प्रतिशत बढ़कर 31,286 करोड़ रुपए हुआ चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में भी वृद्धि हुई और यह 20,698 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा स्लिपेज अनुपात में भी सुधार हुआ है, जिससे बैंक के अनुपात में सुधार की दिशा में कदम बढ़ा है। एसबीआई के निदेशक मंडल ने बैंक के हिस्सेदारों के लिए अच्छे खबर दी है, जिसमें प्रति शेयर 15.9 रुपए का लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक का आरओए और आरओई क्रमशः 1.10 प्रतिशत और 19.87 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक के एसएमई एडवांस और एग्री एडवांस में भी वृद्धि हुई है, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्लिपेज अनुपात में सुधार दर्शाया गया है। बैंक ने डिजिटल रूप से अधिग्रहित होने की भी बात की है, जिसमें वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

डिफेंस कंपनी करेगी आईडीएल एक्सप्लोसिव्स का अधिग्रहण, सोमवार को फोकस में रहेंगे शेयर, भाव 120 रुपये से कम

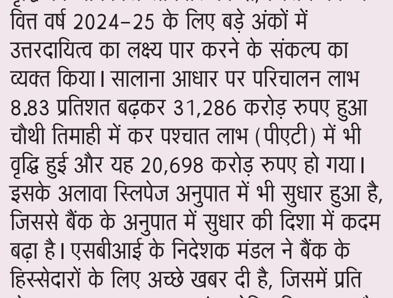

मुंबई। देश के डिफेंस सेक्टर में एक बड़ी और महत्वपूर्ण घटना सामने आई जिससे अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर सोमवार को तेजी से उछलेंगे। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की सब्सिडियरी अपोलो डिफेंस इंडस्ट्रीज ने आईडीएल एक्स्प्लोसिव्स को खरीदने का फैसला किया है और इसके लिए 107 करोड़ रुपये का खर्च करेगी। एक विशेष बैच के अनुरोध के बाद, 2 मई को यह डील का ऐलान किया गया है। प्रक्रिया के पूरा होने में 2 महीने का समय लग सकता है। इस डील के माध्यम से अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने उत्पादन क्षमता में वृद्धि की उम्मीद दिखाई और घरेलू डिमांड के साथ एक बड़ी डील की घोषणा की। यह अधिग्रहण से अपोलो ग्रुप की डिफेंस सेक्टर में मजबूती और स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।

अगले सप्ताह दो नए आईपीओ की लॉन्चिंग, पांच शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।

सोमवार पांच मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में दो नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। ये दोनों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह लॉन्च हुए दो आईपीओ में भी इस सप्ताह छह मई यानी मंगलवार तक बोली लगाई जा सकेगी। जहां तक लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह एथर एनर्जी समेत पांच कंपनियों के शेयर लिस्ट होकर स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे।

सोमवार को श्रीगी डीएलएम लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में सात मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 94 से 99 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट आठ मई को किया जाएगा, वहीं इनकी लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 12 मई को होगी।

पांच मई को ही मनोज ज्वेलर्स का 16.20 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी सात मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 54 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट आठ मई को किया जाएगा, जबकि इनकी लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 12 मई को होगी।

इनके अलावा पिछले सप्ताह 29 अप्रैल को खुले केनरिक इंडस्ट्रीज के 8.75 करोड़ रुपये के आईपीओ में छह मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 25 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट सात मई को होगा, जबकि इनकी लिस्टिंग नौ मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

इसी तरह दो मई को खुले वैगन्स लर्निंग के 38.38 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी छह मई तक आवेदन किया जा सकता है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 78 से 82 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट सात मई को होगा, वहीं इनकी लिस्टिंग नौ मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

पांच मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान पांच कंपनियां के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे। सबसे पहले मंगलवार छह मई को आईवरे सप्लाई चेन सर्विसेज के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी दिन एथर एनर्जी के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर होगी। इसके अगले दिन सात मई को अरुणाया ऑर्गेनिक्स के शेयर और एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इनके अलावा नौ मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर केनरिक इंडस्ट्रीज और वैगन्स लर्निंग के शेयर लिस्ट होंगे।

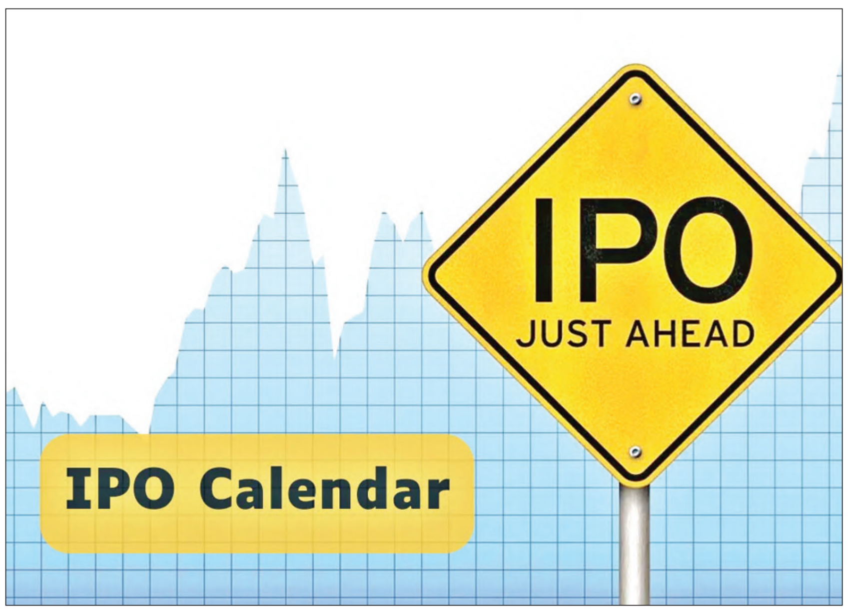

विंडसर ईवी के नए वेरिएंट की टेस्टिंग प्रारंभ, आई तस्वीरें

नई दिल्ली। अपनी पॉपुलर इलेक्ट्रिक एसयूवी विंडसर ईवी के बड़े बैटरी पैक वाले वेरिएंट पर एमजी मोटर इंडिया काम कर रही है। इस नए वेरिएंट की टेस्टिंग भी कंपनी ने शुरू कर दी है। इसकी टेस्टिंग के दौरान तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में देखा गया कि इस नए वेरिएंट में पीछे की तरफ अडास बैज और फ्रंट विंडशील्ड पर एक रडार मौजूद है, जो कि इसके ऑटोनोमस ड्राइविंग फीचर्स की पुष्टि करता है। नई विंडसर ईवी का लंबा रेंज वेरिएंट 50.3 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक लेकर आएगा, जिसे पहले झेडएस ईवी में देखा गया है और यह 460 किमी की रेंज देता है। इस नए वेरिएंट में वी2एल (व्हीकल टू लोड) फीचर की शुरुआत की जा सकती है, जो इसे भारतीय बाजार में टाटा नेक्सन ईवी के मुकाबले एक मजबूत विकल्प बना सकता है। इसमें लेवल 2 अडास सुइट शामिल होने की संभावना है, जिसमें एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, और इंटेलिजेंट हाई बीम असिस्ट जैसे एडवांस्ड फीचर्स मिलेंगे। इसके अलावा, विंडसर ईवी के स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, 360 डिग्री कैमरा और इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक शामिल होंगे। एमजी विंडसर ईवी में कई हाई-एंड फीचर्स भी होंगे जैसे 18-इंच डायमंड कट एलॉय व्हील, स्मार्ट फ्लश डोर हैंडल, पैनोरमिक ग्लास रूफ, और 15.6-इंच ग्रैंड व्यू टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम।

टॉप 10 में शामिल 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ की वृद्धि

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 18,740.33 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इनमें बजाज फाइनेंस को सबसे ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और आईटीसी के मार्केट कैप में 2,31,177.30 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई।

28 अप्रैल से 2 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 20,755.67 करोड़ रुपये उछल कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़ कर के 10,20,200.69 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,514.78 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 14,73,356.95 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 10,902.31 करोड़ रुपये उछल कर 6,25,668.37 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 2,502.82 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 5,38,294.86 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 1,160.20 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 15,470.50 करोड़ रुपये कम होकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये के स्तर पर और आ गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,985.41 करोड़ रुपये घट कर 5,45,845.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,284.42 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,45,996.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एयर चीफ मार्शल अमर...

मुलाकात की थी। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए डोभाल भी शामिल हुए थे।

3 मई को शाम 6 बजे नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात एक घंटे तक चली। 3 मई को दोपहर 12 बजे वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी प्रधानमंत्री से करीब 40 मिनट तक मुलाकात की।बता दें, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के बाद 26 अप्रैल को पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और अन्य सशस्त्र बलों के प्रमुखों के साथ अहम बैठक की थी। डेढ़ घंटे की इस बैठक में पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों को पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने की खुली छूट दी थी।

डीआरडीओ का बड़ा...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई देते हुए कहा कि यह सिस्टम पृथ्वी अवलोकन और खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) में भारत की क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा, जिससे भारत ऐसी स्वदेशी तकनीक वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा।रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने भी सिस्टम के डिजाइन, विकास और परीक्षण के पीछे की टीम की सराहना की। उन्होंने प्रोटोटाइप उड़ान को हवा से हल्के, उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफार्मों के विकास में एक मील का पत्थर बताया जो स्ट्रैटोस्फेरिक ऊंचाइयों पर लंबे समय तक टिके रहने में सक्षम हैं।

कांग्रेस का...

भगवान राम और हिंदू धर्म के विरोधी हैं।

वहीं, भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस को दुनियाभर के अरबों हिंदुओं की आस्था का मजाक उड़ाना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम केवल एक पौराणिक पात्र नहीं है, बल्कि वह भारत के सांस्कृति मूल्यों और आध्यात्मिकता के प्रतीक हैं। वह मर्यादा, बलिदान और धर्म के प्रतीक हैं, जिन्होंने हजारों वर्षों में हमारी सभ्यता को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम भारत की आत्मा हैं और हमारी पहचान के केंद्र में हैं। मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि राजनीतिक दल और नेता आते-जाते हैं, लेकिन भगवान राम हमेशा धर्म का कालातीत प्रतीक बने रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर भगवान राम और हिंदू धर्म का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब न सिर्फ देश विरोधी पार्टी बन गई है, बल्कि हिंदू-विरोधी पार्टी भी बन गई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा भगवान राम को पौराणिक पात्र कहने की भाषा वही है, जो यूपीए सरकार ने राम सेतु केस में सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देते समय इस्तेमाल की थी। उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस को उसके इस 'राम-विरोधी और हिंदू-विरोधी' मानसिकता के लिए कभी माफ नहीं करेगी।

संस्कृत मजबूत होगी...

उन्होंने कहा कि इन शिविरों में हजारों लोगों ने भाग लिया, जो मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत को कठिन मान लिया गया है, जबकि यह सबसे वैज्ञानिक भाषा है। आज दुनिया के 60 विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जा रही है।संस्कृत भारती द्वारा 23 अप्रैल से 3 मई तक दिल्ली के 1008 स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 20 हजार लोगों ने संस्कृत बोलना सीखा। समापन समारोह 4 मई को दिल्ली विश्वविद्यालय में हुआ, जिसमें 5000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।संस्कृत भारती का यह अभियान देश के कई संस्थानों और शिक्षाविदों के सहयोग से सफल हुआ।

पाकिस्तान के पूर्व ...

इसके अलावा, भारत ने शुक्रवार को ही पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आधिकारिक यूट्यूब अकाउंट को भी ब्लॉक कर दिया था। शरीफ का चैनल अब तक का सबसे हाई-प्रोफाइल सोशल मीडिया अकाउंट है, जिसे भारत सरकार ने ब्लॉक किया। शहबाज शरीफ के ब्लॉक किए गए प्रोफाइल में लिखा है, राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश के कारण यह कंटेंट फिलहाल इस देश में उपलब्ध नहीं है। सरकार की तरफ से हटाए जाने के अनुरोधों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया गूगल पारदर्शिता रिपोर्ट देखें।

भारत सरकार इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक्स अकाउंट को ब्लॉक कर चुकी है।ब्लॉक किए गए प्रमुख यूट्यूब चैनलों में पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर, पत्रकार आरजू काजमी और कमेंटेटर सैयद मुज्जमिल शाह के चैनल शामिल हैं। ओलंपियन अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट और पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के यूट्यूब अकाउंट भी सस्पेंड किए गए हैं। 30 अप्रैल को, प्रमुख पाकिस्तानी अभिनेत्रियों हनिया आमिर और माहिरा खान के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को ब्लॉक कर दिया गया।केंद्र की मोदी सरकार की ओर से की जा रही ये कार्रवाइयां 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर की गई, जिसमें 26 लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के प्रतिनिधि 'द रेजिस्टेंस फोर्स' (टीआरएफ) ने ली थी। हालांकि, बाद में उसने अपनी संलिप्तता से इनकार कर दिया था।पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद के खिलाफ कई सख्त कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाए हैं। इनमें 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करना शामिल हैं।

आत्मसमर्पण के अलावा...

इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब कांग्रेस और बीआरएस आपस में मुकाबला कर रहे हैं कि कौन माओवादियों के पक्ष में केंद्र से शांति वार्ता की मांग करेगा।केंद्रीय मंत्री ने माओवादियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 'इन्हीं माओवादियों ने लैंडमाइंस बिछाकर निर्दोष लोगों, आदिवासियों, सुरक्षाबलों और कांग्रेस, टीडीपी, भाजपा के नेताओं की हत्या की थी।' उन्होंने सवाल किया, 'ऐसे हिंसक संगठन से कोई भी सरकार शांति वार्ता कैसे कर सकती है? जब ये निर्दोषों की हत्या कर रहे थे, तब किसी भी राजनीतिक दल या सामाजिक संगठन ने इनके खिलाफ आवाज नहीं उठाई।'बता दें कि, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर 21 अप्रैल से माओवादियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान 'ऑपरेशन कागर' चल रहा है। इसमें करीब 24,000 सुरक्षाबल शामिल हैं, जैसे कि डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड), बस्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), सीआरपीएफ और कोबरा कमांडो। यह छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में अब तक की सबसे बड़ी एंटी-नक्सल कार्रवाई मानी जा रही है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। वहीं इस ऑपरेशन के बीच माओवादियों ने भी बयान जारी कर केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार से कार्रवाई रोकने और शांति वार्ता करने की मांग की है। माओवादियों का कहना है कि 'ऑपरेशन कागर' उनके 'क्रांतिकारी आंदोलन' को खत्म करने की साजिश है।

वंदे भारत का...

का खुलासा हुआ है। एनआईए ने कश्मीर घाटी के करीब 20 ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) की पहचान की है। इन पर हमलावर आतंकियों की मदद करने का आरोप है। एजेंसी इन सभी से पूछताछ कर रही है।

जांच में पता चला कि लश्कर ने आईएसआई और पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले की साजिश रची थी। दो हमलावर हाशमी मूसा उर्फ सुलेमान और अली भाई उर्फ तल्हा पाकिस्तानी नागरिक हैं। ये पाकिस्तान में बैठे अपने सरगनाओं के लगातार संपर्क में थे और उनसे निर्देश ले रहे थे। जांच में खुलासा हुआ कि हमलावर हमले से कुछ हफ्ते पहले ही सीमापार से घुसपैठ कर कश्मीर में दाखिल हुए थे। उन्हें इसमें स्थानीय ओजीडब्ल्यू ने मदद की। इन स्थानीय लोगों ने आतंकियों को रहने की जगह मुहैया कराने के साथ ही पूरे इलाके के चप्पे-चप्पे की जानकारी दी और आने-जाने में सहायता की। सूत्रों का कहना है कि आतंकियों ने बायसरन घाटी, अरु घाटी, बेताब घाटी और एक स्थानीय मनोरंजन पार्क की रेकी की थी। सुरक्षा व्यवस्था कम होने के चलते हमलावरों ने बायसरन को अपना निशाना बनाया। सूत्रों ने बताया कि एनआईए अब तक 2800 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा 180 से अधिक लोग अभी हिरासत में हैं। हिरासत में लिए गए संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर, जमात-ए-इस्लामी और हुर्रियत के विभिन्न गुटों से जुड़े लोग हैं। एजेंसी पहलगाम के आसपास के मार्गों और सार्वजनिक जगहों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान डरा हुआ है। वह भारत की जवाबी कार्रवाई के डर से छटपटा रहा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। पाकिस्तान को डर है कि भारत सर्जिकल और एयर स्ट्राइक से भी खतरनाक ऑपरेशन कर पहलगाम के मासूम लोगों का बदला लेने की तैयारी कर रहा है।

रवि योग में आज मनाई जाएगी जानकी नवमी

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को सीता नवमी मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता इसी दिन धरती से प्रकट हुई थीं। इसीलिए इस दिन को सीता जयंती या सीता नवमी के रूप में मनाते हैं। इसको जानकी नवमी के नाम से भी जाना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वैशाख शुक्ल नवमी तिथि को सीता जी प्रकट हुईं, इसलिए इसे जानकी जयंती या सीता नवमी के नाम से जाना जाताहै। इस बार 5 मई 2025 वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि है। यह दिन स्वयंसिद्ध अबूझ मुहूर्त है। रवि योग 5 मई को दोपहर 2:01 बजे से शुरू होकर अगले दिन सुबह 5:36 बजे तक रहेगा। सीता नवमी पर विशेष रूप से माता सीता की उपासना करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। मान्यता है इस दिन मां सीता की विधि विधान से पूजा करने पर आर्थिक तंगी दूर होती है और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

हर साल सीता नवमी वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। यह त्यौहार रामनवमी के लगभग एक महीने बाद मनाया जाता है। इस दुर्लभ अवसर पर देवी मां सीता के साथ भगवान राम की भी पूजा करना श्रेष्ठ है। जिस प्रकार रामनवमी को अत्यंत शुभ फलदायी त्योहार के रूप में मनाया जाता है उसी प्रकार सीता नवमी को भी अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। भगवान श्री राम को विष्णु का रूप और माता सीता को लक्ष्मी का रूप कहा गया है। इस शुभ दिन पर अगर हम भगवान श्री राम के साथ माता सीता की भी पूजा करें तो भगवान श्री हरि और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष नवमी तिथि पर मां सीता का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को सीता नवमी के रूप में मनाया जाता हैमान्यता के अनुसार मां सीता का जन्म मंगलवार के दिन पुष्य नक्षत्र में हुआ था और रामनवमी पर्व के ठीक एक महीने बाद सीता नवमी पर मनाई जाती है। इस बार सीता नवमी 5 मई को है। इस अवसर पर मां सीता की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही सुख एवं समृद्धि की प्राप्ति के लिए व्रत भी किया जाता है।

2 शुभ योग में है सीता नवमी

इस बार रवि योग 5 मई को दोपहर 2:01 बजे से शुरू होकर अगले दिन सुबह 5:36 बजे तक रहेगा।

सीता नवमी की तिथि

नवमी तिथि का प्रारंभ: 05 मई, प्रातः 07:35 बजे पर
नवमी तिथि का समापन: 06 मई, प्रातः 08:38 बजे पर
ऐसे में उदया तिथि को देखते हुए सीता नवमी 05 मई को मनाई जाएगी।

सीता नवमी का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, 5 मई, सोमवार को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि सुबह 7:35 मिनट से शुरू हो रही है। ऐसे में इसी समय से माता सीता की पूजा की जा सकती है। लेकिन नवमी तिथि को मध्याह्न के समय देवी सीता का जन्म हुआ था। ऐसे में इस दिन अभिजीत मुहूर्त के समय पूजा करना अत्यंत शुभ रहेगा। यह मुहूर्त सुबह 11:51 मिनट से दोपहर के 12:45 मिनट तक रहेगा। इस दिन अमृत काल दोपहर में 12:20 मिनट से 12:45 मिनट तक रहेगा। इस दौरान माता सीता की पूजा करना सबसे श्रेष्ठ रहेगा और फलदायी साबित होगा।

सीता नवमी का महत्व

सीता नवमी का दिन राम नवमी की तरह ही शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन जो राम-सीता का विधि विधान से पूजन करता है, उसे 16 महान दानों का फल, पृथ्वी दान का फल तथा समस्त तीर्थों के दर्शन का फल मिल जाता है। वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि पाने के लिए सीता नवमी का श्रेष्ठ माना गया है। सीता नवमी के दिन माता सीता को श्रृंगार की सभी सामग्री अर्पित की जाती हैं। साथ ही इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं।

माता सीता के जन्म की कथा

वाल्मिकी रामायण के अनुसार एक बार मिथिला में भयंकर सूखा पड़ा था जिस वजह से राजा जनक बेहद परेशान हो गए थे। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए उन्हें एक ऋषि ने यज्ञ करने और खुद धरती पर हल चलाने का सुझाव दिया। राजा जनक ने अपनी प्रजा के लिए यज्ञ करवाया और फिर धरती पर हल चलाने लगे। तभी उनका हल धरती के अंदर किसी वस्तु से टकराया। मिट्टी हटाने पर उन्हें वहां सोने की डलिया में मिट्टी में लिपटी एक सुंदर कन्या मिली। जैसे ही राजा जनक सीता जी को अपने हाथ से उठाया, वैसे ही तेज बारिश शुरू हो गई। राजा जनक ने उस कन्या का नाम सीता रखा और उसे अपनी पुत्री के रूप में स्वीकार किया।

सीता नवमी पूजा विधि

सीता नवमी के दिन सुबह उठकर स्नान करें। इसके बाद मंदिर की सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें। अब चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर मां सीता और भगवान श्रीराम की प्रतिमा विराजमान करें। मां सीता को सोलह श्रृंगार का सामान अर्पित करें। फूल, अक्षत, चंदन, सिंदूर, धूप, दीप आदि भी चढ़ाएं। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें। पूजा के दौरान मंत्रों का जाप अवश्य करना चाहिए। इसके पश्चात मां सीता को फल, मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। अंत में जीवन में सुख और शांति के लिए प्रार्थना करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

गोवा के इस मंदिर में होती है देवी लैराई की पूजा, जानें जात्रा का महत्व

गोवा के लैराई मंदिर में हर साल मई के महीने में जत्रा उत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें अधिक संख्या में भक्त शामिल होते हैं।

लैराई मंदिर में किसकी होती है पूजा?

गोवा के शिरगाओ गांव में लैराई मंदिर स्थित है। इस मंदिर में लैराई देवी की पूजा-अर्चना होती है। यह मंदिर लोगों के बीच आस्था का केंद्र बना हुआ है। मंदिर में मई में जत्रा उत्सव बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है।

क्या है लैराई उत्सव

हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर लैराई देवी जत्रा आयोजित की जाती है। इस उत्सव के दौरान लोग नंगे पैर अंगारों पर चलते हैं और देवी लैराई का सम्मान करते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह एक गोवा की आध्यात्मिकता और संस्कृति का हिस्सा है। देवी लैराई को मां पार्वती का रूप माना जाता है। इस उत्सव के समय मंदिर में प्रसाद का वितरण, मंत्रों का जप और ढोल नगाड़े बजाए जाते हैं। अंगारों पर चलने के लिए लोगों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। सुबह से ही अनुष्ठान कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं। गर्म अंगारों पर चलते समय लोग देवी लैराई के नाम का ध्यान करते हैं। जो लोग इस दौड़ को पूरी कर लेता है। वे लोग फूलों की माला उतारकर वट के पेड़ पर फेंक देते हैं, जिसके बाद घर वापस आते हैं।

क्यों प्रसिद्ध है मंदिर

उत्सव के मंदिर में बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। अंगारों पर चलने की वजह से ही लैराई मंदिर प्रसिद्ध है। यह उत्सव मई के शुरुआती दिनों में आयोजित होता है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। धार्मिक अनुष्ठान भी किए जाते हैं। ऐसा बताया जाता है कि हर साल इस उत्सव में 50,000 से अधिक श्रद्धालु शामिल होते हैं।

बड़ा ही अद्भुत है ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, रात में विश्राम करने आते हैं महादेव!

हिंदू धर्म में 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करना बहुत ही पुण्यकारी माना जाता है। आज हम आपको ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग से जुड़ी कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं, जो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में नर्मदा नदी के मध्य ओमकार पर्वत पर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थापित है। यह द्वीप ॐ के आकार जैसा है। साथ ही यहां ममलेश्वर मंदिर भी स्थापित है। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के आस-पास कुल 68 तीर्थ स्थित हैं। इस मंदिर के आसपास का वातावरण किसी को भी मंत्रमुग्ध कर सकता है।

शास्त्रों में मिलती है महीमा

सभी तीर्थों के दर्शन के बाद ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने का विशेष महत्व माना गया है। जब तीर्थ यात्री सभी तीर्थों का जल लाकर ओमकारेश्वर में अर्पित करते हैं, तभी सारे तीर्थ पूर्ण माने जाते हैं, अन्यथा भक्त पूर्ण फल से वंचित रह जाता है। इस ज्योतिर्लिंग की महिमा का वर्णन शिव पुराण में भी किया गया है। इस मंदिर की महिमा सौराष्ट्रे सोमनाथं - द्वादश ज्योतिर्लिंग मंत्र में भी मिलती है, जो इस प्रकार है -

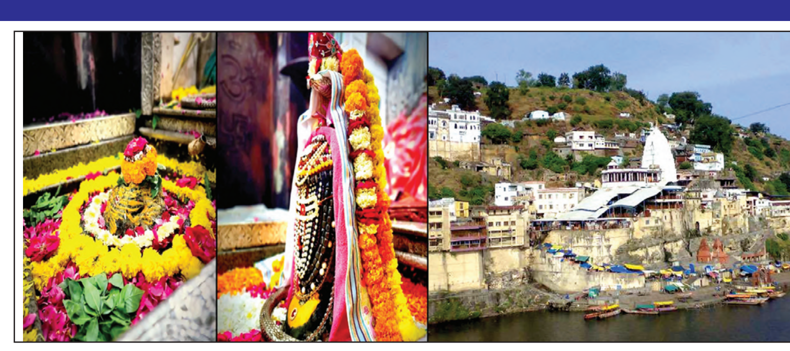

सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम्।
उज्जयिन्यां महाकाल मोङ्कारममलेश्वरम्॥1॥
परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशङ्करम्।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने॥2॥
वाराणस्यां तु विश्वेशं त्र्यम्बकं गौतमीतटे।
हिमालये तु केदारं घुश्मेशं च शिवालये॥3॥
एतानि ज्योतिर्लिङ्गानि सायं प्रातः पठेन्नरः।
सप्तजन्मकृतं पापं स्मरणेन विनश्यति॥4॥

क्या हैं मान्यताएं

इस मंदिर को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं, जिसमें से एक यह है कि देवों के देव महादेव तीनों लोकों का भ्रमण करने के पश्चात रोजाना विश्राम के लिए रात्रि में ओंकारेश्वर मंदिर में ही आते हैं। यही कारण है कि इस मंदिर की शयन आरती काफी प्रसिद्ध है।

इसी के साथ मंदिर से जुड़ी एक मान्यता यह भी है कि भगवान शिव और माता पार्वती इस मंदिर में चौसर खेलने आते हैं। इसी वजह से यहां रात्रि के समय चौपड़ बिछाई जाती है और सुबह जब मंदिर के द्वार खोले जाते हैं, तो चौसर के पासे बिखरे हुए मिलते हैं।

इस मंदिर में होती है खंडित शिवलिंग की पूजा महाभारत काल से कैसे जुड़ा है नाता

आज हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश के कौशांबी में स्थित कालेश्वर महादेव मंदिर की, जो कड़ा धाम में स्थित है। जहां एक खंडित शिवलिंग की पूजा की जाती है। इस मंदिर को लेकर स्थानीय लोगों की काफी मान्यता है। इसी के साथ इस मंदिर की प्रसिद्धि को सुनकर दूर-दूर से भी लोग यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

किसने की थी स्थापना

इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि महाभारत काल में धर्मराज युधिष्ठिर ने अपने अज्ञातवास के दौरान इस शिवलिंग की स्थापना कर शिव स्तुति की थी और गंगा नदी के जल से शिवलिंग का अभिषेक किया था। बाद में मुगल काल में लूट के इरादे से आक्रांताओं ने इस शिवलिंग को खंडित कर दिया था, जिसके प्रमाण आज भी देखे जा सकते हैं। आज मंदिर में खंडित शिवलिंग की ही पूजा-अर्चना की जाती है, जिसका बहुत अधिक महत्व माना जाता है।

क्यों होती है खंडित शिवलिंग की पूजा

कहा जाता है कि आक्रांताओं द्वारा शिवलिंग को खंडित करने के बाद वहां लगे एक छत्ते से मधुमक्खियों ने उनपर हमला कर दिया थी, जिससे वह मंदिर को लूटने में असफल रहे। तभी से यह मान्यता चली आ रही है कि महादेव की महिमा से ही आक्रांता मंदिर का कुछ नहीं बिगाड़ पाए। तभी से इस मंदिर में खंडित शिवलिंग की पूजा होती आ रही है। माना जाता है कि कालांतर से लेकर आज तक कोई भी इस शिवलिंग को विखंडित नहीं कर सका, इसलिए इस शिवलिंग में लोगों की इतनी आस्था बनी हुई है। प्रदेश के कोने-कोने से भक्त कड़ा स्थित कालेश्वर महादेव मंदिर में पूजा करने आते है।

क्या है मान्यता

माना जाता है कि महाकालेश्वर मंदिर मंदिर में स्थित कालेश्वर महादेव के रूप में पूजा-अर्चना करने से साधक को गृह क्लेश से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही भोलेनाथ का रुद्राभिषेक करने से भक्तों के सभी संकट भी दूर हो जाते हैं। खासकर सावन के महीने में यहां भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। भक्त सावन में यहां रुद्राभिषेक कर शिव स्तुति करते हैं।

बाबा बर्फानी के दर्शन से पहले पड़ते हैं ये पांच पड़ाव, महादेव से है गहरा नाता

अमरनाथ यात्रा की शुरुआत के लिए महादेव के भक्त बेसब्री से इंतजार करते हैं। सनातन धर्म में इस यात्रा का विशेष महत्व है। इस बार अमरनाथ यात्राकी शुरुआत 3 जुलाई से होगी और 9 अगस्त को यात्रा खत्म होगी। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत 14 अप्रैल से हो गई है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है।

अमरनाथ यात्रा के दौरान भक्तों के बेहद उत्साह देखने को मिलेगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अमरनाथ यात्रा के समय श्रद्धालुओं को 5 पांडव में रुकना होता है। इन जगहों का भगवान शिव से गहरा नाता माना जाता है। क्या आपको पता है कि 5 पांडव कौन-से हैं, जिनमें भगवान शिव का अहसास होता है।

पहलगाम – अमरनाथ यात्रा के दौरान सबसे पहले पड़ाव पहलगाम है। इस जगह से यात्रा की शुरुआत होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महादेव ने मां पार्वती को कथा सुनाने के लिए एक गुप्त जगह की खोज रहे थे। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले नंदी को छोड़ दिया, जिसे पहलगाम के नाम से जाना जाता है।

चंदनबाड़ी– दूसरे पड़ाव को चंदनबाड़ी के नाम से जाना जाता है। चंदनबाड़ी पहलगाम से 8 किलोमीटर दूर स्थित है। चंदनबाड़ी से श्रद्धालु पिस्सू घाटी की चढ़ाई करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी पवित्र स्थल को देवताओं ने राक्षसों से युद्ध किया था। कुछ मान्यताओं के अनुसार, इसी जगह पर महादेव ने अपनी जटाओं से चंद्रमा को अलग कर दिया था। इसी वजह से इस जगह का नाम चंदनबाड़ी पड़ा।

शेषनाग– तीसरा पड़ाव शेषनाग है। यहां पर एक झील है। शेषनाग झील को लेकर धार्मिक मान्यता है कि इस झील में शेषनाग का वास होता है। दिन में एक बार शेषनाग अपने भक्तों को दर्शन देते हैं।

पंचतरणी– अमरनाथ यात्रा का चौथा पड़ाव पंचतरणी है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पंचतरणी में पांच नदियां बहती हैं। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को इन नदियों को पार करना पड़ता है। ऐसा माना जाता है कि ये पांच धाराएं भगवान शिव की जटाओं का प्रतीक हैं। इन्हें स्पर्श करने से शांति प्राप्ति होती है।

आखिरी पड़ाव– आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आखिरी पड़ाव अमरनाथ गुफा से आठ किलोमीटर दूर है। यहां पर अधिक बर्फ जमी रहती है। इसी दिन श्रद्धालु गुफा के पास रुकते हैं और पूजा करने के बाद पंचतरणी वापस लौट जाते हैं।

महाकाल मंदिर में कब की जाती है भोग आरती और क्या है धार्मिक महत्व?

सोमवार का दिन देवों के देव महादेव को प्रिय है। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही शिव-शक्ति के निमित्त सोमवार का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को मनोवांछित फल मिलता है। ज्योतिष भी मनचाहा वरदान पाने के लिए देवों के देव महादेव की पूजा करने की सलाह देते हैं। विवाहित महिलाएं सुख और सौभाग्य में वृद्धि के लिए सोमवार का व्रत रखती हैं। वहीं, मंदिरों में सोमवार के दिन भव्य तरीके से बाबा का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया जाता है। इसके साथ ही भगवान शिव की पूजा एवं आरती की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में भोग आरती कब की जाती है?

महाकाल मंदिर मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित है। यह मंदिर दुनियाभर में प्रसिद्ध है। इस मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर के दक्षिण में नंदी की प्रतिमा है। गर्भगृह में ओंकारेश्वर शिव की मूर्ति स्थापित है। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर मंदिर और उसके आसपास के प्रांगण में विशाल मेला लगता है। वहीं, रात में भगवान शिव और मां पार्वती की विशेष पूजा होती है।

कब होती है भोग आरती?

महाकाल मंदिर में रोजाना सुबह 10 बजे भोग आरती की जाती है। वहीं, रात 10 बजकर 30 मिनट पर शयन आरती की जाती है। भोग आरती में देवों के देव महादेव को भोग यानी प्रसाद भेंट किया जाता है। भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा एवं आरती करने से अन्न और धन की कमी नहीं रहती है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

भोग आरती महत्व – भगवान शिव की महिमा अपरंपार है। देवों के देव महादेव की कृपा से भक्तों के सभी दुख दूर हो जाते हैं। साथ ही साधक पर शिव-शक्ति की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। बड़ी संख्या में भक्तजन भोग आरती में शामिल होते हैं।

काशी में क्यों विश्वनाथ कहलाते हैं भोले बाबा?

सावन का महीना देवों के देव महादेव को बेहद प्रिय है। इस महीने में भगवान शिव और जगत की देवी मां पार्वती की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही सावन सोमवार पर व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही साधक पर महादेव की कृपा बरसती है। विवाहित महिलाएं सुख और सौभाग्य में वृद्धि के लिए सोमवार के दिन व्रत रखती हैं।

विश्वनाथ मंदिर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में स्थित है। इसे बाबा की नगरी यानी भोले की नगरी भी कहा जाता है। काशी विश्वनाथ मंदिर की प्रसिद्धि दुनियाभर में है। यह मंदिर गंगा नदी के तट पर स्थित है। भोले की नगरी का कोतवाल काल भैरव देव हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए भोले की नगरी आते हैं। श्रद्धालु गंगा नदी में डुबकी लगाकर बाबा के दर्शन करते हैं। इस शुभ अवसर पर साधक गंगाजल से बाबा का अभिषेक भी करते हैं। जलाभिषेक से देवों के देव महादेव जल्द प्रसन्न होते हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर इतिहास

इतिहासकारों की मानें तो वर्तमान समय में उपस्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण सन 1780 में इंदौर की स्वर्गीय महारानी अहिल्या बाई होल्कर ने कराया था। वहीं, काशी विश्वनाथ मंदिर के दो गुंबदों को सोने से कवर पंजाब केसरी महाराजा रणजीत सिंह द्वारा कराया गया था। हालांकि, तीसरा गुंबद अभी भी खुला है। बाबा की नगरी स्थित विश्वनाथ शिवलिंग का इतिहास सदियों पुराना है।

क्यों विश्वनाथ कहलाते हैं भोले बाबा?

काशी विश्वनाथ मंदिर देवों के देव महादेव को समर्पित होता है। यह मंदिर प्रयागराज में है। भगवान शिव को विश्वनाथ या विश्वेश्वर भी कहा जाता है। इसका आशय यह है कि देवों के देव महादेव ब्रह्मांड का शासक भी कहा जाता है। वहीं, यह मंदिर काशी में स्थित है। इसके लिए प्रयागराज स्थित मंदिर को काशी विश्वनाथ मंदिर कहा जाता है।

राज कपूर की मेरा नाम जोकर को बनने में क्यों लगे थे छह साल?

राज कपूर को यूं ही हिंदी सिनेमा का शो मैन नहीं कहा जाता है। जब वह कैमरे के सामने अभिनय करते थे तो अपने किरदार में पूरी तरह से डूब जाते थे। ऐसे ही जब वह निर्देशक की कुर्सी पर बैठे होते थे तो जब तक उन्हें एक परफेक्ट शॉट नहीं मिलता था, तब तक न तो वह खुद सेट से जाते और न ही एक्टर का पैकअप होने देते थे। अपनी ऑडियंस को एक से बढ़कर एक फिल्में और गाने देने वाले राज कपूर की आज सबसे यादगार फिल्मों में से एक मेरा नाम जोकर है।

आज के समय में इंडियन सिनेमा की क्लासिक कल्ट फिल्मों में से एक 'मेरा नाम जोकर' साल 1970 की सबसे बड़ी फ्लॉप में शुमार थी। इस फिल्म को बनाने में एक या दो नहीं, बल्कि पूरे छह साल लगे थे। ये राज कपूर का ड्रीम प्रोजेक्ट था। क्या आपको पता है कि इस फिल्म को बनाने में इतना समय क्यों लगा था। इस फिल्म के पीछे राज कपूर ने क्या कुछ नहीं खोया। बड़ी स्टारकास्ट वाली ये फिल्म उस दौर में क्यों सबसे बड़ी फ्लॉप बनी, चलिए जानते हैं इसकी सही वजह।

मेरा नाम जोकर एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी। जिसकी कहानी से लेकर निर्देशन तक का काम राज कपूर ने आरके बैनर तले किया था। उन्होंने मूवी में

ये थी फिल्म फ्लॉप होने की सबसे सॉलिड वजह

राजू का किरदार निभाया था। ऋषि कपूर ने राज कपूर के बचपन का किरदार अदा किया था। उसके अलावा इस फिल्म में मनोज कुमार, धर्मेंद्र, पद्मिनी, सिमी ग्रेवाल, केसेनिया रयाबिनकिना, दारा सिंह, ओम प्रकाश, राजेन्द्र नाथ, अचला सचदेव जैसे बड़े सितारे नजर आए थे।

रिपोर्ट्स की मानें तो मेरा नाम जोकर को बनाने में छह साल इसलिए लगे, क्योंकि मूवी की स्टारकास्ट काफी बड़ी थी और सभी का टाइम मैच होना संभव नहीं था। उस वक्त में मनोज कुमार से लेकर धर्मेंद्र तक एक बड़ा नाम बन चुके थे। ऐसे में सभी के टाइम को मैच करते-करते काफी समय चला गया।

राज कपूर ने दांव पर लगा था दिया था अपना घर

ये फिल्म राज कपूर का ड्रीम प्रोजेक्ट था। मेरा नाम जोकर को बनाते समय जब काफी समय लग रहा था, तो आसपास मौजूद कई लोगों ने दिग्गज अभिनेता को सलाह भी दी, लेकिन उन्होंने किसी की एक नहीं सुनी। राज कपूर ने इस फिल्म को बनाने के लिए अपने घर से लेकर अपनी कई प्रॉपर्टी गिरवी रख दी थी। नतीजन जब ये फिल्म रिलीज हुई तो बुरी तरह

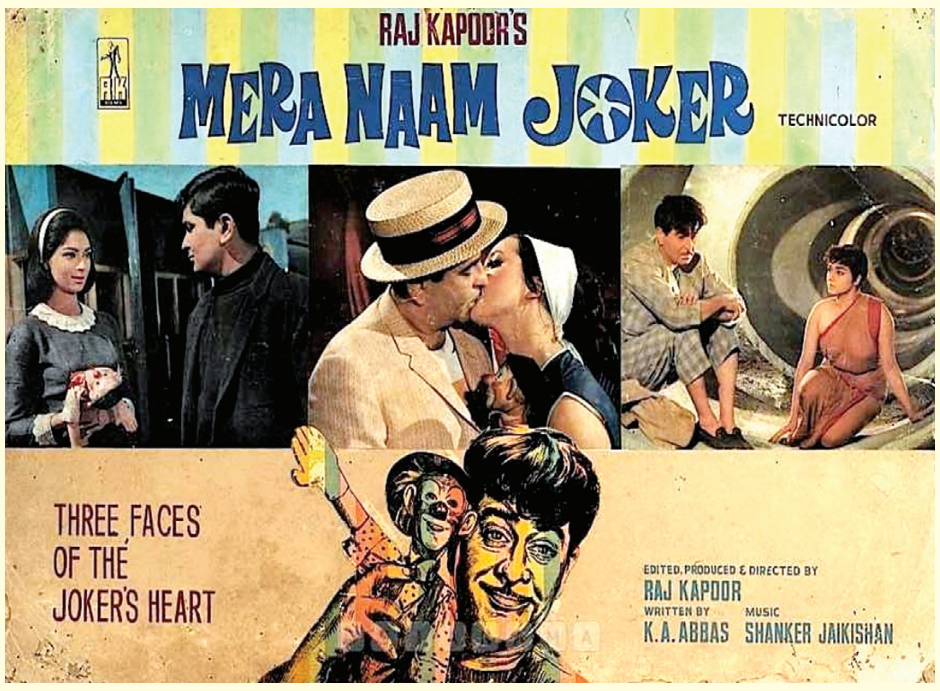

से पिट गई और राज कपूर बहुत ज्यादा कर्जे में डूब गए।

ऑडियंस को कुछ अलग परोसने के चक्कर में जब उनकी फिल्म को दर्शक ही नहीं मिले, तो अभिनेता का दिल टूट गया। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने खुद को एक साल तक सबसे दूर रखा था। लेकिन कहते हैं न कि अंधेरे के बाद एक रोशनी होती है, ऐसा ही राज कपूर के साथ भी हुआ। उन्होंने बेटे ऋषि कपूर और डिंपल कपाड़िया को लेकर फिल्म 'बॉबी' बनाई। ये दोनों स्टार्स की ही बतौर यंगस्टर पहली फिल्म थी। 'बॉबी' ने राज कपूर की किस्मत के सोए सितारों को जगा दिया और ये फिल्म एक बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई।

राज कपूर के बेटे रणधीर ने बताई थी फिल्म फ्लॉप होने की असली वजह

जब मेरा नाम जोकर 1970 में फ्लॉप हुई, तो किसी ने कहा कि फिल्म का रन टाइम 4 घंटे से ज्यादा था इसलिए नहीं चली। किसी ने कहा कि मूवी डबल इंटरवल की वजह से पिट गई। हालांकि, रणधीर कपूर ने मूवी फ्लॉप होने की सही वजह बताई थी। मेरा नाम जोकर उस समय पर भले ही फ्लॉप हुई हो, लेकिन आज ये फिल्म हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे बेस्ट फिल्मों में से एक हैं।

अवनीत कौर ने लेटेस्ट फोटोशूट से गिराई बिजलियां

सोशल मीडिया सेंसेशन अवनीत कौर रातों-रात सुर्खियों में छा गईं, जब विराट कोहली ने उनके फैन पेज पर पोस्ट की गई उनकी तस्वीर को गलती से लाइक कर दिया। हालांकि बाद में विराट ने इस पर सफाई दी और कहा कि यह एक गलती थी, लेकिन एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोज पर सोशल मीडिया यूजर्स ने जमकर रमेंट किया और उन्हें दूसरी भाभी भी कहा।

अवनीत कौर महज 23 साल की हैं लेकिन इंस्टाग्राम पर उनके 31.8च् फॉलोवर्स हैं। उन्होंने कम उम्र में ही काफी नाम कमा लिया है। फिल्मों में भी वह नज आ चुका हैं। उन्होंने विराट कोहली वाले वाकये के बाद कुछ फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने इस दौरान जो अटायर कैरी किया है, उसमें उनका अंदाज कातिलाना लग रहा है।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वहां वह रील्स और फोटोज फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। लेटेस्ट फोटोशूट की उन्होंने भतेरी झलकियां दिखाई हैं। जिसके कमेंट सेक्शन में एक ही चीज देखने को मिल रही है और वो है 'विराट कोहली।' हर को उनका नाम लेकर ही कमेंट कर रहे है और चुटकी ले रहा है।

भअवनीत कौर की फोटो पर एक यूजर ने पूछा, विराट का इंतजार कर रही हैं क्या इस पोजिशन में? एक ने लिखा, आपक विराट कोहली के कारण अटेंशन मिली है।' एक ने लिखा, दूसरी भाभी। एक ने लिखा, एक लाइक ने पूरा इंटरनेट हिला दिया। एक ने कहा, विराट कोहली की गर्लफ्रेंड। एक ने लिखा, अपनी मासूमियत खो दी है। एक ने लिखा, विराट कोहली कहीं देखकर लाइक न कर दें।

फिल्म सिकंदर की असफलता पर बोले नवाजुद्दीन सिद्दीकी

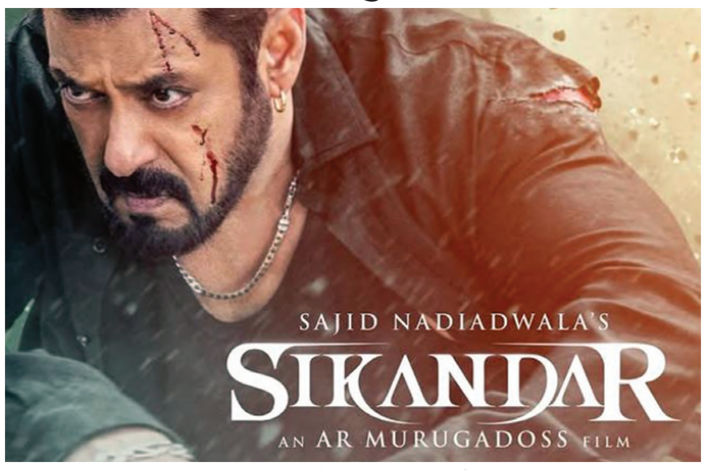

सलमान खान हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता हैं जिन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों से बॉक्स ऑफिस गुलजार किया है। मगर कुछ समय से उनका सिक्का चल नहीं रहा है। किसी का भाई किसी की जान, टाइगर 3 और सिकंदर ने लाख प्रमोशन के बावजूद खास कमाई नहीं कर पाई। इन फिल्मों की ओपनिंग अच्छी रही, लेकिन बाद का कलेक्शन खराब।

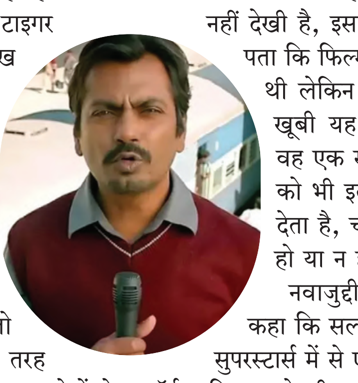

सिकंदर मूवी की असफलता के बाद तो सलमान खान को बुरी तरह आलोचना सहनी पड़ी। कुछ लोगों ने उन्हें ब्रेक लेने तक की सलाह दे दी और कुछ ने कहा कि उन्हें फिल्मी दुनिया को तौबा कर देना चाहिए। अब बजरंगी भाईजान के कैमरामैन चांद नवाब उर्फ नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सिकंदर की असफलता पर रिएक्शन दिया है। साथ ही इसका जिम्मेदार किसी और को ठहराया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अभी तक सिकंदर फिल्म नहीं देखी है, लेकिन फिर भी वह इसकी असफलता का कारण सलमान को नहीं मानते हैं। नवाज का कहना है कि फिल्म की असफलता का जिम्मेदार सिर्फ अभिनेता नहीं होता है। इसका कारण क्रिएटर्स भी होते हैं। एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में किक के अभिनेता ने कहा, मैंने सिकंदर नहीं देखी है, इसलिए मुझे नहीं पता कि फिल्म किस बारे में थी लेकिन सुपरस्टार की खूबी यह होती है कि वह एक सामान्य फिल्म को भी इतना बड़ा बना देता है, चाहे उसमें सार हो या न हो।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि सलमान खान उन सुपरस्टार्स में से एक हैं जो एक नॉर्मल फिल्म को भी शानदार बना देते हैं। उन्होंने कहा, अगर भाई (सलमान) कोई फिल्म करने के लिए राजी हो जाते हैं तो यह निर्देशकों के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है क्योंकि वह आपको अपने फैंस को थाली में परोस रहे हैं। नवाज ने यह भी कहा, सिर्फ भाई पर ही उंगली नहीं उठनी चाहिए।मालूम हो कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सलमान खान के साथ दो फिल्मों में काम किया है। वह किक मूवी में खलनायक और बजरंगी भाईजान में रिपोर्टर की भूमिका निभा चुके हैं।

बाबिल खान के वीडियो के बाद परिवार ने जारी किया बयान

हाल ही इरफान के बेटे बाबिल खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फूट-फूटकर रो रहे थे और बॉलीवुड को बेरुखा बता रहे थे। वीडियो में उन्होंने अनन्या पांडे और अर्जुन कपूर से लेकर आदर्श गौरव तक का नाम लिया और कहा कि बॉलीवुड बहुत गंदा और बेरुखा है। हालांकि, बाद में बाबिल ने वीडियो डिलीट कर दिया, पर तब तक उनके वीडियो वायरल हो चुके थे। अब इस मामले पर बाबिल खान की फैमिली और टीम ने सफाई देते हुए बयान जारी किया है।

परिवार ने बताया है कि इस वीडियो के पीछे बाबिल खानकी मंशा क्या थी और क्यों स्टारकिड्स का नाम लिया। परिवार ने कहा कि बाबिल एकदम सेफ हैं और एक आम इंसान की तरह उनकी जिंदगी में भी मुश्किल दिन आते हैं।

जारी किए गए बयान में कहा गया है, 'पिछले कुछ सालों में, बाबिल खान ने अपने काम के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी मेंटल हेल्थ पर भी खुलकर बात करने के लिए बहुत प्यार और तारीफ बटोरी है। किसी और की तरह, बाबिल को भी मुश्किल दिनों से गुजरना पड़ता है- और यह उनमें से एक था। हम उनके सभी शुभचिंतकों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि वह एकदम ठीक हैं और जल्द ही बेहतर महसूस करेंगे।'

बाबिल उनके योगदान की तारीफ कर रहे थे, उन्हें पसंद करते हैं'

'इसी बीच बाबिल का एक वीडियो को बहुत ही गलत समझ लिया गया है और उसका संदर्भ भी गलत ले लिया गया है। क्लिप में, बाबिल अपने कुछ साथियों की ईमानदारी से तारीफ कर रहे हैं, और स्वीकार कर रहे हैं कि वो किस तरह से भारतीय सिनेमा के विकास में सार्थक योगदान दे रहे हैं। अनन्या पांडे, शनाया कपूर, सिद्धांत चतुर्वेदी, राघव जुयाल, आदर्श गौरव, अर्जुन कपूर और अरिजीत सिंह जैसे कलाकारों का उल्लेख उन्होंने इसलिए किया क्योंकि वह वास्तव में उनकी तारीफ करते हैं, और पसंद करते हैं।

शाहरुख खान या गोविंदा नहीं, रवीना टंडन के लिए लकी साबित हुई अक्षय कुमार की जोड़ी

बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस का जिक्र होगा, तो रवीना टंडन का नाम भी सबसे पहले लिया जाएगा। अभिनय की बदौलत उन्होंने लोगों के दिलों पर हमेशा राज किया है। फिल्म प्रोजेक्ट्स के अलावा एक्ट्रेस फिटनेस को लेकर चर्चा में रहती हैं। इस साल उनकी बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से डेब्यू किया है। फिल्म से उनके आइटम नंबर को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रवीना ने भी अपनी बेटी की फिल्म का जमकर प्रमोशन किया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर अमन देवगन और राशा की फिल्म ने कोई खास जादू नहीं दिखाया।

सिनेमा की दुनिया में ऑनस्क्रीन जोड़ी को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। सिनेमा लवर्स एक बार जिस जोड़ी को पसंद कर लेते हैं। फिर उनकी फिल्मों को दर्शकों की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। रवीना टंडन की जोड़ी गोविंदा और शाह रुख खान के साथ लोगों को बेहद पसंद आई है, लेकिन बॉक्स ऑफिस के आंकड़े बताते हैं कि एक्ट्रेस ने एक दूसरे पॉपुलर एक्टर के साथ सबसे ज्यादा हिट फिल्में दी हैं।

गोविंदा के साथ एक्ट्रेस ने इतनी फिल्मों में किया काम

रवीना टंडन ने फिल्मी करियर में गोविंदा के साथ कई पॉपुलर फिल्मों में काम किया है। दोनों के फैंस जानते होंगे कि उनकी जोड़ी 9 फिल्मों में साथ नजर आ चुकी है, लेकिन इनमें से केवल 3 फिल्में ही हिट हुई थीं। हालांकि, रवीना के फैंस आज भी दोनों की पुरानी फिल्मों को एक्साइटमेंट के साथ देखते हैं।

अगर बात शाह रुख खान की करें, तो रवीना टंडन ने केवल एक फिल्म में उनके साथ स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। इसका नाम जमाना दीवाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने चार फिल्में साइन की थी, लेकिन किसी कारण की वजह से बाकी फिल्मों पर काम ही शुरू नहीं हुआ। खैर, उनकी एक फिल्म को काफी पसंद किया गया।

अक्षय कुमार के साथ इन फिल्मों में नजर आई जोड़ी

रवीना टंडन और अक्षय कुमार की ऑनस्क्रीन जोड़ी को खूब पसंद किया गया। असल जिंदगी में भी दोनों का नाम एक-दूसरे के साथ जुड़ चुका है। दोनों ने सात फिल्मों में काम किया है।

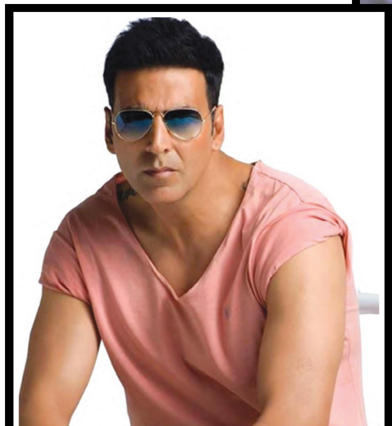

हालांकि, दोनों की 2 फिल्में सुपरहिट साबित हुई। इसके अलावा, उनकी ज्यादातर मूवीज पर लोगों ने बेशुमार प्यार लुटाया। प्रशंसक तो दोनों की जोड़ी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ देखना चाहते हैं। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी हालिया रिलीज केसरी चैप्टर 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कमाई कर रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–क–ाज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 मई 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रातः 07:38 तक
नक्षत्र : आश्लेषा दोपहर 02:02 तक
योग : वृद्धि रात्रि 12:09 तक
करण : बव प्रातः 07:38 तक
चन्द्रराशि : कर्क दोपहर 02:02 तक
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– श्री सीता नवमी, दुर्गा अष्टमी , बगलामुखी जयंती ,गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अब कॉन्सर्ट पर्यटन के क्षेत्र में भी तेजी से उभर रहा राजस्थान : दिया कुमारी

जयपुर, 04 मई (एजेंसियां)।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से 14वें ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार (जीआईटीबी) के अवसर पर जयपुर, राजस्थान में मीट इन इंडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस मौके पर भारत सरकार के पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कॉन्क्लेव को संबोधित किया और कहा कि भारत का मीटिंग, इन्से–न्टिव्ज, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशंस उद्योग उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा करने वाला एक प्रमुख आर्थिक चालक बनने के लिए तैयार है।

कॉन्क्लेव में संबोधित करते हुए, शेखावत ने कहा, भारत का चखउए उद्योग तेजी से एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, जिसे मजबूत आर्थिक विकास, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और मजबूत सरकारी समर्थन से बल मिल रहा है। देश भर के राज्य अपने–अपने अनूठे तरीकों से पर्यटन के अवसरों का लाभ उठा रहे हैं – और अब समय आ गया है कि भारत वैश्विक चखउए मानचित्र पर अपनी स्थिति मजबूत करे। भारत मंडपम, यशोभूमि और जियो वर्ल्ड सेंटर जैसे प्रतिष्ठित स्थलों और इन्क्रेडिबल इंडिया कैम्पेन के तहत चखउए को प्राथमिकता देने के साथ, हमारा लक्ष्य कम से कम 10 भारतीय शहरों को दुनिया के शीर्ष चखउए स्थलों में शामिल कराना है। पर्यटन मंत्री ने चखउए क्षेत्र में देश की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरित होकर तथा राजस्थान जैसे राज्यों की विरासत और नवाचार के माध्यम से अग्रणी भूमिका के साथ, भारत दुनिया का सबसे प्रशंसित पर्यटन और आयोजन स्थल बनने की ओर अग्रसर है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस बात पर जोर दिया कि पर्यटन और आतिथ्य दुनिया के सबसे बड़े रोजगार सृजनकर्ताओं में से हैं। उन्होंने भारत की युवा, महत्वाकांक्षी अर्थव्यवस्था में उच्च गुणवत्ता वाली, कौशल–प्रधान नौकरियां सृजित करने के लिए इस क्षेत्र की अपार

संभावनाओं पर प्रकाश डाला। केवल बुनियादी ढांचे के विकास से आगे बढ़कर व्यापक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हुए बेरी ने कहा, नीति आयोग में हम चखउए पर्यटन को केवल एक प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की अनिवार्यता के रूप में भी देखते हैं। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र–राज्य समन्वय, डि–रेगुलेशन और मंत्रालयों के बीच अलगाव को खत्म करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत को एक व्यापक पर्यटन अनुभव की ओर बढ़ना चाहिए, जिसमें आयोजनों, कल्चरल इन्फ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को एकीकृत किया जाए ताकि इसकी क्षमता को पूरी तरह से उपयोग में लिया जा सके।

इस समारोह में उप मुख्यमंत्री, दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान केवल एक हेरिटेज डेस्टिनेशन ही नहीं है, बल्कि एमआईसीई पर्यटन के लिए एक जीवंत व भविष्य के लिए तैयार हब है।अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर्स, सहज कनेक्टिविटी व डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और विश्व स्तरीय आतिथ्य के साथ हम डायनेमिक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं, जो परिवर्तन के साथ परंपरा का संयोजन करता है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सांस्कृतिक समृद्धि से लेकर ग्रामीण पर्यटन सर्किट और नए डेस्टिनेशन के विकास तक राजस्थान के प्रत्येक भाग को उच्च–प्रभाव वाले आयोजनों की मेजबानी करने के लिए तैयार किया जा रहा है। हम मजबूत सार्वजनिक–निजी भागीदारी की शक्ति में विश्वास रखते हैं, जहां स्थानीय कारीगरों से लेकर लक्जरी होटल व्यवसायियों तक, जमीनी स्तर की लॉजिस्टिक टीमों से लेकर वैश्विक योजनाकारों तक हर कोई अपनी भूमिका निभाता है।

एमआईसीई के प्रति राजस्थान की प्रतिबद्धता को सिर्फ अल्पकालिक प्रयास के रूप में नहीं, बल्कि विकास, नवाचार और ग्लोबल विजिबिलिटी को गति देने में रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में राजस्थान के संदर्भ में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान न सिर्फ कॉन्फ्रेंसों की मेजबानी के लिए तैयार है, बल्कि कभी ना भूलने वाला समृद्ध अनुभव प्रदान करने के लिए भी पूरी तरह से तैयार है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि आज राजस्थान केवल अपने भव्य किलों और महलों के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सदियों पुरानी शिल्पकला, भावपूर्ण लोकसंगीत, कालातीत वास्तुकला और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के साथ रुरल टूरिज्म और यहाँ की हॉस्पिटैलिटी के लिए भी जाना जाता है। राजस्थान कॉन्फ्रेंस और इवेंट्स के लिए भी नंबर वन होने वाला है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धन्यवाद देते हुए कहा कि– यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूर दृष्टि का परिणाम है।

बीकानेर सहकारी भूमि विकास बैंक में मुख्यमंत्री एकमुश्त समाधान योजना लागू

बीकानेर, 04 मई (एजेंसियां)।

राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में भूमि विकास बैंकों से 1 जुलाई 2024 तक अवशेष ऋण रखने वाले ऋण धारकों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री एकमुश्त समाधान योजना 2025 लागू की गई है।

बीकानेर सहकारी भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष रामनिवास गोदारा ने बताया कि यह योजना किसानों के हित में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। इससे किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी। वे एक बार फिर से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि समस्त पात्र ऋणधारकों को समय रहते इस योजना का लाभ उठाने और अपना भविष्य सुरक्षित बनाने का आह्वान किया है।

उन्होंने बताया कि यह योजना किसानों को ऋण के बोझ से मुक्ति दिलाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। योजना के तहत ऋण धारकों को बकाया मूलधन का भुगतान एक बार में कर छूट प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। योजना से जुड़ी सभी जानकारियां सहकारिता विभाग, राजस्थान एवं राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, जयपुर द्वारा विकसित ओटीएस पोर्टल 2025 पर उपलब्ध हैं। इस पोर्टल के माध्यम से ऋण धारकों को ब्याज, दंड शुल्क व अन्य व्ययों से राहत दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर सूचनाएं नियमित रूप से अपडेट की जा रही हैं और पात्र ऋण धारक पोर्टल के माध्यम से योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ऋण धारकों को सम्बंधित बैंक शाखा में स्वयं का जनआधार कार्ड की प्रति एवं मृत्यु ऋणी सदस्य में नोमिनी का जनआधार तथा ऋणी का मृत्यु प्रमाण पत्र कार्ड की प्रति जमा करवाना अनिवार्य है।

20 लाख की रिश्वत लेते एसीबी ने बीएपी विधायक को किया गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 04 मई (एजेंसियां)।

20 लाख रुपये रिश्वत मामले में राजस्थान एसीबी ने रविवार को भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक को ट्रैप किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बांसवाड़ा के बागीदौरा विधानसभा सीट से विधायक जय कृष्ण पटेल को हिरासत में लिया।

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार शाम 5:30 बजे प्रेस वार्ता कर एसीबी के डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा इस पूरे मामले की जानकारी देंगे। विधायक पर आरोप है कि वह विधानसभा में सवाल करने के एवज में रिश्वत मांगते थे। इस बार विधायक की ओर से 2.50 करोड़ की रिश्वत मांगी गई थी। गनमैन के जरिए पहली किस्त के तौर पर 20 लाख रुपये लेते हुए विधायक को एसीबी ने दबोचा।

विधायक के जयपुर और बागीदौरा स्थित ठिकानों पर एसीबी की टीम का सर्च ऑपरेशन जारी है। गनमैन फरार बताया जा रहा है। रिश्वत लेने की जानकारी मिलने के बाद से ही पुलिस ने विधायक और उनसे जुड़े लोगों के मोबाइल को सर्विलांस पर डाल दिया था।बता दें, राजस्थान की बागीदौरा विधानसभा में हुए उपचुनाव (2024) में भारतीय आदिवासी पार्टी ने जय कृष्ण पटेल को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सुभाष तंबोलिया को 51,434 मतों के प्रभावशाली अंतर से हराया और विधानसभा पहुंचे थे। जयकृष्ण पटेल को कुल 1,22,573 वोट प्राप्त हुए, जबकि भाजपा उम्मीदवार को 71,139 वोट मिले।

डंपर की टक्कर से नीट परीक्षा देने जा रहीं दो छात्राओं समेत तीन की दर्दनाक मौत

जयपुर, 04 मई (एजेंसियां)।

राजधानी जयपुर के बस्सी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो छात्राओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। दोनों छात्राएं नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट देने के लिए घर से निकली थीं। हादसा सुबह करीब 8:45 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, मृतक छात्राएं प्रिया शर्मा (22) और खुशी शर्मा (21) दीपुरा गांव, बस्सी की रहने वाली थीं। दोनों नीट परीक्षा देने के लिए निकली थीं और रास्ते में उन्हें रानियां वास (दौसा) निवासी अशोक कुमार बैरवा मिला, जो बाइक पर था। दोनों छात्राओं ने अशोक से बस्सी तक लिफ्ट ली थी। बस्सी ओवरब्रिज के पास एक डंपर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर को जब्त किया। चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तीनों शवों को बस्सी सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। मृतकों की पहचान उनके मोबाइल और दस्तावेजों के आधार पर की गई। एएसआई तोताराम ने बताया कि अशोक कुमार मजदूरी के लिए निकला था। उसके बैग से हथौड़ी और खुरपी मिली है। वह बस्सी में किराए के कमरे में अपने रिश्तेदारों के साथ रहता था। इस दर्दनाक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

कुपोषण और एनीमिया के खात्मे के लिए हरियाणा ने किया राज्य टास्क फोर्स का गठन

चंडीगढ़, 04 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण और एनीमिया को खत्म करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे कार्यक्रमों की निगरानी और समन्वय के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस कार्य बल में स्वास्थ्य,आयुष, शिक्षा तथा महिला एवं बाल विकास विभागों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सभी हस्तक्षेपों का प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए हर पखवाड़े टास्क फोर्स की बैठक होगी।

यह निर्णय आज मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में पोषण अभियान के तहत राज्य अभिसरण (कन्वर्जेंस) समिति की छठी बैठक में लिया गया। बैठक के बाद महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर

राजपाल ने बताया कि पोषण 2.0 के तहत जमीनी स्तर पर निगरानी पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें गांव स्तर पर पोषण पंचायतों की स्थापना भी शामिल है। गांव स्तर पर हस्तक्षेप को मजबूत करने के लिए ग्राम पंचायतों के तहत 10–15 महिलाओं की उप–समितियां बनाई जा रही हैं। इन उप–समितियों की हर महीने बैठक होगी। ये एकीकृत बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) की निगरानी करेंगी, भोजन की गुणवत्ता का सोशल ऑडिट करेंगी, आंगनवाड़ी केंद्रों में मौके पर जाकर जाँच करेंगी और गाँव के स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भाग लेंगी।इसके अलावा, राष्ट्रीय सुपोषित पंचायत अभियान के तहत, प्रदेश में समन्वित प्रयासों से कुपोषण को कम करने के लिए ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित किया जाएगा। आहार विविधता को बेहतर बनाने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों, पंचायती भूमि और सामुदायिक स्थानों पर 'पोषण वाटिकाएं' (पोषण उद्यान) बनाने की योजना बनाई गई है। बागवानी और आयुष विभाग पौधे, बीज (औषधीय पौधों सहित) उपलब्ध करवाने के साथ–साथ तकनीकी सहायता भी प्रदान करेंगे। बागवानी विभाग द्वारा सड़क किनारे फलों के पौधे भी लगाए जाएंगे। सुधीर राजपाल ने बताया कि जल शक्ति अभियान के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के माध्यम से सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को पानी के कनेक्शन प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बढ़ते जल संकट को लेकर हस्तक्षेप करे केंद्र सरकार : सैलजा

चंडीगढ़, 04 मई (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से हरियाणा में बढ़ते जल संकट को लेकर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। साथ ही भाखड़ा बांध से हरियाणा को मिलने वाले जल में हो रही कटौती पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सांसद ने सुझाव दिया है कि हरियाणा को मिलने वाले जल हिस्से में न्यूनतम 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाए, ताकि राज्य की बढ़ती जनसंख्या, सिंचाई योग्य भूमि और औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल को पत्र लिखकर प्रदेश में बढ़ रहे जल संकट को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पानी देने में पंजाब मनमानी कर रहा है जबकि हरियाणा में जल संकट काफी गंभीर बना हुआ है। इस जल संकट को लेकर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा है कि जल समझौते के अनुसार भाखड़ा बांध से हरियाणा को पानी दिलाया जाए।

कुमारी सैलजा ने पत्र में लिखा है कि भाखड़ा बांध के तहत हरियाणा को 9500 क्यूसेक जल मिलने का अधिकार है, लेकिन पंजाब सरकार की ओर से निरंतर इसमें कटौती की जा रही है, जिससे सिरसा सहित प्रदेश के विभिन्न कृषि क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई है। सांसद सैलजा ने इस बात पर बल दिया कि हरियाणा देश के अन्न उत्पादन और औद्योगिक विकास में अहम भूमिका निभाता है, और ऐसे में जल की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करना अति आवश्यक है। सांसद कुमारी सैलजा ने यह भी मांग की कि भाखड़ा नांगल बांध में गाद की सफाई की परियोजना को शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि इसकी भंडारण क्षमता में वृद्धि हो सके।

भगवान परशुराम सनातन धर्म, शौर्य, तप और न्याय परंपरा के प्रेरणास्रोत : बड़ौली

चंडीगढ़, 04 मई (एजेंसियां)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा सरकार सनातन धर्म के सम्मान और हरियाणा के विकास के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। हमारी सरकार में लगातार संतो–महापुरुषों की जयंतियों को सरकारी स्तर पर मनाकर उनके संदेश को जन–जन तक पहुंचाया जा रहा है। बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार हरियाणा एक, हरियाणवीं एक के मंत्र पर चलते हुए हर वर्ग का ख्याल रख रही है। बड़ौली रविवार को कैथल स्थित सर्व ब्राह्मण धर्मशाला में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस पावन अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने सूर्य कवि पंडित लक्ष्मीचन्द लाइब्रेरी एवं कोचिंग सेंटर का उद्घाटन भी किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शस्त्र एवं शास्त्र के ज्ञाता, धर्म एवं कर्म के प्रतीक भगवान परशुराम का जीवन हमें न्याय और सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा देता है।

इको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बनाई जा रही है जंगल सफारी : राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़।, 04 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यावरण सरंक्षण एक वैश्विक चिंता का विषय बनता जा रहा है। पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने के लिए हमें प्रकृति व वन्य जीव सरंक्षण के प्रति संवेदनशील होना होगा। निजी क्षेत्र के साथ–साथ कई नए युवा स्टार्टअप भी प्रकृति व वन्यजीव सरंक्षण में गरी रूचि दिखा रहे हैं, जो कि सरकारी प्रयासों के साथ–साथ एक सराहनीय पहल है।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों अपने मन की बात कार्यक्रम में वन्य जीवों को बचाने का देशवासियों का आह्वान किया था। इसी कड़ी में हरियाणा वन विभाग अरावली क्षेत्र में जंगल सफारी व ग्रीन वाल प्रोजेक्ट वन जीवों को बचाने के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जंगल सफारी परियोजना पहले पर्यटन विभाग द्वारा तैयार की जानी थी परंतु अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसकी जिम्मेदारी वन एवं वन्य जीव विभाग को सौंपी है। विभाग तेजी से कार्य कर रहा है।मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 7 व 8 जून को जामनगर(गुजरात) के वनतारा परियोजना का दौरा करेंगे। उनके साथ वे स्वयं भी जाएंगे। उन्होंने कहा कि अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के तहत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली सहित चार राज्यों में 1.15 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भूमि का सुधार बहु–राज्य सहयोग का एक अनुकरणीय मॉडल प्रदर्शित करना है। वनों की स्वदेशी प्रजातियों के साथ वनरोपण, जैव विविधता संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार और भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना भी है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से अरावली क्षेत्र में न केवल लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे बल्कि जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल संसाधन प्रबंधन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में युवा पीढ़ी को प्रकृति को इस नेक कार्य के प्रति जागरूक करने तथा उनके आजिविका के साधन बढ़ाने के लिए राज्य में वन मित्रों की नियुक्ति की गई है, जो स्थानीय लोगों को वनों से जोड़ रहे है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दें

इको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित होगा हिरण्य पर्वत

मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने किया शिलान्यास

पटना (एजेंसियां)। इको पर्यटन और पार्क विकास योजना के तहत नालंदा जिले के बिहार शरीफ में स्थित हिरण्य पर्वत पार्क और उसके आसपास के क्षेत्रों को बेहतर बनाने का काम शुरू किया गया है। इसका शिलान्यास पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री और स्थानीय विधायक डॉ. सुनील कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि हिरण्य पर्वत को एक सुंदर और आकर्षक पर्यटन स्थल बनाने के लिए लगभग 2 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत से कई काम किए जाएंगे। इनमें शिव मंदिर तक जाने वाली सीढ़ी बनाना, कैफेटेरिया, फाउंटेन, ओपन जिम, अच्छी सुविधा वाले बाथरूम और कैंटीन शामिल हैं।

मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि यहां आने वाले पर्यटकों को सारी सुविधाएं मिलें, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में चल रहे और भविष्य में होने वाले विकास कार्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोहसराय और आशानगर के सूर्य मंदिर और बाबा मणिराम अखाड़ा में भी विकास योजनाएं लाई जाएंगी। इस मौके पर मंत्री जी ने मंदिर में पूजा की और पौधारोपण भी किया। स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में कई वन अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस मौके पर मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं भी सुनीं और उन्हें जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। स्थानीय निवासी और भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अमरेश कुमार ने मंत्री का ध्यान मंसूर नगर से लेकर छोटी पहाड़ी तक नल-जल योजना का पानी न मिलने की ओर दिलाया।

अमरेश कुमार ने बताया कि सरकार की 'नल-जल योजना' के तहत करीब दो साल पहले यहां पाइप और कनेक्शन तो दे दिए गए, लेकिन अब तक हजारों घरों तक पानी नहीं पहुंच पाया है।

खासकर हिरण्य पर्वत के पास की गलियों, मंसूर नगर और छोटी पहाड़ी के इलाके में लोग पानी की भारी परेशानी झेल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने नगर आयुक्त को एक साल पहले हस्ताक्षरयुक्त आवेदन भी दिया था, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। कई बार बुडको और अन्य अधिकारियों से शिकायत की गई, पर कोई फायदा नहीं हुआ।

उन्होंने बताया कि इस इलाके में अधिकतर लोग गरीब मजदूर हैं, और उनके लिए यह पानी की समस्या बहुत गंभीर है। इस पर मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं दूर करना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि नगर आयुक्त के साथ बैठक कर इस मामले पर चर्चा की जाएगी और जहां से पानी की सप्लाई में रुकावट है, उसे जल्द दूर कराया जाएगा। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही मंसूर नगर, छोटी पहाड़ी और आसपास के घरों में पानी पहुंचेगा।

इस कार्यक्रम में भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे, जिनमें जिला मंत्री डॉ. अशुतोष कुमार, अमरेश कुमार, पूर्व पार्षद भेषनाथ प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, धनंजय कुमार, नीरज डब्ल्यू, विपिन कुमार, भूषण प्रसाद, अविनाश कुमार, अमित शान सिंह, सन्नी कुमार, बब्लू कुशवाहा, राकेश रोशन, शिवम राज, नवल कुमार यादव, रवि कुमार, अमन चौधरी और कई अन्य लोग शामिल थे।

मां के सामने ही हुई हृदयविदारक घटना

गंगा नदी में डूबे भाई-बहन, बेटे का शव मिला, बेटी की तलाश जारी

वैशाली

वैशाली जिले के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर गांव में रविवार की सुबह गंगा नदी में स्नान करने गए दो मासूम भाई-बहन के डूबने से गांव में कोहराम मच गया।

स्नान के दौरान हुए इस दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय आयुष कुमार का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि उसकी सात वर्षीय बहन अनुप्रिया कुमारी अब भी लापता है। दोनों अपने मां के साथ आस्था के पर्व 'शनीचर-ऐतबार स्नान' के अवसर पर गंगा घाट पर पहुंचे थे।

घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया है। परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्नान के दौरान दोनों बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से आयुष को किसी तरह नदी से बाहर निकाला गया और उसे इलाज के लिए तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही रुस्तमपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात की गंभीरता को देखते हुए पटना से एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। नदी में बहन अनुप्रिया की तलाश युद्धस्तर पर जारी है। गंगा नदी के तट पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण इकट्ठा हो गए और आंखों में चिंता लिए बहन की सलामती की दुआ कर रहे हैं। पुलिस ने आयुष के शव को कागजी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

परिवारवालों के अनुसार, आयुष और अनुप्रिया अपनी मां के साथ शनीचर और ऐतबार के विशेष पर्व पर गंगा स्नान के लिए गए थे। इस आस्था भरे स्नान ने पल भर में उनके जीवन को गम में बदल दिया। ग्रामीणों का कहना है कि गंगा घाट पर न तो कोई सुरक्षा व्यवस्था थी और न ही प्रशासन की ओर से कोई चेतावनी बोर्ड या बैरिकेडिंग। इसी लापरवाही ने दो मासूम जिंदगियों को निगल लिया।

रुस्तमपुर थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने पुष्टि करते हुए बताया कि जहांगीरपुर घाट पर स्नान के दौरान भाई-बहन डूब गए थे। आयुष को बाहर निकाल कर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अनुप्रिया की खोजबीन की जा रही है, एसडीआरएफ की टीम लगातार प्रयास में जुटी है।

पति पड़ोसी के घर में देख रहा था क्रिकेट मैच, पत्नी ने दुपट्टे से लटककर दी जान

दरभंगा (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के मालपुर पूर्वी पट्टी तरसपुर वार्ड-2 में शनिवार रात एक विवाहिता ने फंदे से लटक कर जान दे दी। महिला की पहचान तरसपुर निवासी मो. रिजवान की पत्नी इशरत खातून (40) के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए रविवार सुबह सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में मृतक के पुत्र ने बताया कि उनके पिता रात में पड़ोसी के यहां आईपीएल क्रिकेट मैच देख रहे थे। मैच खत्म होने के बाद जब वह आए और गेट खोलने के लिए आवाज लगाई, लेकिन उसके बावजूद उसकी मम्मी ने अंदर से कोई आवाज नहीं दी। परिवार के लोगों ने गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो देखा कि वह दुपट्टे के सहारे पंखे से लटकी हुई है और उनकी मौत हो चुकी है।

उसने आगे बताया कि हल्ला होने पर आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हालांकि उसकी मां ने आत्महत्या क्यों की, इस बारे में वह कुछ नहीं बता पा रहा है। बच्चों के अनुसार परिवार में हमेशा झगड़ा होता रहता था।

दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि महिला द्वारा फंदे से लटककर जान देने का मामला सामने आया है।

जाति जनगणना की समय सीमा को लेकर भाजपा पर दबाव बनायें पार्टी नेता : कांग्रेस

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्षों, विधानदल के नेताओं तथा जिला अध्यक्षों को परिपत्र जारी करके रविवार को कहा कि संविधान बचाओ रैलियों के दौरान जाति जनगणना के मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर मोदी सरकार पर इसके क्रियान्वयन में समय सीमा तय करने का दबाव बनाएं।

कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने आज सभी प्रदेश इकाइयों जिला इकाइयों को जारी सर्कुलर में कहा कि जाति जनगणना का मुद्दा महत्वपूर्ण है और सभी प्रदेश और जिला इकाइयों को इस काम को निर्धारित समय के भीतर क्रियान्वयन के लिए अभियान चलाना है। पार्टी का मानना है कि दबाव के चलते ही मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने का निर्णय लिया है। यह काम समय पर हो इसके लिए सरकार को बाध्य करना है, इसलिए सभी प्रदेश तथा जिला इकाइयों को व्यापक स्तर पर अभियान चलाना है।

सर्कुलर में राज्यों और जिलों में प्रस्तावित संविधान बचाओ रैलियों में इस मुद्दे को उठाने का निर्देश देते हुए कहा गया है कि रैलिया के दौरान अनुच्छेद 15(5) पर खास जोर देना है ताकि निजी शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़े वर्ग कि उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए आरक्षण के प्रावधान को लागू किया जा सके।

श्री वेणुगोपाल ने सर्कुलर में कहा,कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कांग्रेस की मांग दोहराई थी और पार्टी नेता राहुल गांधी भी इस मुद्दे पर सबसे मुखर और दृढ़ आवाज़ उठा रहे हैं। उन्होंने बार-बार कहा है कि सामाजिक न्याय के लिए जातिगत गणना ज़रूरी है। सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों से अनुरोध है कि वे आगामी 'संविधान बचाओ रैलियों' में इस मुद्दे को ज़ोरदार तरीके से उठाएं और अनुच्छेद 15(5)पर त्वरित क्रियान्वयन की मांग को प्रमुखता दें।

उन्होंने लिखा कि राज्य स्तर पर नियंत्रण कक्ष बनाए जाएं जो पूरी प्रक्रिया की निगरानी करें। इसके साथ ही जिला स्तर पर समर्पित पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाए जो जाति जनगणना की हर गतिविधियों का समन्वय करते हुए स्थिति की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने विधानसभा-स्तरीय रैलियों आयोजित करने के साथ ही मीडिया के माध्यम से इन मांगों को लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया और कहा कि जिला स्तर पर ऐसे कार्यक्रमों के दौरान जिले की मीडिया राष्ट्रीय मीडिया के साथ समन्वय करके सीडीसी तथा पार्टी के शीर्ष नेताओं के इस मुद्दे पर विचारों को जनता के बीच पहुंचाएं।

मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी हाईवे पर भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। सीतामढ़ी में भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है। घटना मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी हाईवे पर महिंदवारा इलाके में रविवार सुबह हुई। तेज रफ्तार कार और ट्रक की आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि तीन लोगों ने मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच में यह बात सामने आई है कि कार की स्पीड काफी अधिक थी। वह अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। ट्रक और कार को जब्त कर लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। मरने वालों की पहचान के लिए आसपास के थानों की मदद ली जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और ट्रक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

मशहूर गायिका इशरत जहां ने की सूर्य मंदिर में पूजा

औरंगाबाद

मशहूर गायिका इशरत जहां औरंगाबाद के विश्व प्रसिद्ध सौर तीर्थ स्थल देव पहुंची, जहां उन्होंने त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर में मत्था टेका और भगवान सूर्य का दर्शन-पूजन किया। इस दौरान मंदिर के पुजारी ने इशरत को विधिवत पूजा-अर्चना कराई। पूजा के बाद इशरत जहां ने मंदिर परिसर में लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वो मुस्लिम हैं, लेकिन फिर भी उन्हें सनातन धर्म में गहरी आस्था है और वे भगवान सूर्य में विश्वास रखती हैं।

इशरत जहां ने बताया कि उनकी शादी एक मारवाड़ी परिवार में हुई है और वे दोनों धर्मों का समान रूप से सम्मान करती हैं। देव आने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कई सनातनी भजन और छठ महापर्व के गीत गाए हैं। उनकी आवाज मधुर और सुरीली है, इसी कारण देव प्रखंड के करमडीह गांव में हो रहे श्री श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में उन्हें बुलाया गया।

आयोजकों ने उन्हें इसलिए आमंत्रित किया ताकि वे अपने भक्ति गीतों से यज्ञ का माहौल भक्तिमय और आध्यात्मिक बना सकें। इशरत ने इस निमंत्रण को स्वीकार किया और यज्ञ में भक्ति गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी। उन्होंने आयोजन समिति के अध्यक्ष चंदन सिंह को आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया।

देव पहुंचने पर मशहूर गायिका इशरत जहां का स्थानीय समाजसेवियों मुकुल सिंह, मुन्ना पाठक, विजय पांडेय, रुपेश पाठक, उपेंद्र यादव और अमित पाठक ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्हें भगवान सूर्य और प्रभु श्रीराम की तस्वीर वाला मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत से खुश होकर इशरत जहां ने वहां मौजूद लोगों के आग्रह पर छठ के भक्ति गीतों के कुछ मुखड़े गाए। उनकी मधुर आवाज ने माहौल को भक्तिमय बना दिया।

इशरत जहां ने बताया कि वह पहले प्रयागराज की रहने वाली थीं, लेकिन अब मुंबई में रहती हैं। उन्होंने पहलगाम में हुई घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इशरत ने कहा कि वह चाहती हैं कि भारत पूरे विश्व में एक मजबूत देश बने और सनातन धर्म का डंका पूरी दुनिया में बजे। इसके लिए वे पिछले 18 सालों से भक्ति गीत और धार्मिक संगीत के माध्यम से अपना योगदान दे रही हैं।

गोपालगंज में सड़क हादसा, दो लोगों की मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के दिघवा दुबौली में ऑल्टो कार और ट्रक में भीषण टक्कर हुई है।ऑल्टो कार में बैठे दो लोगो की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि तीन महिला गम्भीर रूप से घायल हो गयी है। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया है। घटना रविवार सुबह की है। मरने वालों की पहचान गया जिले के टिकारी थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव निवासी अनिरुद्ध शर्मा के दामाद सोनू शर्मा और यूपी पुलिस में तैनात गौरव राज के पुत्र छोटू कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, यूपी के पडरौना से ऑल्टो कार से सभी लोग गया जा रहे थे। अभी वह गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना के दिघवा दुबौली गांव के समीप पहुंचे थे। तभी तेजी से आ रहे ट्रक ने ऑल्टो कार में टक्कर मार दिया। इससे कार के परखच्चे उड़ गए और कुछ दुरी पर घिसीटते हुए कार खाई में गिर गयी। इस घटना के बाद मौके पर पहुंची बैकुंठपुर पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भेजकर मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि कार को जब्त कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है।

शाही लीची की मिठास पर मौसम की मार, मुजफ्फरपुर के सैकड़ों किसान निराश

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में गर्मी का असर अब प्रसिद्ध शाही लीची पर दिखने लगा है। लगातार बढ़ते तापमान और बारिश की कमी की वजह से कई लीची के फल खराब हो रहे हैं और कुछ फल फट भी रहे हैं। बारिश न होने के कारण लीची की अच्छी पैदावार नहीं हो पा रही है, जिससे किसान परेशान हैं और बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

जिले में करीब बारह हजार एकड़ में लीची की खेती होती है। लेकिन इस बार मौसम साथ नहीं दे रहा है। बारिश नहीं होने और गर्मी ज्यादा बढ़ने की वजह से लीची खराब हो रही है। पेड़ों पर लगे कई फल झुलसने लगे हैं, जिससे किसान बहुत परेशान हैं। मौसम सही नहीं होने के कारण लीची फटने भी लगी है और तेज गर्मी से उसके छिलके सूखने लगे हैं। अगर अगले सात दिनों तक ऐसा ही मौसम रहा तो इस बार लीची की पैदावार कम होगी और बाजार में लीची कम दिखाई देगी।

मुसहरी प्रखंड के लीची किसान संजीव कुमार ने बताया कि वह कई सालों से लीची की खेती कर रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से मौसम बदल रहा है और समय पर बारिश नहीं होने की वजह से काफी परेशानी हो रही है। किसान खुद पानी डालकर किसी तरह लीची के पेड़ बचा रहे हैं, लेकिन ये बहुत ही कम मदद कर पा रहा है। संजीव कुमार ने कहा कि जब लीची लाल होने लगी, तो लगा कि अब जल्द ही बाजार में बेच पाएंगे, लेकिन फिर से मौसम ने साथ नहीं दिया। भीषण गर्मी और बारिश की कमी से पेड़ पर लगे फल झड़ने लगे हैं, फटने लगे हैं और अब लीची का गूदा और छिलका भी सूखने लगा है। इससे किसान बहुत परेशान हैं।

मौसम में बदलाव को लेकर राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के फल वैज्ञानिक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि इस बार लीची के फटने की समस्या देखी जा रही है। इसका कारण मौसम में बदलाव है। उन्होंने कहा कि जब मिट्टी में नमी कम हो जाती है और सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे बोरॉन की कमी हो जाती है, तब तेज धूप का असर फलों पर पड़ता है और फल फटने लगते हैं। डॉ. सुनील ने बताया कि इसका आसान उपाय यह है कि फल लगने के 15 से 20 दिन बाद 0.4% बोरॉन या बोरेक्स को पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इसके अलावा टीसू बैग का भी इस्तेमाल करें, जिससे फलों के गुच्छों को ढक दिया जाए ताकि तेज धूप सीधे उन पर न पड़े। इससे फल सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने बताया कि कई किसान इस उपाय को अपनाकर अच्छा लाभ पा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com